3 राजधानी
आतिशी जल संकट पर 21 से करेंगी अनशन

6 अभिमत
लू का अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव

10 राष्ट्रीय
मोदी ने नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया

11 विदेश
इस साल हज यात्रा में सैकड़ों लोगों की मौत

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 221
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 20 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

ओलंपिक के बाद डॉक्टर की सलाह लेंगे नीरज चोपड़ा

स्पोर्ट्स-12

घातक हुई लू की मार, 16 की मौत

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

नई दिल्ली में बुधवार को चिलचिलाती धूप में खुद को बचाने के लिए स्कॉर्फ का इस्तेमाल करती महिलाएं। फोटोः रंजन डिमरी

लू की मार जारी है। इसका सबसे घातक असर साधनविहीन श्रेणी के लोगों पर ज्यादा पड़ रहा है। दिल्ली-एनसीआर में हीटस्ट्रोक सहित गर्मी से संबंधित बीमारी के कारण पिछले 24 घंटों में 16 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। विभिन्न अस्पतालों से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कई लोग गंभीर स्थिति से जूझ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों के अधिकारियों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल और सफदरजंग अस्पताल में एक-एक मरीज की मौत हो गई, जबकि लोक नायक अस्पताल (एलएनजेपी) सहित अन्य विभिन्न सरकारी अस्पतालों में पांच मरीजों की मौत हो गई। केंद्र संचालित आरएमएल अस्पताल में अधिकारियों को पिछले दो दिनों में 22 मरीज मिले। पांच मौतें हो चुकी हैं और 12 से 13 मरीज वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। ऐसे मरीजों को राहत देने के लिए अस्पताल ने अपनी तरह की पहली हीटस्ट्रोक यूनिट स्थापित की है।

सफदरजंग अस्पताल में हीट स्ट्रोक के कुल 60 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 42 को भर्ती कराया गया है। अस्पताल ने छह लोगों की मौत की सूचना दी है, जिनमें एक 60 वर्षीय महिला और एक 50 वर्षीय पुरुष शामिल हैं, जिनकी मंगलवार को मौत हो गई थी। एलएनजेपी अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो दिनों में संदिग्ध हीटस्ट्रोक के कारण चार मरीजों की मौत हो गई है। अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा, संदिग्ध हीट स्ट्रोक के कारण मंगलवार को दो मौतें हुईं और बुधवार को दो मौतें हुईं। हीट स्ट्रोक के 16 मरीज भर्ती हैं। पीड़ितों में से एक, जिसकी उम्र लगभग 39 वर्ष थी, की 15 जून को इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। वह एक मोटर मैकेनिक था, जो जनकपुरी में अपनी दुकान पर काम करते समय गिर गया। उसे तेज़ बुखार के साथ अस्पताल लाया गया था।

यह न केवल राष्ट्रीय राजधानी में है, बल्कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के विभिन्न इलाकों में वर्षों में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है, जिससे मृत्यु दर बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नोएडा के निकटवर्ती क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में संदिग्ध हीट स्ट्रोक के कारण कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस क्षेत्र में दिन और रात का तापमान लगातार करीब आ रहा है, यहां तक कि राष्ट्रीय राजधानी सहित देश के विभिन्न इलाके गर्मी से प्रभावित हैं, जहां 13 वर्षों में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया है। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने केंद्र सरकार के सभी अस्पतालों को गर्मी की लहर के कारण भर्ती होने वाले लोगों के इलाज को प्राथमिकता देने के लिए एक सलाह जारी की है।

बुधवार को हीटवेव की स्थिति और केंद्र सरकार के अस्पतालों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए, उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी अस्पताल प्रभावितों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और हीटस्ट्रोक इकाइयाँ स्थापित करने के लिए तैयार हैं। (शेष पेज 9)

मानसून की गति अभी सुस्त

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारत में 2024 के मानसून सीज़न की शुरुआत धीमी रही है, जिसमें देरी से प्रगति और देश भर में असमान वर्षा वितरण शामिल है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि इस साल जून में देश में सामान्य से कम मानसूनी बारिश होगी। इससे कृषि उपज और खाद्य सुरक्षा पर असर पड़ने की संभावना है, खासकर खरीफ फसल पर, क्योंकि इसकी बुआई बड़े पैमाने पर जून और जुलाई में की जाती है। जबकि दक्षिणी और कुछ पूर्वोत्तर क्षेत्रों में सामान्य से सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है, उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के कई क्षेत्रों में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। भारत का कम से कम 52 प्रतिशत खेती योग्य क्षेत्र मानसूनी बारिश पर निर्भर है, इसलिए कृषि पर इसका प्रभाव काफी व्यापक है। मानसून जल भंडारों को भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक हैं देश में मानसून के आगमन पर एक अपडेट में आईएमडी ने बुधवार को कहा, (शेष पेज 9)

14 खरीफ फसलों की बढ़ी एमएसपी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 2,869.65 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

नई दिल्ली में कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव।

लगातार तीसरा कार्यकाल संभालने के बाद अपनी पहली कैबिनेट बैठक में मोदी सरकार 3.0 ने बुधवार को 2024-25 खरीफ विपणन सीजन के लिए धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5.35 प्रतिशत बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। आगामी खरीफ सीजन के लिए सामान्य ग्रेड धान के लिए एमएसपी 117 रुपये बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि ए ग्रेड किस्म के लिए इसे बढ़ाकर 2,320 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि की सिफारिश तिलहन और दालों के लिए की गई है। निगरसीड (रु.983/- प्रति क्विंटल) के बाद तिल (रु.632/- प्रति क्विंटल) और तुअर/अरहर (रु.550/- प्रति क्विंटल)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने धान, रागी, बाजरा, ज्वार, मक्का और कपास सहित सभी 14 फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि की है, जिसका सरकार पर दो लाख करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव पड़ेगा और पिछले सीजन की तुलना में किसानों को 35,000 करोड़ रुपये का लाभ होगा। एमएसपी वृद्धि की घोषणा करते हुए, सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर 14 खरीफ (ग्रीष्म) फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों को मंजूरी दे दी है। ज्वार का एमएसपी 191 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 3180 रुपये से 3371 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। बाजरे का एमएसपी 2500 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल कर 2625 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है; रागी 444 रुपये बढ़कर 3846 रुपये से 4290 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का 135 रुपये बढ़कर 2090 रुपये से 2225 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

तुअर/अरहर का एमएसपी भी 550 रुपये बढ़कर 7000 रुपये से 7550 रुपये प्रति क्विंटल हो गया; मूंग 124 रुपये बढ़कर 8558 रुपये प्रति क्विंटल से 8682 रुपये प्रति क्विंटल; उड़द 450 रुपये बढ़कर 6950 रुपये से 7400 रुपये; मूंगफली 406 रुपये बढ़कर 6377 रुपये से 6783 रुपये प्रति क्विंटल और सूरजमुखी बीज 520 रुपये बढ़कर 6760 रुपये से 7280 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में लिया गया पहला कैबिनेट निर्णय है। धान के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी सरकार के अधिशेष चावल भंडार पर बैठे होने के बावजूद हुई है, लेकिन यह हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे राज्यों में चुनावों से पहले महत्वपूर्ण है। कृषि मंत्रालय ने एक बयान में कहा, विपणन सीजन 2024-25 के लिए खरीफ फसलों के लिए (शेष पेज 9)

केजरीवाल को राहत नहीं, न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को कथित आबकारी घोटाले से जुड़े एक धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि तीन जुलाई तक बढ़ा दी। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक केजरीवाल को, उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर आज वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश किया गया। इस दौरान विशेष न्यायाधीश न्याय बिंदु ने उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि तीन जुलाई तक बढ़ा दी। अदालत में सुनवाई के दौरान केजरीवाल की ओर से पेश अधिवक्ता ने उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाने की प्रवर्तन निदेशालय की याचिका विरोध करते हुए कहा कि उनकी हिरासत बढ़ाने का कोई आधार नहीं है।

न्यायाधीश ने इस मामले में केजरीवाल द्वारा दिए गए जमानत आवेदन पर भी दलीलें सुनीं। न्यायाधीश बृहस्पतिवार को भी इस आवेदन पर दलीलें सुनेंगे। अदालत में जिरह के दौरान केजरीवाल के वकील ने अदालत से कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ पूरा मामला बयानों पर आधारित है। उन्होंने कहा, ये बयान उन लोगों के हैं जिन्होंने खुद को दोषी माना है। वे संत तो नहीं हैं। वे ऐसे लोग नहीं हैं जो बस दागदार ही हैं बल्कि ऐसा लगता है कि उनमें से कुछ को गिरफ्तार किया गया, उनसे जमानत देने और माफ कर देने का वादा किया गया। सरकारी गवाह। एक अन्य श्रेणी है जिन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सह आरोपियों के बयानों में कई अंतर्विरोध हैं। उन्होंने कहा, यदि खामियों को दूर करने के लिए कोई अन्य बयान रिकार्ड कर लिया जाए तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा। यही वह प्रक्रिया है, जिसका वे पालन करते हैं। जांच हमेशा अंतहीन है। जब भी उनकी मर्जी होती है वे किसी को फंसा देते हैं। यह उत्पीड़न का सबसे बड़ा औजार है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय को जब संतुष्टि हो गई कि ऐसी कोई आशंका नहीं है कि केजरीवाल इंसाफ से भाग जाएंगे या गवाहों को प्रभावित (शेष पेज 9)

राहतः हरियाणा में नहीं बढ़ेंगे कलेक्टर रेट

- मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राजस्व विभाग के प्रस्ताव को लागू करने से इनकार कर दिया इनकार

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा सरकार ने प्रदेश वासियों को बड़ी राहत देते हुए जमीनों के कलेक्टर बढ़ाने के फैसले पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राजस्व विभाग के इस प्रस्ताव को लागू करने से इनकार कर दिया है। चुनाव के मौसम में प्रदेश वासियों को यह बड़ी राहत है। हरियाणा में नए रेट एक अप्रैल में रिवाइज कलेक्टर रेट लागू होते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव के कारण आचार संहिता लगी हुई थी। इस कारण से कलेक्टर रेट लागू नहीं हो पाए। आचार संहिता हटते ही जिलों से रिवाइज कलेक्टर रेट के प्रस्ताव राजस्व विभाग को भेजे गए थे। राजस्व विभाग ने जमीनों के दस से बीस प्रतिशत तक कलेक्टर रेट बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। मुख्यमंत्री ने इस फाइल को लौटाते हुए कहा है कि अभी पुराने रेट पर ही रजिस्ट्री की जाएगी। पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने अपने कार्यकाल के दौरान निर्देश दिए थे कि कलेक्टर रेट बढ़ाने से पहले जिलों में मार्केट वेल्यू का पता करना जरूरी है। क्योंकि कई जिलों में ऐसी जमीनें भी हैं, जहां जमीनों की मार्केट वेल्यू काफी है, लेकिन कलेक्टर रेट उसके मुकाबले काफी कम है। इससे सरकार को करोड़ों रुपए का राजस्व नुकसान उठाना पड़ता है। पूर्व सीएम के निर्देश के अनुसार ही जिलों से कलेक्टर रेट बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन सीएम सैनी ने इसे लागू करने से मना कर दिया। हरियाणा में एनसीआर के तहत आने वाले जिलों से सबसे ज्यादा कलेक्टर रेट बढ़ाने का प्रस्ताव आया था। इनमें रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, बहादुरगढ़, सोनीपत, करनाल, पानीपत जिले शामिल हैं। यहां के जिला प्रशासन की ओर से 20 प्रतिशत तक की कलेक्टर रेट में बढ़ोतरी के प्रस्ताव भेजे गए थे।

शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का आदेश दिया

नई दिल्ली(भाषा)। शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का बुधवार को आदेश दिया और मामले को गहन जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया है। अधिकारियों ने बताया कि यूजीसी-नेट परीक्षा इसलिए रद्द की गई कि ऐसी जानकारी मिली थी कि परीक्षा की शुचिता से समझौता किया गया है। मंत्रालय का यह फैसला, मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) में कथित अनियमितताओं को लेकर उपजे बड़े विवाद के बीच आया है और यह मुद्दा अब उच्चतम न्यायालय में है। परंपरा से हटकर, इस बार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) एक ही दिन (18 जून) में पेन और पेपर मोड में आयोजित की गई, जिसमें 11 लाख छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। फिर से यह परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके लिए अलग से जानकारी साझा की जाएगी। यूजीसी-नेट परीक्षा के माध्यम से भारतीयों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और भारतीय विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में पीएचडी में प्रवेश के लिए पात्रता निर्धारित की जाती है।

भारत के अतीत का पुनर्जागरण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने प्राचीन नालंदा विहार के परिसर का भ्रमण करने और उसके अवशेषों का अवलोकन करने के बाद नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, नालंदा उस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं।

आंध्र में सांसद की बेटी ने सड़क किनारे सो रहे व्यक्ति को कुचला

- मौत, पुलिस ने आरोपी को किया और बाद में जमानत पर किया रिहा

पीटीआई। चेन्नई

चेन्नई में घटनास्थल पर पहुंची पुलिस।

युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) से राज्यसभा सदस्य बीड़ा मस्तान राव की बेटी बीड़ा माधुरी को एक व्यक्ति को गाड़ी से कुचलने के मामले में गिरफ्तार किया गया और बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 17 जून को बसंत नगर की है माधुरी ने सड़क किनारे सो रहे व्यक्ति को गाड़ी से कथित रूप से कुचल दिया और वहां से फरार हो गईं। उसने बताया कि गाड़ी में माधुरी के साथ एक और महिला थी। उन्होंने बताया कि पीड़ित की पहचान सूर्या (21) के रूप में हुई है, जो पेशे से पेंटर था, (शेष पेज 9)

भारत तथा कनाडा के रिश्ते निज्जर मुद्दे पर और तल्ख

पायनियर समाचार सेवा/एजेंसी। नई दिल्ली/ओटावा

नागरिक विमानन के इतिहास में सबसे जघन्य आतंकवाद से संबंधित हवाई दुर्घटना कनिष्क बम विस्फोट को याद करते हुए वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा है कि भारत आतंकवाद की समस्या से निपटने में सबसे आगे है और इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। दूतावास ने बम विस्फोट की बरसी पर एक स्मृति कार्यक्रम की योजना बनाई है। इस बीच, कनाडा की संसद ने मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में मौन रखकर निज्जर की मृत्यु की पहली बरसी मनाई। पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा पुलिस ने हत्या के सिलसिले में चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। मांट्रियल -नई दिल्ली एअर इंडिया कनिष्क उड़ान संख्या 182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए। इनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई थे। इस बम विस्फोट का आरोप सिख आतंकवादियों पर लगाया गया था। यह विस्फोट कथित तौर पर 1984 में स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए किए गए ऑपरेशन ब्लूस्टार के प्रतिशोध में किया गया था। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने बम विस्फोट की बरसी पर एक स्मृति कार्यक्रम की योजना बनाई है। वैंकूवर स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, भारत आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने में (शेष पेज 9)

मोदी की कश्मीर यात्रा से पहले दो आतंकी ढेर

मोहित कंडारी। जम्मू

हादीपोरा में मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबल के जवान।

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीनगर यात्रा से पहले, सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने बुधवार को उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के पीडी सोपोर के हादीपोरा इलाके में दो आतंकवादियों को मार गिराया। ऑपरेशन के दौरान सेना के एक जवान सहित दो सुरक्षाकर्मियों को भी चोटें आईं। इस बीच, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर शहर को अस्थायी रेड ज़ोन घोषित कर दिया है और पीएम की यात्रा से पहले ड्रोन के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी का यह पहला जम्मू-कश्मीर दौरा होगा। रिपोर्ट लिखे जाने तक मारे गए आतंकवादियों की पहचान नहीं हो पाई थी क्योंकि सुरक्षा बल इलाके में तलाशी कर रहे थे और मुठभेड़ स्थल से आतंकवादियों के शव अभी तक बरामद नहीं हुए थे।

चिनार कॉर्प्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी मिलने पर ऑपरेशन चलाया गया था। आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट खुफिया इनपुट पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। आज पीडी सोपोर के हादीपोरा क्षेत्र में; दो आतंकवादियों को मार गिराया गया, ऑपरेशन जारी है। एक और सफलता में, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 9 जून को रियासी में एक तीर्थयात्री बस पर आतंकी हमले के लिए आतंकवादियों को शरण देने के आरोप में एक आतंकवादी सहयोगी को गिरफ्तार किया। रियासी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एसएसपी रियासी मोहिता शर्मा ने कहा, 9 जून को शिव खोरी से आ रही तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकवादी हमले के मामले में एक सफलता हासिल हुई है। इसमें एक आतंकी सहयोगी, 45 वर्षीय हाकम को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रियासी में गिरफ्तार किया है। (शेष पेज 9)

एनसीआर में भीषण गर्मी का कहर, लोग बेहाल

● कोरोना की तरह श्मशान घाटों पर शवों का अंबार, अस्पतालों में मरीज भरे

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद/नोएडा

भीषण गर्मी के चलते पानी से प्यास बुझाती युवती। फोटो: रंजन डिमरी

वैसे तो उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। यूपी की बात करें तो दो सौ लोगों के आसपास मौत हो गई है। वहीं गाजियाबाद और नोएडा में भी गर्मी का कहर जारी है। लोग सड़कों पर चलते-चलते बेहोश हो रहे हैं तो वहीं जिस तरह कोरोना में श्मशान घाटों पर शवों के अंबार थे ठीक उसी तरह गर्मी में भी यही हाल है। जो अस्पताल में आ गये हैं उनके शवों का पोस्टमार्टम हो रहा है। 36 घंटे के अंदर गाजियाबाद और नोएडा में 60 लोगों की मौत हो गई है।

गाजियाबाद में बीते 36 घंटे में गर्मी से बीस लोगों की मौत हो गई है। जिसमें दो बच्चे भी शामिल है। ऐसे 12 लोग अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुके थे और चार की मौत उपचार के दौरान हुई थी। बताया जा रहा है कि अधिकतर की मौत हीट स्ट्रोक के चलते हुई है। मौसम विभाग ने 19 जून तक हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। सूरज की तपिश से तापमान इस बार लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। अस्पतालों में हीट वेव, डायरिया के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जयप्रकाश, सिद्धार्थ विहार निवासी अवनीश पांडे, अमन कॉलोनी निवासी मोहम्मद रफीक, वसुंधरा सेक्टर निवासी मोहम्मद इम्तियाज, विजयनगर निवासी सावित्री, देव नारायण, परी, रमेशचंद्र, देवेश, राजवती, अनिल सिंह को जिला अस्पताल व संयुक्त अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

चार अज्ञातों को भी सडक से बेहोशी की हालात में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन सभी की मौत हो गई। अन्य अस्पतालों में भी मरीजों की भीड लगातार बढ रही है। गर्मी से बेहाल लोग तमाम उपाए अपना रहे हैं, इसके बावजूद गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। गजियाबाद संयुक्त अस्पताल के सीएमएस डॉ.विनोद चंद्र पांडेय ने बताया कि हीट स्ट्रोक के अधिकतर मरीज इमरजेंसी में बेहोशी की हालात में पहुंच रहे हैं। कई मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड चुके हैं। सुबह भी संयुक्त अस्पताल में दो मौत हो चुकी हैं जिसमें एक अज्ञात है।

वहीं गौतमबुद्ध नगर में गर्मी से पिछले 36 घंटों में 40 लोगों की मौत हो गई। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-113 क्षेत्र सोरखा गांव में रहने वाले राहुल पुत्र रघुवीर उम्र 33 वर्ष को आज उनके परिजनों ने बिसरख स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना फेस-वन क्षेत्र के हरौला गांव में रहने वाले सलीम 65 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि गिझौड़ गांव में रहने वाले सुहेल मलिक उम्र 42 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के सेक्टर-61 के पास एक 32 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले अर्जुन 50 वर्ष की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-63 में क्षेत्र में एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। उन्होंने बताया कि खोड़ा कॉलोनी के रहने वाले अर्जुन 25 वर्ष को उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई है।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। उन्होंने बताया कि थाना दनकौर क्षेत्र में एक 40 वर्षीय अज्ञात शव पुलिस को मिला है। उन्होंने बताया कि थाना फेस-वन क्षेत्र में रहने वाले सोनू सेन उम्र 39 वर्ष की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में रहने वाले कौशलेंद्र पुत्र विनोद कुमार उम्र 27 वर्ष की संदीप परिस्थितियों में मौत हो गई है।

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में रहने वाले साधु पुत्र करीमन उम्र 48 वर्ष की संदीप परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना फेस तीन क्षेत्र में आज सुबह को एक 26 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है।

थाना फेस 2 क्षेत्र में रहने वाले साबिर पुत्र नजर अली शाह उम्र 40 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में आज सुबह को एक 42 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। थाना फेस वन क्षेत्र में आज सुबह को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। उन्होंने बताया कि थाना एक्सप्रेस वे क्षेत्र में रहने वाले श्याम पुत्र वीरेन बंसल उम्र 45 वर्ष की गर्मी के चलते मौत हो गई है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि अनिल कुमार नामक व्यक्ति की गर्मी के चलते मौत हो गई है। उसकी उम्र 40 वर्ष है।

वहीं थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में रहते थे। उन्होंने बताया कि थाना ईकोटेक-तीन क्षेत्र में रहने वाले की 41 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की मौत गर्मी के चलते हो गई है।

उन्होंने बताया कि थाना फेस-दो क्षेत्र में रहने वाले मंगल सिंह 32 वर्ष की मौत गर्मी के कारण हो गई है। उन्होंने बताया कि थाना बीटा-दो क्षेत्र में रहने वाले हरे राम शर्मा 40 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सेक्टर-142 क्षेत्र में रहने वाले शिवकुमार उम्र 47 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

पुलिस की रिपोर्ट में मौतों का कारण गर्मी

गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा है कि गर्मी से जिले में मौत की सूचना अभी तक नहीं आई है। जिला प्रशासन द्वारा लू और गर्मी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। वहीं लू प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारी डॉक्टर अमित कुमार का कहना है कि हमारे रिकॉर्ड में अभी तक लू का एक भी मामला नहीं आया है।

अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में खराब पड़े हैं डीप फ्रीजर

● गाजियाबाद में शव रखने में हो रही दिक्कतें

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इन दिनों गर्मी की चपेट में आकर लगातार मौते हो रही हैं। अस्पतालों में बेहोशी की हालात में मरीजों को लाया जा रहा है जो अस्पताल पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ रहे हैं। मरने वालों में कई ऐसे भी हैं जिनकी पहचान तक नहीं हो पा रही है।

इसके चलते इन शवों का पहचान और मरने की सटीक वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। लेकिन पोस्टमार्टम हाउस का भी हाल बेहाल है।

भीषण गर्मी होने के कारण शवों को अधिक समय तक नहीं रखा जा सकता। लेकिन पोस्टमार्टम हाउस में ड्रीप फीजर खराब पडे हैं। पोस्टमार्टमर हाउस में वर्तमान में दस डीप फ्रीजर हैं जिसमें से महज चार ही संचालित हैं बाकी के फ्रीजर खराब पडे हैं। ऐसे में शवों को अधिक समय तक रखने में परेशानी हो रही है।

इतना ही नहीं पिछले 24 घंटे में करीब एक दर्जन शव पोस्टमार्टम के लिए पहुंचे हैं, जिन्हें रखने में स्टाफ को समस्या का सामना करना पड रहा है। उस पर कटौती होने के चलते ड्रीप फ्रीजर भी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे हैं। संयुक्त अस्पताल के सीएमएस डॉ.विनोद चंद्र पांडेय ने बताया कि अस्पताल में सड़क पर बेहोश मिले कई लोगों को भर्ती कराया गया है जिनकी मौत हो गई थी। उनकी पहचान और मौत की सही वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

हालांकि पोस्टमार्टम हाउस की व्यवस्था को लेकर उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ.आरके गुप्ता ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण मौतों की संख्या बढ़ी हैं। हालांकि पूरा प्रयास किया जा रहा है कि शवों का समय से पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार कराया जाए। शवों की संख्या बढ़ने के कारण पोस्टमार्टम हाउस में डॉक्टर्स की एक अतिरिक्त टीम लगाई गई है। सहयोगी स्टाफ भी बढाया गया है ताकि 24 घंटे के अन्दर पोस्टमार्टम हो सके। डीप फ्रीजर को लेकर उन्होंने दावा किया कि एक दो फ्रीजर खराब हैं।

बिजली आपूर्ति बाधित होने पर सोसाइटी के निवासियों ने देर रात किया जमकर हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित गौर सिटी- दो सोसाइटी के 11 एवेन्यू में जनरेटर सेट व मेन पावर की सप्लाई से बिजली आपूर्ति बाधित होने पर वहां के निवासियों ने देर रात को सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया, तथा जाम लगा दिया।

निवासी अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन के विरोध में जमकर नारीबाजी कर रहे थे। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर सिटी 2 के 11 एवेन्यू में रहने वाले नागरिकों ने मंगलवार की देर रात को सोसाइटी में जमकर हंगामा किया, तथा सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन के पदाधिकारी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बताया कि निवासियों का आरोप है कि सोसाइटी में लगे जनरेटर सेट से बिजली सप्लाई नहीं हो रही है। मेंन पावर की सप्लाई ठप है। उन्होंने बिजली व्यवस्था में तुरंत सुधार लाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों ने लोगों को समझा-बूझकर उन्हें वापस भेजा। वही सोसाइटी वालों का कहना है कि अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन के पदाधिकारी के मनमानी व उत्पीड़न के चलते उनका जीना दूभर हो रहा है। उनके अनुसार प्रचंड गर्मी में बिजली की आपूर्ति नहीं होने से उनके परिजनों का बुरा हाल है, तथा वे लोग रात-रात भर जागने को मजबूर हैं।

महापौर ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के दिए निर्देश

● मालवीय नगर में सफाई नियमित करने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मालवीय नगर में लोगों की समस्या को सुनतीं दिल्ली नगर निगम की महापौर शैली।

महापौर शैली ओबरॉय ने साफ-सफाई, सड़कों से अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शैली ने बुधवार को साउथ जोन के पार्षदों से मुलाकात की और सभी विभागों के कामकाज की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को जलभराव से निपटने के लिए नालियों की सफाई सुनिश्चित करने और मालवीय नगर वार्ड के सभी क्षेत्रों की नियमित सफाई करने को कहा। पार्षदों ने मालवीय नगर वार्ड के जहांपनाह क्षेत्र और खिड़की एक्सटेंशन जैसे उपेक्षित इलाकों में सफाई कर्मचारियों की कमी की जानकारी दी। इस मामले का संज्ञान लेते हुए, मेयर ने अधिकारियों से इन सभी क्षेत्रों में नियमित सफाई सुनिश्चित करने के लिए सफाई कर्मचारियों नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से ढलावों को विस्थापित करने और दक्षिणी जोन के क्षेत्रों में बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एफसीटीएस मशीन स्थापित करने की योजना बनाने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि चार फुट के सभी नालों से गाद निकालने का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि चार फुट से ऊपर के नालों से गाद निकालने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

महापौर ने कहा कि सभी अधिकारियों को मानसून कार्ययोजना के अनुसार नालों की सफाई की समय-सीमा का पालन करना होगा। विभिन्न वार्डों के पार्षदों ने महापौर को अपने-अपने वार्डों में सार्वजनिक स्थानों, सड़क और फुटपाथ पर अवैध अतिक्रमण, पार्कों के रखरखाव और सड़कों के रखरखाव के बारे में अवगत कराया। बैठक के दौरान, स्थानीय पार्षदों ने मालवीय नगर, शिवालिक जैसे कई इलाकों में अवैध फेरीवालों द्वारा सार्वजनिक भूमि और सड़कों के अतिक्रमण के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। मेयर ने अधिकारियों को ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। महापौर ने अधिकारियों को तहबाजारी योजना के तहत फेरीवालों के पुनर्वास के लिए उपाय सुझाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लोगों के कल्याण के लिए स्ट्रीट लाइटें लगाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

बाप-बेटे की घर में मिली लाश

गाजियाबाद। अंकुर विहार थाना क्षेत्र के विजय विहार का ये मामला है। पुलिस फिलहाल मौके पर है और जांच कर रही है। गाजियाबाद के अंकुर विहार इलाके में बुधवार को एक मकान में बाप-बेटे की लाश मिली है। दोनों की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया, अंकुर विहार थाना क्षेत्र में विजय विहार कॉलोनी है। यहां से सुबह 11 बजे सूचना आई कि एक मकान में बाप-बेटे मृत हालत में पड़े हुए हैं। पुलिस मौके पर भेज दी गई है। दोनों के शरीर पर जाहिरा चोट का कोई निशान नहीं है। एसीपी के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में बेटे को मिर्गी के दौरे पड़ते थे और पिता दमा के मरीज रहे हैं।

कांग्रेस कार्यालय पर मना राहुल गांधी का जन्मदिन

गाजियाबाद । महानगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विजय चौधरी के नेतृत्व में राहुल गांधी का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर नरेंद्र भारद्वाज, सतीश शर्मा, नसीम खान, अजय वर्मा, विजय पाल चौधरी, त्रिलोक सिंह, पार्षद कुलभूषण मोनू, संजय सिरोही, बाबू राम शर्मा, दिवाकर, सिराजुद्दीन, बलराज सिंह चावड़ा, अमित यादव, प्यारा चौधरी, कपिल यादव, आशिफ सिद्दीकी, सलमान, सलमान मंसूरी, कासिम प्रधान, महेंद्र गौतम, हुमायूं मिर्जा, खुर्शीद रंगरेज, राम शर्मा, प्रेम प्रकाश चीनी, विक्रांत चौधरी, विक्रांत प्रसार, लक्ष्मण, कृष्ण गौतम, अमजद इदरीसी, सचिन यादव, प्रशांत शर्मा, पवन शर्मा, अजीज सैफी, आशु, जफर, शमसुद्दीन सूफी आदि शामिल रहे।

योग शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

नोएडा। नगर सेवा भारती द्वारा पतंजलि योगपीठ के तत्वाधान में 21 जून अंतराष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष में योग शिविर के दूसरे दिन योग प्रमुख साक्षी रावल ने अनेक रोगों के निवारण के लिए योगअभ्यास कराया द्य भीषण गर्मी से राहत के लिए शीतली प्राणायाम द्वारा फेफड़ों की इम्युनिटी बढ़ाने और खान-पान से स्वस्थ रहने के लिए टिप्स दिए द्य तथा स्वास्थ्य की जांच के लिए शिविर लगाया गया । मुक्तिनाथ मिश्रा ने यज्ञ द्वारा वातावरण की शुद्धि हेतु मंत्र उच्चारण द्वारा शारीरिक , मानसिक तथा आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाने की प्रक्रिया सिखाई गई द्य पतंजलि योगपीठ के जिला प्रभारी अनिल भाटिया ने आयुष मंत्रालय द्वारा प्रोटोकॉल का अभ्यास भी कराया द्य स्वास्थ्य शिविर में डॉ उमेश शर्मा , डॉ प्रमोद शर्मा , डॉ संजीव शर्मा द्वारा बीपी , शुगर आदि जाच की गई । लोगों ने स्वास्थ्य जांच तथा योग का स्वास्थ्य लाभ लिया है। इस अवसर पर दिवाकर भारद्वाज, अनिल वर्मा, संदीप गर्ग, निखिल गोयल, पंकज शर्मा, सोनू सिंगल , घनश्याम भाटिया,, नवीन रावल , संदीप शर्मा आदि साधक उपस्थित रहे।

गांवों में निशुल्क ओपीडी सेवाएं और दवाएं प्रदान करेगी

नई दिल्ली/ वाराणसी। सांसद रवि किशन ने हाल ही में गोरखपुर में 'स्माइल ऑन व्हील्स' मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाई ये मोबाइल मेडिकल यूनिट्स गोरखपुर में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेंगी। इस कार्यक्रम की शुरुआत एमएसडी फार्मा द्वारा स्माइल फाउंडेशन के सहयोग से की गई है। एमएसडी फार्मा इंडिया रीजन के मैनेजिंग डायरेक्टर, रेहान ए. खान ने कहा, स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने एमएसडी का मुख्य उद्देश्य है। सांसद रवि किशन ने कहा, मैं गोरखपुर में समुदायों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के हमारे मिशन में शामिल होने व सहयोग करने के लिए एमएसडी फार्मास्यूटिकल्स और स्माइल फाउंडेशन को धन्यवाद देता हूं। चीफ फाइनेंसियल अफसर चाँद बेरी ने कहा, हम जिले में जनता की सेवा करने का अवसर देने के लिए संसद रवि किशनजी और गोरखपुर के अधिकारियों का धन्यवाद करते हैं । एमएसडी और स्माइल ऑन व्हील्स कार्यक्रम से हमारी कोशिश रहेगी की जनता के स्वास्थ्य में सुधार आए।

नीट परीक्षा विवाद में आप का शिक्षामंत्री के आवास पर प्रदर्शन

● प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा को रद्द करने की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की युवा शाखा ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और कथित अनियमितताओं के आरोपों के चलते राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को रद्द करने की मांग की। आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

संजीव झा ने कहा कि परीक्षा के संचालन में कथित अनियमितताओं के कारण छात्र प्रभावित हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग की, ताकि सभी बच्चों को बराबर मौका मिल सके। साथ ही मांग करते हैं कि नीट परीक्षा मामले की जांच समयबद्ध तरीके से और उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में की जाए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में नीट घोटाले से संबंधित नारे लिखे बैनर-पोस्टर थे। इस दौरान छात्रों को पुलिस ने बल पूर्वक रास्ते मे ही रोक लिया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिलने जा रहे छात्रों पर बल प्रयोग किया। कई छात्रों को पुलिस हिरासत में लेकर थाने भी ले गई। बाद में उन्हें रिहा कर दिया।

विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों का कहना है कि पहले घोटाले होते थे लेकिन अब बच्चों के पेपर लीक हो जाते हैं। इनके अपने लोगों को पैसे के दम पर पेपर मिल जाता है और वो पेपर पास कर लेते हैं। लेकिन गरीब का बच्चा कड़ी मेहनत करने पर पेपर पास नहीं कर पाएगा। नैतिकता के आधार पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

एनसीवेब ने प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी की साझा

● ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र होना जरूरी : गीता भट्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड ने सत्र 2024-25 की प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित वेबिनार का आयोजन किया। इसका मकसद प्रवेश संबंधी सभी जानकारियों और बारीकियों से छात्राओं और उनके अभिभावकों को परिचित कराना और उनकी शंकाओं का समाधान करना था।

एनसीडब्ल्यूईबी के कुल 26 केन्द्रों में बीए(प्रोग्राम), बीकॉम (प्रोग्राम) के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु कुल 15210 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें से 9230 सीटें बीए(प्रोग्राम) और 5980 सीटें बीकॉम (प्रोग्राम) के लिए निर्धारित हैं।

नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड और डीन ऑफ कॉलेजेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. बलराम पाणि ने कहा कि एनसीडब्ल्यूईबी उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु ऐसा संस्थान है जो नियमित महाविद्यालयों की तरह गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी होने के साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास जैसे कैरियर काउंसलिङ्ग, व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देती है। एनीसीडब्ल्यूईबी की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने एनसीडब्ल्यूईबी के गौरवमयी अतीत का जिक्र करते हुए छात्राओं के समुचित विकास हेतु अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की और भावी रणनीतियों को बताने के साथ उच्च पदों पर आसीन जाने-माने पूर्व छात्राओं का जिक्र भी किया। डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने प्रवेश और क्लास से संबंधित सभी जानकारियों को छात्राओं और उनके अभिभावकों के साथ साझा किया। यह स्पष्ट किया कि इसमें प्रवेश दिल्ली एनसीटी की छात्राओं को ही मिलेगा और 12वीं में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रवेश मिलता है। 28 मई से एनसीडब्ल्यूईबी में पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है जो जुलाई के प्रथम सप्ताह तक चलेगी। उन्होंने कहा कि छात्राएँ अपना व्यक्तिगत ईमेल-आईडी बनाएँ और उसी से प्रवेश के लिए अवेदन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र होना जरूरी है। दिल्ली एनसीटी के निवास संबंधी प्रमाण हेतु आधार कार्ड, वोटर आईडी, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे सरकारी दस्तावेज ही मान्य हैं।

डासना जेल में बंद रंगदारी के आरोपी की मौत

गाजियाबाद। डासना जेल में बंद संपूर्णानंद उर्फ काले अनेजा की बुधवार को मौत हो गई। मौत की सही वजह अभी पता नहीं चल सकी है। शव की वीडियोग्राफी कराते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। डासना जेल के वरिष्ठ अधीक्षक ने बताया- अनेजा को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत पर 15 जून को जेल के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। देर रात उसकी हालत ज्यादा बिगड़ी तो जेल अस्पताल से संजयनगर के संयुक्त जिला अस्पताल में शिफ्ट किया गया। यहां 5 बजे उसकी मौत हो गई। 22 सितंबर 2022 को गाजियाबाद की सिहानी गेट थाना पुलिस ने लाल क्वार्टर निवासी काले अनेजा को गिरफ्तार किया था। उस पर कार व्यवसायी से 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगने का आरोप था। पुलिस ने रंगदारी मांगने में इस्तेमाल रिवॉल्वर और होंडा सिटी कार जब्त की थी। आरोप है कि काले अनेजा ने 12 जुलाई को कार व्यवसायी की कार में बैठे प्रदीप शर्मा व अमित चौधरी के साथ मारपीट की। इसके बाद रिवाल्वर तानकर 20 लाख रुपए मांगे और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद 19 सितंबर को बाइक सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने काले अनेजा के नाम पर फिर से 20 लाख रुपए मांगे। इसी मामले में काले अनेजा 22 सितंबर 2022 से डासना जेल में बंद था।

लू से बचाव के लिए गर्मी में रोज पिये सत्तू और आम पन्ना

● ये दोनों पेय में है विटामिन्स, प्रोटीन और मिनरल्स की भरपूर मात्रा

डॉ. आर. पी. पाराशर
मनोचिकित्सक एवं आयुर्वेदिक विशेषज्ञ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सत्तू और आम पन्ना पोषण से भरपूर तो हैं ही, ये लू से बचाव और इलाज के लिए भी सर्वोत्तम हैं। मार्केट में उपलब्ध एनर्जी ड्रिंक या पेय पदार्थ अत्यधिक शुगर, नमक और प्रिजर्वेटिव होने के कारण लाभ के बजाय शरीर को हानि ही पहुंचाते हैं। इसलिए घर में बनाया हुआ सत्तू व आम पन्ने का ही प्रयोग करें। मनोचिकित्सक एवं आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ आर. पी. पाराशर ने बताया कि लू से बचाव के लिए घर से बाहर जाते समय सत्तू या आम पन्ना पीकर निकलें। इसी प्रकार गर्मी में बाहर से घर आने पर भी सत्तू या आम पन्ने का प्रयोग करें।

भुने हुए जौ और चने के आटे को पानी में घोलकर उसमें नींबू का रस, काला या सेंधा नमक, भुना हुआ जीरा पाउडर और धनिये व पुदीने के पत्ते मिलकर सत्तू बनाया जाता है। इसमें आवश्यकता व स्वाद के अनुसार शक्कर व चीनी या मिश्री भी मिलाई जा सकती है। अकेले चने के बुने हुए आटे से भी सत्तू बनाया जा सकता है। इसी प्रकार आम पन्ना कच्चे आम के गूदे को पानी में उबालकर और छान कर उसमें नींबू, काली मिर्च, अदरक, पुदीने व धनिये का रस मिलकर तैयार किया जा सकता है। आजकल आम पन्ना मार्केट में भी उपलब्ध है लेकिन वह प्रिजरवेटिव मिला हुआ होता है और उसमें शुगर की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है, इसलिए बेहतर है कि आम पन्ना घर पर ही बनाएं। ये दोनों पेय गर्मी के प्रभाव को तो समाप्त करते ही हैं, विटामिन्स, प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर हैं, साथ ही इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने में भी लाभदायक हैं। निम्नलिखित गुण इनको मार्केट में उपलब्ध एनर्जी ड्रिंक व पेय पदार्थ से अलग करते हैं।

पोषण से भरपूर	सत्तू व आम पन्ना में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट्स और विभिन्न मिनरल्स होते हैं जो शरीर के लिए आवश्यक होते हैं।
ऊर्जा वर्धक	सत्तू व आम पन्ना नेचुरल एनर्जी ड्रिंक हैं जो थकान को दूर करते हैं और तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं।
पाचन में सहायक	इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है जो पाचन तंत्र को सुधारती है और कब्ज की समस्या को दूर करती है।
वजन नियंत्रित	सत्तू और आम पन्ना के नियमित सेवन से भूख कम लगती है और वजन नियंत्रित रहता है क्योंकि ये पाचन को धीमा करते हैं और लंबे समय तक पेट भरे होने का अहसास कराते हैं।
हृदय स्वास्थ्य	फाइबर की क्वालिटी के चलते ये हृदय के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। ये कोलेस्ट्रोल के स्तर में सुधार करते हैं।
डायबिटीज में लाभकारी	सत्तू और आम पन्ना का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे ये डायबिटीज के मरीजों के लिए भी अच्छे होते हैं।

जल संकट पर 21 से अनशन करेंगी आतिशी

प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र, तुरंत हस्तक्षेप करने का किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। लोग पसीने से तर-बतर हैं। दिल्ली में जल संकट दिन-प्रतिदिन और विकराल होता जा रहा है। दर्जनों इलाकों में लोग कई दिनों से बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। सभी प्रभावित इलाकों में टैंकर के जरिए पानी पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी और भाजपा में सियासी वार-पलटवार भी जारी है। दिल्ली सरकार ने हरियाणा से दिल्ली को पर्याप्त पानी नहीं मिलने का आरोप लगाया है। अब इस मुद्दे पर जलमंत्री आतिशी दिल्ली वालों को उनके हक का पानी दिलवाने के लिए 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन करेंगी।

इस बाबत बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने कहा कि, 3 करोड़ की आबादी वाली दिल्ली को मात्र 1050 एमजीडी और 3 करोड़ की ही आबादी वाले हरियाणा को 6500 एमजीडी पानी मिलता है। हर संभव प्रयास किए लेकिन पर्याप्त पानी होने के बावजूद भी हरियाणा दिल्ली को 100 एमजीडी पानी देने को तैयार नहीं है। ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली वालों को उनके हक का पानी दिलवाए वर्ना अब उन्हें मजबूरन अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठना होगा।

मंत्री ने कहा कि पानी की कमी से जनता परेशान है। अब उनका कष्ट देखा नहीं जाता, जब तक दिल्लीवालों को पानी नहीं मिलेगा तब

प्रेस वार्ता में जल मंत्री आतिशी।

तक अनशन पर बैठी रहेंगी। दिल्ली में भीषण गर्मी की स्थिति है। इस भीषण गर्मी में दिन का तापमान तो 47-48 डिग्री सेल्सियस पहुँच ही जाता है, रात का तापमान भी 40-41 डिग्री सेल्सियस के आसपास । ऐसी भीषण गर्मी में हर इंसान को पानी की जरूरत बढ़ जाती है।

आतिशी के अनुसार, दिल्ली वालों को ज्यादा मात्रा में पानी की जरूरत है लेकिन जिस समय इस भीषण गर्मी की वजह से लोगों को ज्यादा पानी की जरूरत है, उस समय दिल्ली में पानी की कमी हो गई है। दिल्ली में पर्याप्त पानी नहीं है, त्राहि-त्राहि मची हुई है और लोग बूँद-बूँद पानी को तरस रहे है।

आतिशी ने कहा कि उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा लेकिन हरियाणा ने पानी नहीं दिया। इसके अलावा हिमाचल के मुख्यमंत्री से बात की, वो पानी देने को तैयार है। लेकिन ये पानी भी हरियाणा से होकर आना है और हरियाणा ने इसे देने से मना कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई कि, दिल्ली को इस 100 एमजीडी पानी की जरूरत है और इस कारण 28 लाख लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि दिल्ली में पानी का संकट है लेकिन उसके बाद भी हरियाणा ने दिल्ली को पानी नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि, पानी की कमी को लेकर हमारे विधायक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से भी मिलने गये, लेकिन वो हमारे विधायकों से नहीं मिले। कल दिल्ली सरकार के उच्चाधिकारी हरियाणा सरकार के अफ़सरों से मिलने गये, दिल्ली के 28 लाख लोगों के लिए पानी माँगने गये लेकिन हरियाणा सरकार ने पानी देने से इनकार कर दिया। आतिशी ने कहा कि, अनशन पर बैठने से शरीर को बहुत कष्ट होता है लेकिन इस समय लोगों का कष्ट इतना ज्यादा है कि उसके सामने मेरे शरीर का कष्ट कुछ भी नहीं होगा। ऐसे में प्रधानमंत्री से निवेदन है कि, वो अगले 2 दिन में दिल्ली वालों को उनके हक का पानी दिलवाए।

नाकामी छिपाने के लिए कर रही हैं नौटंकी : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जल मंत्री आतिशी द्वारा 21 जून से अनशन पर बैठने की धमकी को एक और नौटंकी करार दिया है। उन्होंने आतिशी को याद दिलाते हुए कहा है कि जनता को पीने का पानी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी आम आदमी पार्टी सरकार की है लेकिन वह इसमें पूरी तरह से विफल रही है।

अब अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर डालने की नौटंकी करने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है और अनशन की धमकी दी है। भाजपा सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में इन गर्मियों में पानी की मांग बढ़कर करीब 1400 एमजीडी हो गई है जबकि दिल्ली में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स की क्षमता ही एक हजार एमजीडी से कम है। दिल्ली सरकार ने पिछले दस सालों में इन प्लांट्स की क्षमता बढ़ाने के लिए नए प्लांट नहीं लगाए। इतना ही नहीं इन प्लांट्स की गाद भी दस सालों से नहीं निकाली गई जिससे इनकी स्टोरेज क्षमता और भी कम हो गई है। दिल्ली सरकार अतिरिक्त पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट गई और आरोप लगाया कि हरियाणा कम पानी दे रहा है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस आरोप को स्वीकार नहीं किया।

जल संकट पर भाजपा का पैदल मार्च

● रातभर पानी के लिए लाइन में लगना, दिन भर काम करना, सरकार ने महिलाओं की ऐसी स्थिति बना दी है : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जल संकट पर दिल्ली की सियासत गरमाई हुई है। इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी सड़कों पर उतरकर केजरीवाल सरकार को घेर रही है। बुधवार को जगह-जगह भाजपा नेताओं ने दिल्ली सरकार के खिलाफ पैदल मार्च किया।

इंदिरा कैंप, एंड्र्यूजगंज में प्रदेश वीरेन्द्र सचदेवा की अगुवाई में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, पार्षद शरद कपूर, मंडल अध्यक्ष सचिन अहूजा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं इंदिरा कैंप निवासी सम्मलित हुए। इसके अलावा किशन गंज के मोती बाग चौक पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रिठाला के मंदिर रोड पर सांसद योगेंद्र चंदोलिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में और आदेश गुप्ता ने सरोजनी नगर मार्केट में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस मौके पर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वर्ष 2006 में इंदिरा कैंप की जगह पर जब भाजपा के विधायक सुशील चौधरी थे, तब यहां पाइप लाइन लगवाई बिछाई गई थी लेकिन तब से लेकर उसके बाद चाहे वह कांग्रेस की सरकार हो या फिर आम आदमी पार्टी की दोनों ने सिर्फ भ्रष्टाचार किया है। इसलिए अगर भाजपा सड़कों पर दिल्ली की जनता की आवाज बनकर खड़ी है तो उसमें कामकाजी महिलाएं हो

इंदिरा कैंप में प्रदर्शन करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व अन्य

या पुरुष सभी लोगों का साथ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पर बार बार दोषारोपण करने वाली मंत्री आतिशी दिल्ली वालों से क्यों छुपा रही है बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जनता को पानी के नाम पर धोखा दिया है और आज उसी का परिणाम है कि भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आम जनता सड़कों पर है। उन्होंने कहा कि चाहे आम आदमी पार्टी इसको राजनीतिक रंग देकर अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही हो लेकिन हकीकत यह है कि भाजपा के पार्षद अपने प्रयासों से दिल्ली जल बोर्ड पर दबाव डलवाकर टैंकर आम जनता को मुहैया करवा रहे हैं।

योगेंद्र चंदोलिया ने रिठाला के मंदिर मार्ग में निकाली गई पदयात्रा का नेतृत्व किया और जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आम जनता भी शामिल हुई। चंदोलिया ने कहा भाजपा लगातार जनता बनाकर पिछले एक हफ्ते से सड़कों पर है और हमारी लड़ाई सिर्फ दिल्ली की जनता को शुद्ध पानी देने के लिए हैं। प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि पानी की सप्लाई आज टैंकरों के भरोसे है। जनता दूषित पानी पीने की मजबूर है।

हीटस्ट्रोक के मरीजों की देखभाल को तैनात रहें डॉक्टर : सौरभ

नई दिल्ली। तापमान में वृद्धि होने के साथ ही दिल्ली के अस्पतालों में लू लगने और गर्मी से थकावट की शिकायत वाले मरीजों की भीड़ बढ़ती जा रही है। चिकित्सकों ने भीषण गर्मी के बीच बुजुर्गों और कमजोर रोग प्रतिरोग क्षमता वाले मरीजों को घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। इस बीच स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हालात से निपटने के लिए सभी प्रमुख अस्पतालों के प्रमुखों के साथ आपातकालीन बैठक की।

बैठक में उन्होंने गर्मी से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों के लिए अपने बिस्तर बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं पूरे 24 घंटे चालू रखने और हीटस्ट्रोक के मरीजों की देखभाल के लिए एक वरिष्ठ डॉक्टर को हमेशा आपातकाल में तैनात रहने के निर्देश दिए। भीषण गर्मी की स्थिति के बीच, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सभी एमएस, एमडी और सीडीएमओ को एक परिपत्र जारी किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं पूरे 24 घंटे चालू रहें और हीटस्ट्रोक के मरीजों को संभालने के लिए एक वरिष्ठ डॉक्टर को हमेशा आपातकाल में मौजूद रहना चाहिए।

कांग्रेस नेताओं ने ओम बिरला को भेंट की संविधान की कॉपी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली के सातों सांसदों सहित भाजपा के 54 एमपी को किताब भेंट की

प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने राहुल गांधी के 54वें जन्मदिन को सार्थक सिद्ध करने के लिए पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके निवास स्थान पहुँचकर संविधान की कॉपी भेंट की। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली के सातों सांसदों सहित भाजपा के 54 सांसदों को भारतीय संविधान की किताब भेंट की।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि संविधान की रक्षा करने के लिए देश की जनता भाजपा सांसदों को चुनकर संसद भेजा है ताकि दिल्ली सहित समस्त देशवासियों की अपेक्षा अनुसार संसद में संविधान की रक्षा कर सकें। उन्होंने कहा कि यदि संविधान की रक्षा और सुरक्षा होगी तभी देश मजबूत होगा। देशवासियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए संविधान को सुरक्षित रखना जरूरी है। इसलिए केन्द्र सरकार संविधान के संरक्षण को बचाने के लिए अग्रसर होकर काम करें। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसदों को संविधान की कॉपी देने का एकमात्र उद्देश्य है कि वे मोदी सरकार भविष्य में संविधान के अंतर्गत सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करके देशहित और जनहित में काम करें।

यादव ने कहा पिछले 10 वर्षों के शासन में मोदी सरकार ने भारतीय संविधान के उन नियमों और अनुच्छेदों में बदलाव किया जिन्हें देशहित, जनहित, अनूसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आदिवासी, गरीब और पिछड़े लोगों की सुरक्षा के लिए बनाया गया था, जिनकी सुरक्षा के लिए हमारे नेता राहुल गांधी संविधान बचाओं की लड़ाई लड़ रहे है।

फ्लैट में युगांडा की महिला मृत मिली

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के पंचशील विहार इलाके में युगांडा की 42 वर्षीय महिला नागरिक अपने घर में मृत मिली। पुलिस ने बताया कि अभी तक कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई है और सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्रवाई की जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, मंगलवार रात 10.51 बजे मालवीय नगर पुलिस थाने में एक पीसीआर कॉल आई, जिसमें बताया गया कि मालवीय नगर के पंचशील विहार स्थित एक घर में युगांडा की एक महिला बेहोशी की हालत में पड़ी है। जब पुलिस ने कॉल का जवाब दिया और मौके पर पहुंची तो, पुलिस ने महिला को बेहोशी की हालत में फर्श पर पड़ा पाया।

वह उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पुलिस को पता चला कि महिला पिछले तीन माह से एक अन्य युगांडाई महिला मित्र के साथ घर में रह रही थी। दोनों ही केश सज्जा का कार्य करती थीं। पुलिस के अनुसार मंगलवार को उसकी मित्र अपराह्न 3:30 बजे कमरे से बाहर निकली। जब वह शाम को साढ़े पांच बजे वापस आई तो उसने अपनी मित्र को फर्श पर पड़ा पाया और अपने समुदाय के कुछ अन्य लोगों को बुलाया, जिन्होंने पुलिस से संपर्क किया। अभी तक किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है। वह 13 मार्च को जारी पर्यटक वीजा पर मार्च 2024 को भारत आई थी। युगांडा दूतावास को सूचित किया जा रहा है।

योग की अलख जगाने को मैराथन में लगाई दौड़

ओलंपियन शिवानी कटारिया ने झंडी दिखाकर रवाना किया

गुरुग्राम में योग दिवस को लेकर मैराथन की शुरुआत करते अतिथि।

● योग दिवस के दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम की हुई फुल ड्रेस रिहर्सल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल के साथ ही योग मैराथन का आयोजन किया गया। जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने आमजन में योग दिवस को लेकर जागरुकता लाने के लिए इस मैराथन को ओलंपियन शिवानी कटारिया ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

योग मैराथन में जिला के खिलाड़ियों सहित हरियाणा पुलिस बल के कर्मचारी भी विशेष रूप से शामिल रहे। इस दौरान योग दिवस को लेकर जिला प्रशासन की ओर से की जा रही तैयारियों के क्रम में स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल के तहत लोगों व खिलाड़ियों को योगाभ्यास करवाया गया। योगाभ्यास में आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक डा भूदेव ने प्रोटोकॉल योगासन के तहत विभिन्न योग क्रियाओं से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें सही योग मुद्राओं के साथ योगासन करवाया।

योगाभ्यास में उन्होंने उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन, मक्रासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपाद आसन, अर्धहलासन, पवन मुक्तासन, शवासन, कपालभाति, नाड़ी शोधन, शीतली प्राणायम, भ्रामरी प्राणायम तथा ध्यान लगवाया गया। उन्होंने योग साधकों को इन सभी आसनों से मिलने वाले लाभ के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

अंतरराष्ट्रीययोग दिवस के अवसर पर गुरुग्राम में सेक्टर-38 स्थित ताउ देवी लाल स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी प्रकार योग दिवस के कार्यक्रम ब्लॉक स्तर पर सोहना, पटौदी और मानेसर में भी आयोजित होंगे, जहाँ पर सम्बंधित एसडीएम व तहसीलदार की देखरेख में कार्यक्रम होंगे। इन कार्यक्रमों के लिए लोगों को आमंत्रित किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में आम जनता के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। डीसी निशांत यादव ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में इन कार्यक्रमों में पहुंचकर योग क्रियाएं सीखें और अपने जीवन में योग को अपना कर स्वस्थ रहें। इस अवसर पर हरेरा की सचिव व योग दिवस कार्यक्रम की नोडल अधिकारी अनु, जिला खेल अधिकारी रामनिवास, जिला आयुष विभाग से डॉ. गीतांजलि व डॉ मोनिका सहित कई अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

फरीदाबाद में 500 धावकों में बच्चों और बड़े भी हुए शामिल

फरीदाबाद में सेक्टर 12 खेल परिसर में योग मैराथन को हरी झंडी दिखाते विधायक नरेंद्र गुप्ता।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

● विधायक नरेंद्र गुप्ता ने सेक्टर 12 खेल परिसर में योग मैराथन को दिखाई हरी झंडी

विधायक ने कहा, मैराथन का उद्देश्य योग के प्रति आमजन और नौजवानों में जागरूकता फैलाना

10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में बुधवार को सेक्टर 12 के खेल परिसर में विधायक नरेंद्र गुप्ता ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और योग दिवस मनाए जाने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि मैराथन का एकमात्र उद्देश्य योग के प्रति आमजन और नौजवानों में जागरूकता पैदा करना है।

इस मैराथन में भिन्न भिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे और सभी के द्वारा इस कार्क्रम को सफल बनाने के लिए उचित प्रयास किये। लगभग 500 धावकों ने मैराथॉन में दौड़ कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, तथा छोटे छोटे बच्चो ने भाग लिया। विधायक नरेंद्र गुप्ता ने कहाकि यह जनमानस के लिए यह एक संदेश है की अपने रोजाना के जीवन से कुछ पल निकाल कर अपनी सेहत को भी देने जरूरी है। ताकि स्वस्थ रह कर जीवन को सफल बनाया जा सके। योग मैराथन की शुरुआत खेल परिसर सेक्टर-12 से शुरू होकर सेक्टर-15 गीता मंदिर के सामने से होते हुए सेक्टर-15 हुड्डा मार्केट से बीएसएनएल ऑफिस के आगे से होते हुए सेक्टर-15 पुलिस स्टेशन के आगे से गुजरते हुए वापिस खेल परिसर में समाप्त हुई। इस दौरान यातायात पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल के लिए मुस्तैद रही।

एडीसी आनंद शर्मा ने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा की दसवें अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस को हमे सबको मिलकर सफल बनाना है। युवाओं को योग के माध्यम से विकास की और ब?ना है। उन्होंने कहा की प्रत्येक व्यक्ति को योग अवश्य करना चाहिए। योग करने से व्यक्ति का शरीर स्वस्थ रहता है और वह मानसिक रूप से भी मजबूत बनता है। उन्होंने कहा कि योग से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। यह गर्व की बात है कि योग के महत्व को पूरा विश्व जान चुका है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, भाजपा महामंत्री सुरेंद्र, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ आनंद शर्मा, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर मनीषा लांबा, जिला योग कॉर्डिनेटर प्रीति सैनी, डॉ मोहित सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

गुरुग्राम पुलिस की गिरफ्त में बस चालक की हत्या के आरोपी।

दिल्ली से गुरुग्राम शॉपिंग करने आए, झगड़े के बाद हत्या करके जेल पहुंच गए

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● बस चालक की पीटकर हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली के तीन युवा गुरुग्राम में कपड़े खरीदने आए थे। वापस जाते समय उनकी कार बस से क्या टकराई, उनका पारा चढ़ गया। कार सवार तीन युवाओं ने बस चालक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। बुधवार को एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने बताया कि वारदात में प्रयोग की गई कार (स्विफ्ट) भी आरोपियों के कब्जा से बरामद कर ली है।

बता दें कि 15 जून की रात को थाना सदर क्षेत्र में पुलिस को झगड़े की सूचना मिलती थी। यह सूचना दीनू उर्फ दिन दयाल निवासी दिल्ली के भाई ने दी थी। उन्होंने बताया था कि लड़ाई-झगड़े में लगी चोटों के कारण ईलाज के दौरान अस्पताल में दीनू की मौत हो गई है। इस सूचना पर पुलिस थाना सदर की टीम अस्पताल पहुंची।

मृतक के भाई ने पुलिस को एक शिकायत देकर कहा कि उसका भाई ड्राईवरी करता था। 15 जून की शाम को दीनू की गाड़ी के मालिक का उसकी मां के पास फोन आया कि दीनू की गाड़ी किसी कार में लग गई है। दीनू का हाल-चाल पूछने के लिए उसकी मां ने दीनू के मोबाइल पर संपर्क किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने बताया कि आपके लड़के को कुछ व्यक्ति मार रहे थे, जिसको छुड़ाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ईलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। इस शिकायत पर थाना सदर में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। सदर थाना के प्रबंधक निरीक्षक अर्जुन देव के नेतृत्व में पीएसआई अंकित, एसआई मंजीत, एएसआई प्रदीप ने पुलिस टीम के साथ कार्यवाही करते हुए मारपीट करके हत्या करने वाले 3 आरोपियों को गुरुग्राम से ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान विक्की, ललित व सागर सभी निवासी रजौकरी, दिल्ली के रूप में हुई।

सभी आरोपी दिल्ली के रजोकरी के रहने वाले हैं। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि वे 15 जून को बादशाहपुर में कपड़े खरीदने आए थे। दिल्ली लौटने के दौरान सेक्टर-48 में जेएमडी मेगापॉलिस बिल्डिंग के पास दीनू की गाड़ी उनकी गाड़ी से लगने के बाद झगड़ा हो गया। उन्होंने बस ड्राइवर के साथ मारपीट की। जिसके कारण उसकी मौत हो गई।

भीषण गर्मी के बीच 3 लोगों की हुई मौत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होगा इन लोगों की मौत के कारणों का खुलासा

भीषण गर्मी से यह 3 लोगों को मौत हो गई। इनमें से 2 के शव तो घर के कमरों में मिले है। बुधवार को हुई मौतों से प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

पिछले 24 घंटे में जिला में गर्मी से मौतों की घटना बेहद दुखद रही है। सोहना इलाके में ये मौतें हुई है। गर्मी से 3 लोगों की मौत होने के अलावा 2 लोगों को गंभीर स्थिति में गुरुग्राम रेफर किया गया। पुलिस मौत के कारणों की जानकारी के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने प्राथमिक जांच में गर्मी से मौत होने की आशंका जताई है। सोहना की शिव कालोनी से पुलिस ने राहुल नाम के युवक का शव बरामद किया।

दूसरी मौत गांव घामडोज में एक मेंटेनेंस का काम करने वाले युवक बृजेश की हुई है। वह गुरुग्राम से काम करने के बाद अपने घर पर जाकर सोया था। उसे थोड़ा बुखार था। वह कमरे में वह मृत मिला। बृजेश के शव को सोहना के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए रखवाया है।

तीसरी मौत गांव हरिया खेड़ा में 78 साल की बुजुर्ग महिला संता की हुई। डॉक्टर के अनुसार संता को 110 डिग्री बुखार था, जिसकी नागरिक अस्पताल में आने के बाद मृत्यु हो गई। इस दौरान 26 वर्षीय सुभाष चौक गुड़गांव निवासी आकाश को नागरिक अस्पताल लाया गया, जिसको 108 डिग्री बुखार था। एसएमओ इंद्रजीत सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति के शरीर का तापमान 37 डिग्री रहना चाहिए। शरीर का तापमान 40 डिग्री होने पर व्यक्ति की ताप बनाए रखने की क्षमता कम हो जाती है।

बैंक में इनवर्टर फेल, जेनरेटर खराब, उपभोक्ता हुए बेहाल

दयाराम वशिष्ठ। पलवल

● भीषण गर्मी में बघोला के कैनरा बैंक से मायूस लौटे उपभोक्ता

भीषण गर्मी में कैनरा बैंक बघोला के उपभोक्ता बुधवार को आक्रोशित हो गए जब उनको पता चला कि इस भीषण गर्मी में बिजली नहीं होने और जेनरेटर खराब होने से बैंक में कोई काम काज नहीं होगा। यह सुन पेंशन लेने पहुंचे बुजुर्ग परेशान हो उठे। उन्होंने बैंक की व्यवस्था को लेकर खूब खरी खोटी सुनाई, बावजूद हल निकला ढाक के तीन पात।

पलवल जिले के गाँव बघोला में करीब 40 वर्ष पहले सिंडिकेट बैंक खोला था जो अब कैनरा बैंक है। इस बैंक के आसपास के करीब 12 गांवों के लगभग 20 हजार उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। पृथला औद्योगिक क्षेत्र होने से खाता धारकों की संख्या निरंतर बढ़ रही है लेकिन सुविधा घटती नहीं है।

हनुमान चालीसा पाठ साढ़े 6 लाख के पार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ के दौरान पूजा करते श्रद्धालु।

बोध राज सीकरी द्वारा संचालित हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत पाठ का गीता मंदिर न्यू कॉलोनी के प्रांगण में समाजसेवी प्रमोद सलूजा की ओर से आयोजित किया गया। पंडित भीम दत्त और पंडित गजेंद्र ने पूजा अर्चना की।

बोध राज सीकरी ने नये-नये रहस्य बताकर युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह तक 303 स्थानों पर 46,745 साधकों द्वारा 647,260 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं। अब के पाठ में लगभग 150 भक्तों ने भाग लिया। सभी ने 21-21 बार पाठ किया।ज्योत्सना बजाज के ऑनलाइन हनुमान चालीसा के पाठ के आयोजन में 24 लोगों ने 11-11 बार पाठ किया। विजय टन्डन और रणधीर टन्डन की फैक्ट्री के 62 कर्मचारियों ने 2-2 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 31 साधकों ने 5-5 बार पाठ किया। अब तक 307 स्थानों पर 47,012 साधकों द्वारा 650,953 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

गुरुग्राम में दुनिया की पहली पार्किंग जो अस्पताल तोड़कर बनी : राज बब्बर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● नागरिक अस्पताल परिसर का किया दौरा, कहा- अपने लिए सरकार ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस बना लिया, पीडब्ल्यूडी से अस्पताल भी बनवा देते

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद राज बब्बर ने कहा कि गुरुग्राम में दुनिया की पहली ऐसी पार्किंग है, जो कि सरकारी अस्पताल तोड़कर बनाई गई है। सरकार की इस तरह की कार्यप्रणाली से गुरुग्राम के लाखों आम व गरीब लोग उपचार के लिए परेशान हो रहे हैं। जिस तरह से सरकार ने अपने लिए पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस कम समय में बनवा लिए, ऐसे ही यहां सरकारी अस्पताल भी बनाया जाए। उन्होंने बुधवार को यह बात सिविल लाइन क्षेत्र में पुराने नागरिक अस्पताल का दौरा करते हुए कही।

राज बब्बर ने कहा कि गुरुग्राम में गंदगी का मुद्दा उन्होंने पिछले सप्ताह उठाया था। निगम कमिश्नर को ज्ञापन देते हुए अल्टीमेटम भी दिया था। सरकार की नींद खुली और कूड़ा उठाने को लेकर गंभीरता दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि जैसे कूड़े पर गंभीरता सरकार ने दिखाई है, ऐसे ही उनकी मांग है कि पुराने नागरिक अस्पताल के निर्माण पर भी काम किया जाए। गरीबों को बहुत दिक्कत हो रही है। राज बब्बर ने कहा कि चुनाव के समय में भी उन्होंने अस्पताल की इस जगह को देखा था। अस्पताल का गेट तो है, लेकिन अंदर कोई बिल्डिंग नहीं है। अंदर वाहनों के लिए पार्किंग है।

जब यहां अस्पताल था तो छतें टपकती थी। वे भी भ्रष्टाचार की भेंट चढी हुई थी।

निगम के 350 वाहन घर से उठाएंगे कचरा, मंडलायुक्त ने किया रवाना

● मंडलायुक्त आरसी बिढान ने कहा, जल्द ही 700 वाहन निगम क्षेत्र के घर से उठाएंगे कचरा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सिविल लाइन क्षेत्र से घर-घर कूड़ा उठाने के लिए वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना करते मंडलायुक्त आरसी बिढान।

नगर निगम गुरुग्राम के क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा एकत्रित करने वाले 350 वाहनों का काफिला बुधवार की सुबह रवाना हो गया। इन वाहनों को गुरुग्राम मंडल के आयुक्त आरसी बिढान ने सुबह सिविल लाईंस क्षेत्र से रवाना किया। नगर निगम जल्द ही 350 वाहन और इस बेड़े में शामिल करेगा। कुल वाहनों की संख्या 700 हो जाएगी।

सिविल लाइंस से वाहनों को रवाना करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए आयुक्त आरसी बिढान ने कहा कि सफाई व्यवस्था को बेहतर व दुरुस्त करने में जिला प्रशासन व नगर निगम युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। डोर-टू-डोर कचरा उठान सुनिश्चित करने के लिए 350 वाहन कार्य कर रहे हैं। जल्द ही इनकी संख्या को 700 किया जाएगा, ताकि प्रत्येक घर से कचरा उठान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि घर से कूड़ा उठान होने से सड?ों पर गारबेज वर्नेबल प्वाइंट खत्म हो जाएंगे। हमारा शहर स्वच्छता की ओर तेज गति से आगे बढ़ेगा। उन्होंने नागरिकों से भी आह्वान किया कि वे सफाई व्यवस्था बनाए रखने में अपना योगदान दें। जिन स्थानों को पूरी तरह से साफ कर दिया गया है, वहां पर दुबारा से ना तो स्वयं कचरा फैंकें और ना ही दूसरों को फेंकने दें। सामाजिक भागीदारी एवं सहयोग स्वच्छ गुरुग्राम बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण है।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि वे स्वयं भी सुबह के समय विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। जिला प्रशासन व निगम के सभी वरिष्ठ अधिकारीगण भी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जल्द ही सफाई व्यवस्था को पूरी तरह से बेहतर एवं दुरुस्त कर लिया जाएगा। इस मौके पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त निदेशक (मुख्यालय) वाईएस गुप्ता व संयुक्त आयुक्त (एसबीएम) डा. नरेश कुमार उपस्थित थे।

गुरुग्राम के शहरी क्षेत्र की सफाई पर है पूरा फोकस : सुभाष सुधा

सफाई व्यवस्था का जायजा लेते शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● शहरी निकाय मंत्री ने शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए

हरियाणा सरकार में शहरी एवं स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि गुरुग्राम शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर पूरा फोकस किया जा रहा है। जिला प्रशासन, नगर निगम सहित आमजन के सहयोग से शहरी क्षेत्र की सड़कों व वार्डों का सौंदर्यकरण करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार हर पहलू पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वच्छ वातावरण गुरुग्राम को देने में कृत संकल्प है। वे बुधवार को गुरुग्राम शहरी क्षेत्र का दौरा करते हुए आमजन से फीडबैक ले रहे थे। उन्होंने शहरी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही सफाई व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्थानीय लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में पहुंचने पर गुरुग्राम निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़, मानेसर निगमायुक्त अशोक गर्ग, अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह तथा यूएलबी के अतिरिक्त निदेशक (मुख्यालय) वाईएस गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शहरी निकाय मंत्री का स्वागत किया। निकाय मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों व क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों से रेस्ट हाउस में शहर में चल रहे निकाय प्रबंधों की समीक्षा की और कहा कि टीम वर्क के साथ आमजन की सहभागिता से ही गुरुग्राम के सौंदर्यीकरण पर ध्यान दिया जा रहा है।

सुधा संबंधित अधिकारियों के साथ शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा शिवाजी नगर, शांति नगर, 4 मरला, कादीपुर, बसई रोड, सेक्टर-9 रोड, सेक्टर-4, ओल्ड रेलवे रोड, सेक्टर-5, शिवपुरी, न्यू कॉलोनी, मदनपुरी रोड, सब्जी मंडी, इफको चौक, वजीराबाद, वाटिका चौक, सुभाष चौक, हीरो चौक, बस स्टैंड व सोहना चौक स्थित मल्टीलेवल पार्किंग आदि क्षेत्रों का दौरा किया और मौजूद सफाई कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी का निर्वहन प्रभावी ढंग से करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों तथा स्वच्छता कर्मियों से भी बातचीत की।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे युद्ध स्तर पर कार्यवाही करते हुए क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाएं। विशेषकर मुख्य सड़कों, पार्कों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा उठान व सफाई नियमित सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन का प्रयास है कि शहरी क्षेत्र में सफाई प्रबंधन के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएं, लेकिन इस कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश भर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए शहरी निकाय विभाग प्रभावी रूप से अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

दुकानों के बाहर कचरा फैलाने पर निगम करेगा कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● निगम आयुक्त नरहरि सिंह बांगड़ ने बुधवार को सेक्टर-14 मार्केट के निरीक्षण के दौरान दिए निर्देश

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि मार्केट क्षेत्रों में उन सभी दुकानदारों के चालान किए जाएंगे, जो दुकान के बाहर सड़क पर कचरा फेंक देते हैं, जिससे सफाई कर्मचारियों को परेशानी होती है। सभी दुकानदारों सहित अन्य स्ट्रीट वेंडरों को अपने यहां डस्टबिन रखना अनिवार्य है। कचरा केवल डस्टबिन में ही रखा जाना चाहिए, ताकि सफाईकर्मी डस्टबिन में से आसानी से कचरा निकाल सकें। यह बात उन्होंने बुधवार को सेक्टर-14 मार्केट का निरीक्षण करते हुए कही। उनके साथ शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त निदेशक (मुख्यालय) वाईएस गुप्ता व वरिष्ठ सफाई निरीक्षक हरीश मेहता मौजूद थे।

निगमायुक्त ने सफाई निरीक्षकों व सुपरवाइजरों से कहा कि वे पूरे क्षेत्र की दुकान सहित वीडियोग्राफी करवाएं तथा जिन दुकानों के बाहर कूड़ा पड़ा हुआ है, उसका चालान करके रिकवरी सुनिश्चित करें।

हरियाणा में लालों की राजनीति हाशिए पर

प्रदेश की राजनीति के दिग्गज तीनों लाल परिवार के सदस्य बारी-बारी भारतीय जनता पार्टी में गए

देवीलाल, भजनलाल व बंसीलाल तो नहीं हैं लेकिन चौथे लाल के रूप मनोहर लाल राजनीति का केंद्र बने हुए हैं

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

एक समय था जब तीन लाल पूरे देश में हरियाणा की राजनीति की पहचान होते थे लेकिन आज तीनों लालों के परिवार भाजपा में समायोजित हो चुके हैं। लिहाजा किसी समय में लालों के नाम से महशूर हरियाणा की राजनीति में इस समय देवीलाल, भजनलाल व बंसीलाल तो नहीं है लेकिन चौथे लाल के रूप में मशहूर हुए मनोहर लाल वर्तमान राजनीति का केंद्र बने हुए हैं। केंद्र में मंत्री बनने के बावजूद हरियाणा में होने वाले तमाम राजनीतिक घटनाक्रमों में मनोहर लाल की भूमिका अहम होती है।

दिलचस्प बात यह है कि चौधरी देवीलाल, चौधरी बंसीलाल और चौधरी भजनलाल किसी जमाने में आपस में राजनीतिक धुर विरोधी रहे, लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा कि तीनों के परिवार अब एक ही पार्टी के बैनर के नीचे राजनीति करने को मजबूर हो गए। तीनों ने अलग-अलग पार्टियां भी बनाई, लेकिन देवीलाल की बनाई पार्टी इंडियन नेशनल लोकदल को छोड़कर बंसीलाल की हविपा और भजनलाल की हजकां का पहले ही विलय हो चुका है। तीनों ही हरियाणा के कद्दावर नेता के साथ कई बार हरियाणा के सीएम और केंद्र सरकार में बड़े मंत्रालयों को संभाल चुके हैं। चौधरी भजनलाल के बेटे कुलदीप बिश्नोई ने अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए तो चौधरी देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला ने लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में आए। रणजीत चौटाला 2019 से ही निर्दलीय विधायक के तौर पर बीजेपी को समर्थन दिया।

नई दिल्ली भाजपा में शामिल हुईं किरण एवं श्रुति चौधरी।

किरण व श्रुति भाजपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केन्द्रीय शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल की मौजूदगी में तोशाम की विधायक किरण चौधरी और उनकी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ, हरियाणा के लोकसभा चुनाव सहप्रभारी रहे पूर्व सांसद सुरेन्द्र नागर तथा पूर्व सांसद अनुराधा चौधरी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कांग्रेस छोड़ कर आई दोनों नेताओं को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई और पार्टी में शामिल होने पर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चौधरी बंसीलाल परिवार का पूरा समय हरियाणा की राजनीति को समर्पित रहा है। किरण चौधरी व श्रुति चौधरी के आने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। हरियाणा की मजबूती और विकास के लिए मिलकर कार्य करेंगे।

सदस्यता रद्द करने को विस अध्यक्ष को पत्र लिखा

चंडीगढ़। किरण चौधरी के कांग्रेस छोड़ते ही हुड्डा गुट ने ताकत दिखानी शुरू कर दी है। विधानसभा में पार्टी के डिप्टी नेता आफताब अहमद और चीफ व्हिप बीबी बतरा ने किरण चौधरी की हरियाणा विधानसभा से सदस्यता रद करने की मांग को लेकर विस अध्यक्ष को पत्र लिखा है।

कांग्रेस में खत्म हुई एसआरके समूह की राजनीति

किरण के फैसले से अलग-थलग पड़े रणदीप और शैलजा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ झंडा उठाने वाले एसआरके ग्ररुप की राजनीति पर अब विराम लग गया है। लोकसभा चुनाव से पहले शुरू हुई इस लड़ाई में भूपेंद्र सिंह हुड्डा जहां सभी पर भारी पड़े हैं वहीं उनके खिलाफ चल रहा एसआरके गुट अब पूरी तरह से बिखर गया है। किरण चौधरी के कांग्रेस छोडने के साथ ही कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के समीकरण बदल गए हैं।

कांग्रेस हाईकमान विधानसभा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को फ्री हैंड देगी। विधायक दल की पूर्व नेता एवं पूर्व मंत्री किरण चौधरी व उनकी बेटी श्रुति चौधरी के भाजपा में शामिल होने के बाद हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के विरूद्ध झंडा उठाने वाला एसआरके ग्ररुप अब पूरी तरह से बिखर गया है। किरण चौधरी के भाजपा में शामिल होने की अटकलें पिछले एक साल से चल रही थी लेकिन हालही में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी बेटी को टिकट नहीं मिलने के बाद यह संभावनाएं और मजबूत हो गई।

किरण का यह नकारात्मक पहलू ही रहेगा कि उन्हें उनके हलके तथा उनके क्षेत्र के बाहर के लोगों ने स्वीकार नहीं किया। किरण चौधरी ने हरियाणा में यात्रा करके खुद को प्रदेश स्तर पर स्थापित करने का प्रयास किया लेकिन विफल हो गई।

अब कांग्रेस में हुड्डा के खिलाफ आवाज उठाने वाले कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला तथा किरण चौधरी गुट में शामिल होकर वह अपनी आवाज उठा रही थी। किरण के भाजपा में जाने के बाद इस गुट को धक्का लगा है। कुमारी सैलजा लोकसभा चुनाव जीतने के बाद सिरसा हलके की राजनीति में सिमट गई हैं। रणदीप सुरजेवाला पहले ही संगठन के स्तर पर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान सुरजेवाला ने खुद की जमीन मजबूत करने का प्रयास किया लेकिन कैथल में उन्हें कामयाबी नहीं मिली।

महाविद्यालयों-विश्वविद्यालयों में जल्द होंगी भर्तियां : सीमा त्रिखा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा मांग पत्र सौंपते हुए प्रतिनिधिमंडल।

हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने बताया कि प्रदेश की उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। प्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक तथा गैर - शैक्षणिक क्षेत्र के रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने बुधवार को वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ मैनेजमेंट ऑफ प्राइवेट एडिड कॉलेजिज के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान यह जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ कैथल विधानसभा क्षेत्र से विधायक लीला राम, एसोसिएशन के प्रेजिडेंट पूर्व विधायक तेजवीर सिंह, महासचिव सरदार ए.एस ओबेरॉय भी शामिल थे। शिक्षा मंत्री से वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ मैनेजमेंट ऑफ प्राइवेट एडिड कॉलेजिज ने मांग की कि प्रदेश के गवर्नमेंट एडेड कॉलेजों में शैक्षणिक तथा गैर - शैक्षणिक स्वीकृत पदों में से रिक्त पदों को भरने की अनुमति दी जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2023 में उच्चतर शिक्षा विभाग के निदेशक की ओर से राज्य के सभी गवर्नमेंट एडिड प्राइवेट कॉलेजों को पत्र भेजकर शैक्षणिक तथा गैर - शैक्षणिक स्टॉफ की भर्ती न करने के निर्देश दिए गए थे।

हरियाणवी संगीत नृत्य उत्सव का समापन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा कला परिषद के कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य करते हुए।

कला और संस्कृति से आमजन को रुबरु करवाने के लिए चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी और हरियाणा कला परिषद द्वारा हरियाणवी संगीत नृत्य उत्सव आयोजित किया गया। जिसके समापन पर हरियाणा के साथ-साथ चंडीगढ़ के कलाकारों ने पंजाब की सांस्कृतिक झलक दिखाई।

इस अवसर पर चंड़ीगढ़ संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष सुदेश शर्मा व हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा ने सर्वप्रथम हरियाणवी लोक कलाकार रविशंकर शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि संस्कृति को सहेज कर रखना तथा उसका संवर्धन करना एक कलाकार की पहचान होता है। लोक कलाकार सदैव अपनी प्रतिभा तथा हुनर से अपने प्रदेश की संस्कृति का परिचय देते हैं। लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जानी वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां न केवल उनके प्रदेश की सभ्यता व संस्कृति का बखान करती है, अपितु उस प्रदेश के सामाजिक परिवेश का भी दर्शन कराती हैं। ऐसी ही प्रतिभा के धनी थे जींद निवासी रविशंकर शर्मा, जो लम्बे समय से हरियाणवी संस्कृति को सहेजने में प्रयासरत रहे।

पर्यावरण संरक्षण को ग्रीन अर्थ ने उतारे पेड़ों से होर्डिंग

कुरुक्षेत्र। पर्यावरण सरंक्षण में कार्यरत ग्रीन अर्थ संगठन की टीम ने पिछले एक साल से धर्मनगरी में पेड़ों को बैनर्स व होर्डिंग्स मुक्ति का अभियान चलाया हुआ है। संगठन अभी तक पेड़ों से हजारों बैनर्स व होर्डिंग्स उतार चूका हैं। एनजीटी ने पेड़ों पर बैनर्स, होर्डिंग्स, तारें, केबल तथा लाइट आदि लगाना प्रतिबंधित किया हुआ है तथा एनजीटी 2015 में उपायुक्त कुरुक्षेत्र को इसकी पालना सुनिश्चित करने के आदेश दे चूका है। इसके बावजूद, शहर में आये दिन पेड़ों पर होर्डिंग्स लगा देता है जिसकों ग्रीन अर्थ की टीम उतारती रहती है।

अफसरशाही पर सख्त हुई प्रदेश सरकार

मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी जिलों में चल रहे समाधान शिविरों की वीडियोग्राफी कराने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि वह जिला मुख्यालयों तथा उप-मंडलों में आयोजित 'समाधान शिविरों' में जिला लोक सम्पर्क एवं शिकायत निवारण समितियों के आम सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किए जा रहे 'समाधान शिविरों' के दौरान जन शिकायतों के समाधान की प्रगति की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडल आयुक्तों तथा उपायुक्तों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रसाद ने उपायुक्तों को दैनिक समाधान शिविरों की वीडियोग्राफी करवाने तथा भविष्य के संदर्भ के लिए इन रिकॉर्डिंग को संभालकर रखने की सलाह दी। उन्होंने सभी जिलों को अन्य विभागों की सहभागिता के कारण 'अनसुलझी' के रूप में वर्गीकृत शिकायतों का डेटा संकलित करने के भी निर्देश दिए। यह डेटा विभागवार और श्रेणीवार तरीके से संकलित किया जाएगा।

शिकायत समाधान में तेजी लाने के लिए, मुख्य सचिव ने सभी जिलों को अपने लंबित शिकायत डेटा को विभाग और प्रकार के अनुसार वर्गीकृत करके, उनके समाधान के लिए जिम्मेदार संबंधित विभागों को भेजने को कहा। सुचारू समन्वय और समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिव कार्यालय को जानकारी दी जाएगी।

नीट में धांधली के विरोध में 'आप' का प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक व नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर जोरदार प्रदर्शन किया। हर जिले में जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर नीट परीक्षा को दोबारा करवाने के मांग की गई। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने शाहबाद और रादौर में प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने बीजेपी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी और परीक्षा को रद्द करने की मांग की।

डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी और किसी भी कीमत पर बच्चों के भविष्य की लड़ाई लड़ने से पिछे नहीं हटेगी। देश के युवाओं के भविष्य को बचाने की यह लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ी जाएगी। संसद में हमारे सांसद नीट परीक्षा घोटाले का मुद्दा उठाएंगे और युवाओं न्याय दिलाने की मांग करेंगे।

अवैध कॉलोनी में अवैध निर्माण को ढहाया गया

कुरुक्षेत्र। जिला नगर योजनाकार की टीम ने उपायुक्त के आदेशानुसार थानेसर उपमंडल में राजस्व संपदा गांव दर्रा कलां एनआईटीगेट के सामने में 2 अवैध कॉलोनी में जिला प्रशासन की मदद से तोड़-फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार अधिकारी अशोक गर्ग ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राजस्व संपदा गांव दर्रा कलां एनआईटीगेट के सामने में 2 अवैध कालोनी में उपायुक्त के आदेशानुसार प्रशासन के सहयोग से तोडफ़ोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई है। गर्ग ने कहा कि उपायुक्त के आदेशानुसार हरियाणा राज्य परिवहन के कार्य प्रबंधक समिंद्र कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था।

योग से मानसिक और शारीरिक मजबूती : रमन

कुरुक्षेत्र। नगराधीश रमन गुप्ता ने कहा कि योग हमारी प्राचीन सभ्यता से जुड़ा है, योग करके हम मानसिक व शारीरिक रुप से मजबूत रह सकते है। योग को हमें अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार लोगों को योग के प्रति जागरूक करने का काम किया जा रहा है और लोग योग के प्रति जागरुक भी हुए है।

नगराधीश रमन गुप्ता बुधवार को पायलट रिहर्सल के तहत द्रोणाचार्य स्टेडियम के पास मैराथन को हरी झंडी दिखाने के बाद यह बात कही।

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा सूचित करना है कि श्री बी.सी. गुप्ता पुत्र श्री एस.एस. गुप्ता निवासी टी-17 ग्रीन पार्क, ऐक्सटेन्सन, नई दिल्ली, आवासीय प्लॉट नं. डी-103, सैक्टर-56, नोएडा के मूल मालिक है। श्री बी.सी. गुप्ता की मृत्यु दिनांक 21.12.1992 को हो गयी है, जिनके पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर जो नोएडा में दिनांक 12.11.1988 को पंजीकृत है। आवासीय प्लॉट नं. डी-103, सैक्टर-56, नोएडा (उ0प्र0) निम्न व्यक्ति को ट्रान्सफर किया जा रहा है :-

1. श्री राज कुमार नारंग पुत्र श्री बी.एल. नारंग निवासी डी-88, सैक्टर-20, नोएडा (उ0प्र0)
2. यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति, समस्त साक्ष्य सहित, नौएडा प्राधिकरण के आवासीय भूखण्ड विभाग में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर दाखिल कर दें।

श्री राज कुमार नारंग

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Sarika Sharma is in process to purchase the House no. 250 in Blk-E, Sec-Delta-01, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, UP from Rajeev Kumar Singh and Shivam Singh Rathore, they acquired the same vide Transfer Deed dated 5/2/2022 (doc. No. 2580) executed by Indra Devi alias Vinod Kumari, whereas they have lost the below chain of documents pertaining to the said property, a FIR has already been lodged in lieu of that dated 27/1/2022:-
1. Original Allocation Letter having speific plot number issued by GNIDA in favour of allottee namely Suresh Chandra.
If anyone do find the above mentioned documents please intimate to undersigned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना : पीओए खो गया

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

मैं, दीपक कुमार सिंह पुत्र श्री डी.एन. सिंह कर्मचारी संख्या 303921, वर्तमान में क्षेत्रीय संबंध प्रबंधक के रुप में शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग 110005 में कार्यरत हूँ, यह वचन देता हूं कि
1. मैंने अपने नाम पर पावर ऑफ अटॉर्नी खो दी है। 2. मेरे पास कोई पावर ऑफ अटॉर्नी नहीं है जो मुझे आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत करता है।

दिनांक : जून 20, 2024
स्थान : दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

Public Notice

This is to inform the general public that **(1)M/s. Raunak Associates through its partner Mods Guddu, (2) Mr. Chau. Parmanad Ray, (3) Mr. Sudhakar Jha, (4) Mr. Vaibhav Yadav & (5) Mr. Pardeep Kumar** are the GPA Holders of Plot no. 5B & 5C, area measuring 244Sq. Yds. (Out of Area 354 Sq. Yds.), Out of Khasra no. 31/16, Village Hastsal, Abadi Known as Vikas Nagar Extn., Uttam Nagar, New Delhi-110059. They are in Possession of Said plot through a GPA, ATS & Will dated 29.01.2023 executed by Mrs. Urmila Narula in favour of (1) M/s. Raunak Associates through its partner Mods Guddu (Shareholder of 20%), (2) Mr. Chau. Parmanad Ray (Shareholder of 25%), (3) Mr. Sudhakar Jha (Shareholder of 25%), (4) Mr. Vaibhav Yadav (Shareholder of 20%) & (5) Mr. Pardeep Kumar (Shareholder of 10%) in respect of the said Plot no. 5B & 5C, 244 Sq. Yds. Out of Khasra no. 31/16.
1) M/s. Raunak Associates through its partner Mods Guddu, (2) Mr. Chau. Parmanad Ray, (3) Mr. Sudhakar Jha, (4) Mr. Vaibhav Yadav & (5) Mr. Pardeep Kumar intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned plot to **Mr. Allaudin and Mrs. Sabida Begam. Subsequently, Mr. Allaudin and Mrs. Sabida Begam** are in the process of mortgaging the said **SMFG India Home Finance Co. Ltd. *(Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.)*** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

"General Public is hereby informed that **Smt. Kamlesh Kumari** w/o Sh. Shyam Sunder Arora (PAN- GGHPK3049G)r/o 5F/48A, NH-5, Faridabad, HR, AND **Smt. Kamal Dang** w/o Sh. Kishan Dang (PAN- AYGPK 6007K)r/o 2C-18, Ward no. 11, N.H-2, Faridabad NIT, Faridabad, HR, who are the co-ownersof property i.e. House Bearing No. 2-C/29, (NH-02) land area measuring 78+155 Sq. yds.=233 Sq. yds. Situated New Township (NIT) Faridabad HR., hereinafter referred to as "said property", having acquired the same vide 2 **Sale deeds** i.e. Sale Deed dated 14.09.2021 executed by Mr. Rajesh Gulati through GPA Kamlesh& Anil in favour of Mrs. KamleshKumari (for 78 sq. yds) as Document No. 3353 in SR -Badkhal **AND** Sale Deed dated 28.06.2021 executed by Mrs. Kirti Gera in favour of Mrs. Kamal Dang (for 155 sq. yds) as Document No. 1468 in SR -Badkhal. Against the said property L & T Finance Limited (a Non-Banking Financial Company) (our client) is giving a Housing Loan to one **Mr. Yashish Bajaj** s/o Sh. Sanjay Bajaj (PAN- DTLPB 9367J) r/o 2C-82, Ward no. 11, N.H-2, Faridabad, HRwho would purchase the said property from the Present owners i.e. Smt. KamleshKumari& Smt. Kamal Dang. It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage **OR** any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **07days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

VIPUL KR. RAHEJA (Advocate) Ch. no. 55, Civil Side, Tis Hazari Courts, Delhi-54 Mob. 9873150663

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **नरेश चंद डंग और गीता** को **18.11.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDCP00199513** की राशि **10,49,404.02 /- (रुपए दस लाख उनचास हजार चार सौ चार और दो पैसे मात्र)** और **17.11.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **18.06.2024** को संपत्ति पर **आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.10,49,404.02 /- (रुपए दस लाख उनचास हजार चार सौ चार और दो पैसे मात्र) 17.11.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.103, तल मंजिल, मध्य एलआईजी, प्लॉट नं.एमएम-122, साई अपार्टमेंट - I, डीएलएफ अंकुर विहार, लोनी, गाज़ियाबाद,उत्तर प्रदेश -201010

दिनांक:18.06.2024
स्थान :गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री अमित कुमार पुत्र श्री चंद्रा, ग्राम रोजा जलालपुर, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित एक खाली फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 218 वर्ग गज यानी 182.26 वर्ग मीटर, खसरा नंबर-846 में से, और ग्राम जलालपुर, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित एक खाली फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 221 वर्ग गज यानी 184.77 वर्ग मीटर, खसरा नंबर-847 में से, दो पंजीकृत उपहार विलेख दिनांक 16.09.2023 के माध्यम से मालिक हैं। जो श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री चंद्रा के द्वारा श्री अमित कुमार पुत्र श्री चंद्रा के पक्ष में निष्पादित पंजीकरण संख्या 37380 और 37381, SR-दादरी, उत्तर प्रदेश में है। उपरोक्त संपत्ति को फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/अधिकार, ग्रहणाधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे अधोहस्ताक्षरी/अधिवक्ता विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092 को इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत पते के तहत दस्तावेजी साक्ष्य के साथ सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा। **विशाल मेहन, अधिवक्ता**
ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092, मोबाइल नंबर 9811215181

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर 23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	अनिरुद्ध मुखर्जी/ काकुली मुखर्जी/ LBGUR00003497641	फ्लैट नंबर ए-1804, 18वीं और 19वीं मंजिल, ओएसिस वेनेटिया हाइट्स, प्लॉट नंबर एचआरए- 12ए ग्रुप हाउसिंग सेक्टर, सूरजपुर साइट सी (एक्सटेंशन), पर स्थित, फेज II ग्रेटर नोएडा- 201312/ जून 14, 2024	जनवरी 19, 2024 रु. 1,00,12,030/-	ग्रेटर- नोएडा/ दिल्ली

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : जून 20, 2024
स्थान : दिल्ली (ग्रेटर नोएडा)

भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

ELECTION PROGRAMME

Election programme for the election of the Managing Committee of The Badshahpur Primary Agriculture Co-operative Society Ltd., Badshahpur to be held on 21.07.2024.

SR.NO.	PARTICULAR	DATE	TIMES	PLACE
01.	Exhibition of List of voters as required under Sub Para(2) of rule 35 and objection on the list of Voters will be submitted on the last day Exhibition of Voter list in the office of Assistant registrar, Coop. Societies Gurugram	15-06-2024 to 23-06-2024	9:00 a.m. to 5:00 p.m.	(1). In the Regd. Office of the Society & Village failing in the area operation of the Society. (2). Assistant Registrar Co-operative Societies, Gurugram Near John Hall Civil Line, Gurugram (3). Central Cooperative Bank, Gurugram
02.	Hearing of objection of the list of voters as required under sub para(4) of rule 35	25-06-2024	10:00 a.m. to 3:00 p.m.	ARCS Office, Gurugram
03.	Filing of Nomination Papers.	02-07-2024	10:00 a.m. to 2:00 p.m.	In the office of Assistant Registrar, Co-operativeSocieities, Gurugram, Near John Hall, Civil Line, Gurugaon
04.	Scrutiny of Nomination Papers.	03-07-2024	10:00 a.m. to 2:00 p.m.	---------- Do-------------
05.	Display of List of Validity nominated Candidates.	03-07-2024	4:00 p.m.	---------- Do-------------
06.	Withdrawal of Nomination Paper display of list of candidates.	09-07-2024	10:00 a.m. to 2:00 p.m.	---------- Do-------------
07.	Allocation of Symbols	09-07-2024	03:00 p.m.	---------- Do-------------
08.	Display of List of contesting candidates.	09-07-2024	04:00 p.m.	---------- Do-------------
09.	Taking of poll, if necessary.	21-07-2024	08:00 a.m. to 4:00 p.m.	In the premises as per list of booth attached.

Note:- (1) Election of the Managing Committee of the said society will be held as per section 28 ibid of the Haryana Cooperative Societies Act 1984 (2) Election will be held as per orders of Hon'ble High Court of Punjab & Haryana in BejulSomaia Vs. State of Haryana in CWP no. 3648 of 2007

(Devender Beniwal)
Assistant Registrar, Co-operative Societies, Gurugram, (Returning Officer)

एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड ("एसीआरई")
CIN : U65993DL2002PLC115769
पंजीकृत कार्यालय: 14वीं मंजिल, ईआरओएस कॉर्पोरेट टॉवर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019. ई-मेल: acre.arc@acreindia.in,वेबसाइट: www.acreindia.in
कॉर्पोरेट कार्यालय: यूनिट नंबर 502, सी विंग, वन बीकेसी, प्लॉट नंबर सी - 66, जी - ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई – 400051. फोन: 022 68643101

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स एसेट रिकन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ("इंडियाबुल्स एआरसी") प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **गुलज़ार अहमद और आसिफा खातून** को **24.02.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. G014OXXIII (आईएचएफएल का पूर्व कर्ज खाता नं. HHLNOD00498577)** की राशि रू. **16,69,128/- (रूपये सोलह लाख उनसठ हजार एक सौ अट्ठाईस मात्र)** और **17.02.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी । इसके अलावा **आईएचएफएल ने इंडियाबुल्स एसेट रिकन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के पक्ष में इंडियाबुल्स एआरसी –XXIII ट्रस्ट के ट्रस्टी** के रूप में उपरोक्त कर्ज खाते के अपने सभी अधिकार, शीर्षक और ब्याज **31.12.2021** को एक असाइनमेंट समझौते के माध्यम से सौपा है, इसके अलावा **इंडियाबुल्स एसेट रिकन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, इंडियाबुल्स एआरसी –XXIII ट्रस्ट के ट्रस्टी** ने दिनांक **29.06.2022** के असाइनमेंट करार के माध्यम से **एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड ("एसीआरई")** के पक्ष में उपरोक्त कर्ज खाते के अपने सभी अधिकार, शीर्षक और ब्याज और कर्ज खाता जिसे **एसीआरई** की पुस्तकों में कर्ज खाता नं. **G014OXXIII** के रूप में पुन: क्रमांकित किया गया है, सौंपा है ।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **14.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है ।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रू. **16,69,128/- (रूपये सोलह लाख उनसठ हजार एक सौ अट्ठाईस मात्र) 17.02.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि.** के आधीन होगा.
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

दूसरी मंजिल पर छत के अधिकार के साथ, फ्लैट नंबर सी-1, कवर्ड एरिया 373 स्क्वे. फीट यानी 34.65 स्क्वे. मीटर्स, एल.आई.जी. श्रेणी के अंतर्गत, पीछे की तरफ, फ्री होल्ड संपत्ति नंबर सी-1/14 (प्लॉट नंबर 14, ब्लॉक-सी 1) का हिस्सा, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन II पर स्थित, गाँव ब्रहपुरा उर्फ भोपुरा के क्षेत्र में, तहसील और जिला गाज़ियाबाद , उत्तर प्रदेश ।

दिनांक : 14.06.2024
स्थान : गाज़ियाबाद

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि.
(102- ट्रस्ट)

एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड ("एसीआरई")
CIN : U65993DL2002PLC115769
पंजीकृत कार्यालय: 14वीं मंजिल, ईआरओएस कॉर्पोरेट टॉवर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019. ई-मेल: acre.arc@acreindia.in,वेबसाइट: www.acreindia.in
कॉर्पोरेट कार्यालय: यूनिट नंबर 502, सी विंग, वन बीकेसी, प्लॉट नंबर सी - 66, जी - ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई – 400051. फोन: 022 68643101

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड ("आईएचएफएल") प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **कुंदन कुमार उर्फ कुंदन कुमार कश्यप और चित्रलेखा** को **07.04.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. K023OXXIII-01 (आईएचएफएल का पूर्व कर्ज खाता नं. HHLNOD00351066)** की राशि रू. **34,23,903/- (रूपये चौंतीस लाख तेईस हजार नौ सौ तीन पैसे मात्र)** और **31.03.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी । इसके अलावा **आईएचएफएल ने इंडियाबुल्स एसेट रिकन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के पक्ष में इंडियाबुल्स एआरसी –XXIII ट्रस्ट के ट्रस्टी** के रूप में उपरोक्त कर्ज खाते के अपने सभी अधिकार, शीर्षक और ब्याज **31.12.2021** को एक असाइनमेंट समझौते के माध्यम से सौपा है, इसके अलावा **इंडियाबुल्स एसेट रिकन्स्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, इंडियाबुल्स एआरसी –XXIII ट्रस्ट के ट्रस्टी** ने दिनांक **29.06.2022** के असाइनमेंट करार के माध्यम से **एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड ("एसीआरई")** के पक्ष में उपरोक्त कर्ज खाते के अपने सभी अधिकार, शीर्षक और ब्याज और कर्ज खाता जिसे **एसीआरई** की पुस्तकों में कर्ज खाता नं. **K023OXXIII-01** के रूप में पुन: क्रमांकित किया गया है, सौंपा है ।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **14.06.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है ।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि रू. **34,23,903/- (रूपये चौंतीस लाख तेईस हजार नौ सौ तीन पैसे मात्र) 31.03.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि.** के आधीन होगा.
उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

"रिदम काउंटी" से पहचाने जानेवाले ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में टावर - ट्रांस, बीसवीं मंजिल पर फ्लैट नं. 2006, जिसका सुपर एरिया 1060 स्क्वे.फीट, पार्किंग के जगह साथ, प्लॉट नं. जीएच-16 ई पर निर्मित, सेक्टर -01, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर - 201303, उत्तर प्रदेश ।

दिनांक : 14.06.2024
स्थान : गौतम बुद्ध नगर

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि.
(102- ट्रस्ट)

कांग्रेसी रणनीति

वायनाड से प्रियंका

कांग्रेस ने रणनीति के तहत वायनाड से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारा है, जबकि राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे। आधिकारिक घोषणा के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को केरल के वायनाड चुनाव क्षेत्र से लोकसभा उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया गया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है कि उनके भाई राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे। वायनाड से प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी कांग्रेस द्वारा उठाई जा रही जोखिम है जिसके माध्यम से वह उत्तर भारत में अपनी पकड़ बनाए रखते हुए दक्षिण भारत में पहुंच बढ़ाना चाहती है। अपनी उच्च शिक्षा दर तथा विविधतापूर्ण जनसंख्या संरचना के कारण वायनाड को कांग्रेस के लिए तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस के गढ़ रायबरेली में उपस्थिति बनाए रखने से वे उत्तर प्रदेश पर ध्यान दे सकेंगे। इससे पार्टी के लिए एक सीट पर निरंतरता व स्थायित्व सुनिश्चित होगा जो 'गांधी परिवार' के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण रही है। प्रियंका गांधी को वायनाड से उतार कर पार्टी केरल के नौजवानों व महिला मतदाताओं में अपना आकर्षण बढ़ाना चाहती है। इस राज्य में खासकर क्षेत्रीय पार्टियों तथा वाम लोकतांत्रिक मोर्चा-एलडीएफ के उभार के बाद राजनीतिक प्रतियोगिता बहुत कठोर हो गई है। सोनिया गांधी के राज्यसभा जाने के बाद संसद में कांग्रेस के तीन सदस्य कांग्रेस विरोधियों को उस पर वंशवाद का आरोप लगाने का अवसर दे देते हैं, लेकिन कांग्रेस वर्तमान समय में संभवत: चुनावी गणित पर ज्यादा ध्यान दे रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का खराब प्रदर्शन समाजवादी पार्टी के साथ इस महत्वपूर्ण राज्य में कांग्रेस

गठबंधन का कारण स्पष्ट करता है। रायबरेली से राहुल की उपस्थिति सीधे उनको इस राज्य से जोड़ेगी, जबकि दक्षिण भारत में प्रियंका की उपस्थिति उनको इस क्षेत्र में स्थान दिलाएगी। प्रियंका का चुनावी राजनीति में प्रवेश स्पष्ट करता है कि वे ज्यादा से ज्यादा सक्रिय राजनीति में रहना चाहती हैं। इससे संकेत मिलता है कि वे प्रमुख निर्णयकर्ताओं में शामिल होना चाहती हैं और स्वयं को केवल चुनाव प्रचार तथा अपने भाई राहुल की सहायता तक सीमित नहीं रखेंगी।

लेकिन उत्तर प्रदेश तथा इस प्रकार कांग्रेस की खोई हुई गरिमा प्राप्त करना अभी बहुत दूर का सपना है क्योंकि कांग्रेस के अधिकांश वोटबैंक पर क्षेत्रीय पार्टियों ने कब्जा कर लिया है और इससे वे मजबूत हुई हैं। यह कदम प्रियंका गांधी को राष्ट्रीय राजनीति में ज्यादा प्रमुख भूमिका मिलने का संकेत करता है। इससे संभवत: वे पार्टी के भीतर ज्यादा जिम्मेदारियां संभालने का मंच बनाना चाहती हैं। हालांकि, ये कदम रणनीतिक दिखते हैं, पर कांग्रेस को अब भी कठिन चुनौतियों का सामना करना है। भाजपा की जीवन्त संगठनात्मक मशीनरी और संसाधन उसे मजबूत विपक्ष बनाते हैं। इसके साथ ही क्षेत्रीय पार्टियां लगातार चुनौती बनी हुई हैं और वे प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में वोट बंटवारे का कारण बनती हैं। इसके साथ ही कांग्रेस को आंतरिक विरोध का सामना करते हुए चुनावी संभावनाओं को अधिकतम बनाने के लिए एक संयुक्त मोर्चा बनाना होगा। उसके सामने असली चुनौती एक सुसंगत एवं आकर्षक दृष्टिकोण रखना है जो उसे विविध जनसंख्या संरचनाओं में समर्थन दिला कर कार्यकर्ताओं को ऊर्जान्वित कर सके। इस दिशा में संगठनात्मक स्तर पर बहुत कुछ करने की आवश्कता है क्योंकि पार्टी कार्यकर्ता लंबे समय से निराश हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले चुनाव नई कांग्रेसी रणनीतियों और उनके क्रियान्वयन की परीक्षा लेंगे।

लू का अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव

वर्तमान समय में जारी भयानक गर्मी का आर्थिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ता है। इससे निपटने के लिए जलवायु-संवेदी कार्रवाई तथा जनता व उत्पादकता को सुरक्षित रखने के उपाय जरूरी हैं।

ए.एस. मित्तल
(लेखक, उद्योग जगत से संबद्ध हैं)

हम में से बहुत से लोगों के लिए 'भयानक गर्मी' इस वर्ष के सर्वाधिक गर्म महीनों में पैदा असुविधा का कारण हैं। देश भर में व खासकर उत्तर भारत में भयानक गर्मी और लू से दिल्ली और राजस्थान में अधिकतम तापमान 52 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया है। गर्मी के कारण पैदा बीमारियों से अनेक लोगों की मौत हुई है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी लू चल रही है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि स्थिति और खराब होगी क्योंकि उत्तर-पश्चिमी भारत में भी तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इससे खेती, निर्माण तथा औद्योगिक गतिविधियों में लगे लाखों कामगारों के लिए खतरा बढ़ गया है।

अनेक अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह उत्पादकता हेतु गंभीर खतरा बन गई है। इसलिए तत्काल जलवायु-संवेदी कार्ययोजना बनाना जरूरी हो गया है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान लगातार बढ़ रहा है जिससे देश को हर साल उच्च तापमान का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2030 तक देश में हर साल 160-200 मिलियन लोगों को हर साल भयानक लू का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही भारत में लगभग 34 मिलियन लोगों को गर्मी के कारण पैदा तनाव तथा उत्पादकता में आई कमी से नौकरियों और रोजगार से वंचित होना पड़ सकता है। औसत तापमान में वृद्धि का प्रभाव विभिन्न पेशों तथा रोजगार देने वाले क्षेत्रों के लिए अलग-अलग होता है। अत्यधिक शारीरिक परिश्रम वाले कामों तथा लगातार लंबे समय तक बाहर काम करने वाले रोजगारों पर बढ़ती गर्मी का खासतौर से प्रभाव पड़ता है। खासकर कृषि व निर्माण कार्य, स्टील प्लांटों व ईंट भट्ठों में काम करने वाले लोगों पर इसका प्रभाव सर्वाधिक होता है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन-आईएलओ द्वारा 1995 में किए एक अध्ययन के अनुसार भारत में अत्यधिक गर्मी के कारण नुकसान होने वाले कार्यदिवसों का प्रतिशत कृषि और निर्माण में 5.87 प्रतिशत, उद्योग में 2.97 प्रतिशत तथा सेवाओं में 0.63 प्रतिशत था। इन आंकड़ों में 2030 तक कृषि और निर्माण में 9.04 प्रतिशत, उद्योग में 5.29 प्रतिशत तथा सेवाओं में 1.48 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। गर्मी के कारण बढ़ने वाला तनाव आर्थिक गतिविधि में एक बाधा बनता जा रहा है। इससे बिजनेसों को सबसे गर्म घंटों में काम करने में बाधा आती है, तापमान बढ़ने से श्रम उत्पादकता में और कमी आती है, कुछ कृषि क्षेत्र अनुत्पादक हो जाते हैं तथा बड़ी संख्या में खेतिहर मजदूर विस्थापित होते हैं।

1995 में वैश्विक आर्थिक नुकसान 280 बिलियन डालर था और इस आंकड़े के 2030 तक बढ़ कर 2,400 बिलियन डालर होने की आशंका है। वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी के कारण परिवहन के दौरान वार्षिक खाद्य पदार्थों का नुकसान लगभग 13 बिलियन डालर होता है। 2030 तक शीतलन की मांग वर्तमान समय के मुकाबले आठ गुना बढ़ने की आशंका है। इसका अर्थ है कि हर 15 सेकेंड पर नए एयरकंडीशनर की मांग होगी जिससे वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन अगले दो दशकों में 435 प्रतिशत बढ़ सकता है। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए भारत को लोगों को बढ़ते तापमान के अनुकूल बनाने में सहायता के लिए नए रणनीतिक टिकाऊ समाधान जरूरी होंगे। विश्व बैंक के अध्ययन 'क्लाइमेट इन्वेस्टमेंट अपारचुनिटीज़ इन इंडियाज़ कूलिंग सेक्टर' से स्पष्ट संकेत मिलता है कि लू के संकट से मुकाबला करने के लिए वैकल्पिक व खोजी ऊर्जा-सक्षम तकनीकों की आवश्यकता होगी। यह दृष्टिकोण 2040 तक भारत में 1.6 ट्रिलियन डालर निवेश की संभावनायें खोलता है ताकि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में काफी कमी लाई जा सके।

इससे लगभग 3.7 मिलियन रोजगारों का सृजन होगा। इस अध्ययन के अनुसार ऊर्जा-सक्षम मार्ग से कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन में अगले दो दशकों में काफी कमी लाई जा सकती है। भारत की शीतलन रणनीति जीवनों और आजीविकाओं को बचा सकती है, कार्बन उत्सर्जन घटा सकती है तथा भारत को ग्रीन-शीतलन विनिर्माण का महत्वपूर्ण वैश्विक केन्द्र बना सकती है। इस रिपोर्ट में शीतलन का प्रभावी टिकाऊ रोडमैप पेश किया गया है जिससे 2040 तक कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन में 300 मिलियन टन की कमी आ सकती है।

2019 में इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान-आईकैप शुरू किया गया था ताकि विभिन्न क्षेत्रों में निर्णायक व टिकाऊ शीतलन उपाय किए जा सकें। इन उपायों में इमारतों में भीतरी शीतलन, कृषि एवं फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में कोल्ड चेन सोलर रेफ्रीजरेशन तथा यात्री परिवहन में एयरकंडीशनिंग शामिल हैं। इस योजना का उद्देश्य 2037-38 तक बिजली-संचालित शीतलन की मांग में 25 प्रतिशत कमी लाना, प्रशिक्षित तकनीशियनों के 2 मिलियन रोजगारों का सृजन करना तथा अगले दो दशकों में रेफ्रीजरेंट्स की मांग में लगभग 31 प्रतिशत कमी लाना शामिल है। जलवायु-संवेदी शीतलन तकनीकों के प्रयोग के लिएआवश्यक है कि निजी और सरकारी- फंडिंग वाले निर्माण कार्यों में जलवायु-संवेदी शीतलन तकनीकों का प्रयोग किया जाए।

इससे यह सुनिश्चित होगा कि आर्थिक सीढ़ी के सबसे निचले स्तर पर रहने वाले लोगों पर बढ़ते तापमान का बहुत ज्यादा असर नहीं पड़े। इस रिपोर्ट में भारत में सस्ती आवास परियोजनाओं में इन परिवर्तनों की व्यापक रूप से स्वीकार्यता पर जोर दिया गया है। इससे उन 11 मिलियन शहरी आवासों तथा 29 मिलियन से अधिक ग्रामीण आवासों को लाभ होगा जिनका निर्माण सरकार करवाना चाहती है। जिला स्तर पर शीतलन तकनीकों के लिए सार्वजनिक-निजी निवेश आवश्यक है। इन अद्यतन तकनीकों का प्रयोग एक सेंट्रल प्लांट में ठंडा पानी तैयार करने में होगा जिसे बाद में अंडरग्राउंड इन्सुलेटेड पाइपों के माध्यम से अनेक इमारतों में फैलाया जा सकेगा। इससे अलग-अलग इमारतों को ठंडा करने के खर्च में भारी कमी आएगी तथा सर्वाधिक सक्षम परंपरागत शीतलन समाधानों की तुलना में बिजली बिलों में 20-30 प्रतिशत कमी आएगी। चंडीगढ़ में पंजाब इनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी-पीडा कार्यालय इस जलवायु-संवेदी इमारत का प्रमुख उदाहरण है। इससे गर्मी के महीनों में शीतलन तथा जाड़े में गर्मी पैदा करने का काम होता है। इस उदाहरण का अनुसरण भविष्य में हरित इमारतों के निर्माण में किया जा सकता है।

उच्च तापमान के कारण खाद्य पदार्थों व दवाओं के परिवहन के दौरान बढ़ते नुकसान से बचने के लिए विश्व बैंक रिपोर्ट ने स्पष्ट रूप से कोल्ड चेन वितरण नेटवर्कों में कमियां संबोधित करने पर जोर दिया है। प्री-कूलिंग तथा रेफ्रीजरेटेड परिवहन से खाद्य पदार्थों के नुकसान में 76 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है और कार्बन उत्सर्जन भी 16 प्रतिशत घट सकता है। भारत ओजोन-क्षरण का कारण बनने वाले हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बनों के उत्पादन और प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है जिनका प्रयोग एयरकंडीशनरों और रेफ्रीजरेटरों में कूलेंट के रूप में होता है। इस रिपोर्ट में जोर दिया गया है कि सेवाओं, रखरखाव तथा ऐसे उपकरणों के डिस्पोजल में सुधार की जरूरत है जो हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बनों का प्रयोग करते हैं। इसके साथ ही ग्लोबल वार्मिंग फुटप्रिंट घटाने के लिए वैकल्पिक उपायों का तेजी से प्रयोग जरूरी है।

कार्यस्थलों पर खासकर सर्वाधिक प्रभावित व संकटग्रस्त क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव समझना जरूरी है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से ढांचागत परिवर्तन की पैरवी की गई है। इसके लिए जिम्मेदार और टिकाऊ 'हरित' बिजनेसों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे खेतिहर मजदूरों को उच्च तापमान से बचाने तथा उनके शारीरिक श्रम में कमी लाने में सहायता मिलेगी। जलवायु संकट से निपटने के अन्य नीतिगत उपायों में कौशल विकास, टिकाऊ उद्यमों के लिए उपयुक्त परिवेश बनाने तथा ढांचागत संरचनाओं में समुचित सार्वजनिक निवेश की आवश्यकता है।

वाणिज्यिक सफलता के लिए पहल करें स्टार्ट अप्स

सुभाकर अलापती
(लेखक, स्तम्भकार हैं)

भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम ने पिछले दशक में महत्वपूर्ण प्रगति की है, हालांकि यह अभी भी वैश्विक बेंचमार्क से पीछे है। विकास की संभावना बहुत अधिक है, जिसे कर छूट और वित्तीय सब्सिडी जैसी सहायक सरकारी पहलों से बल मिला है। कई फंडर भारत के युवाओं को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इन अनुकूल नीतियों और हमारे समर्पित प्रयासों के कारण अगले दशक में स्टार्टअप की संख्या में उछाल की उम्मीद करते हैं। कई स्टार्टअप लड़खड़ा जाते हैं क्योंकि युवा उद्यमी, आशाजनक विचारों से भरे होते हैं, लेकिन संचालन, वित्तीय प्रबंधन और संसाधन उपयोग में आवश्यक ज्ञान की कमी होती है। कॉलेज से निकले नए-नए लोग बदलाव लाने की ख्वाहिश रखते हैं, लेकिन अक्सर सफलता के लिए महत्वपूर्ण कौशल की कमी होती है। अपने 12 से अधिक वर्षों के अनुभव और एक मजबूत नेटवर्क से, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि युवा भारतीय उद्यमियों में सफल होने की क्षमता है, उन्हें बस विधि की आवश्यकता है। उन्हें न केवल फंडिंग पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, बल्कि महत्वपूर्ण ज्ञान अंतराल को पाटने और विकास को बढ़ावा देने के लिए वित्त, संचालन और समग्र व्यवसाय प्रबंधन में विशेषज्ञता विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। प्राथमिक चुनौती युवा उद्यमियों में परिचालन और वित्तीय प्रबंधन कौशल की कमी है, जो अपने अभिनव विचारों को क्रियान्वित करने में संघर्ष करते हैं।

मैं चाहूंगा कि वे इस कमी को पूरा करें। यहीं पर वाईइए जैसे फंडर्स वित्तीय सहायता के साथ-साथ व्यापक सलाह देकर आगे आते हैं। मेंटर्स को परिचालन दक्षता बढ़ाने, वित्त का प्रबंधन करने और सरकारी प्रोत्साहनों का लाभ उठाने में स्टार्टअप का मार्गदर्शन करना चाहिए, जिससे उनकी सफलता की संभावनाएँ बढ़ें। आज, भारत में कई स्टार्टअप युवा उद्यमियों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जिनके पास कंपनी प्रबंधन और संचालन में अनुभव की कमी है। हमारे जैसे फंडर्स इन व्यक्तियों को विस्तृत परिचालन योजनाएँ देने को

प्राथमिकता देते हैं, जिनके पास बेहतरीन विचार होते हैं, लेकिन उन्हें क्रियान्वयन में मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। उन्हें लागत की गतिशीलता को समझने, दक्षता के लिए संचालन को अनुकूलित करने और हमारे निवेश का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए संसाधनों तक पहुँचने की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, फंडर्स वित्तीय प्रबंधन में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं और उन्हें कर छूट जैसी सरकारी नीतियों के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे विभिन्न चरणों में फंडिंग की ज़रूरतें विकसित होती हैं, हमारा व्यापक नेटवर्क हमें बाहरी निवेशकों से अतिरिक्त फंड हासिल करने में सक्षम बनाता है, जिससे निरंतर सफलता सुनिश्चित होती है। ड्रुश्र जैसे अधिकांश फंडर्स उद्योगों में बदलाव लाने में सक्षम अभिनव विचारों की तलाश करते हैं, न कि मौजूदा मॉडलों की नकल। हमारी कठोर चयन प्रक्रिया में विस्तृत प्रस्ताव, प्रश्नावली और प्रस्तुतियाँ सहित सावधानीपूर्वक जाँच शामिल है। एक बार चुने जाने के बाद, स्टार्टअप व्यक्तिगत सलाह से लाभान्वित होते हैं और विशेषज्ञों और संसाधनों के नेटवर्क तक पहुँच प्राप्त करते हैं। इस व्यापक समर्थन का उद्देश्य स्थायी विकास और अंतत: सफलता को बढ़ावा देना है। हम फंडर्स उद्यमिता में वास्तविक नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। हमारे कड़े चयन मानदंड वास्तव में अभूतपूर्व विचारों की पहचान करने के लिए कई अनुप्रयोगों को छानते हैं। हम अक्सर ऐसे अनुप्रयोगों का सामना करते हैं जो पर्याप्त विभेदन की कमी वाले सामान्य अवधारणाओं का प्रस्ताव करते हैं, जिन्हें हमें खेद के साथ अस्वीकार करना पड़ता है। हमारा ध्यान अगले गूगल या फेसबुक बनने की क्षमता वाले स्टार्टअप को पोषित करने पर रहता है - अद्वितीय प्रस्तावों और स्केलेबल मॉडल वाले उद्यम।

उद्यमिता जुनून से अधिक की मांग करती है; इसके लिए सावधानीपूर्वक योजना, लचीलापन और धैर्य की आवश्यकता होती है। सफलता तात्कालिक नहीं है, बल्कि पुनरावृत्त शोधन और अनुकूलन के माध्यम से विकसित होती है। उद्यमियों को अपनी दृष्टि में दृढ़ रहना चाहिए, लगातार सीखना और अनुकूलन करना चाहिए, और चुनौतियों को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने के लिए सलाह लेनी चाहिए।

नए और अनुभवी दोनों तरह के महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए, मैं इस बात पर ज़ोर देता हूँ कि जहां रुचि और इरादा सराहनीय है, वहीं किसी कंपनी को लॉन्च करना और उसे बनाए रखना इससे कहीं ज़्यादा की मांग करता है। इसके लिए सोच-समझकर योजना बनाना, पहली पीढ़ी के उद्यमी के रूप में अपनी यात्रा से प्रेरणा लेते हुए समय के साथ अटूट प्रतिबद्धता और फंडिंग में रुकावट या विचार विकास जैसी चुनौतियों का सामना करने में लचीलापन ज़रूरी है।

आज के स्टार्टअप अक्सर तेज़ी से मल्टी मिलियन या बिलियन डॉलर की सफलता का लक्ष्य रखते हैं, फिर भी ऐसी उपलब्धियां शायद ही कभी तुरंत मिलती हैं। अधिक से अधिक व्यक्तियों को उद्यमिता को अपनाते हुए देखना उत्साहजनक है, फिर भी सच्ची सफलता निरंतर प्रतिबद्धता, फ़ोकस और दृढ़ता पर निर्भर करती है। फंडिंग हासिल करना उद्यमी की यात्रा की शुरुआत भर है, उसका अंत नहीं। उद्यमियों को यह पहचानना चाहिए कि एक संपन्न उद्यम बनाने के लिए खुद को, निवेशकों, ग्राहकों और हितधारकों को समान रूप से लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है।

आप की बात

जल संकट से सबक

भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के लोगों को पानी की कटौती का भी सामना करना पड़ रहा है। अकेली दिल्ली ही नहीं, बैंगलोर व मुंबई सहित देश के सभी बड़े शहर गर्मियों में पानी की भारी कमी से जूझ रहे हैं। पड़ोसी राज्यों से नए जल समझौते करने की कोशिश की जा रही है, मगर उनके पास भी एक्स्ट्रा जल होगा तभी तो वह सप्लाई कर सकेगा। जल समस्या का असली निदान केवल राज्यों के बीच जल बंटवारे का उचित समझौता नहीं है। जल संचय के लिए मानसून में देशभर में महा-अभियान चलाना होगा। वर्षा की प्रत्येक बूंद को सहेजना होगा। बोतल में पानी बेचने वालों, कोल्ड ड्रिंक बनाने वालों तथा व्हीकल वॉशिंग सेंटरों पर नियंत्रण लगाना होगा। अधिकाधिक वृक्षारोपण करना होगा। इसमें प्रमुख भूमिका जनता को ही निभानी है। सरकार को इसके लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन देना होगा। देश भर में हर जल स्रोत को पुनर्जीवित करना होगा तथा जल भराव के रास्तों में बनाए गए निर्माण में जल रोकने वाले हिस्से को हटाकर जलाशयों को पूरा भरने के इंतजाम करने होंगे। हर गर्मी में पानी की कमी का कष्ट भुगतने के बावजूद 99 प्रतिशत जनता जल संचय व वृक्षारोपण के प्रति कतई रुचि नहीं रखती है। इस स्थिति में भावी पीढ़ी को और अधिक जल संकट का सामना करना होगा।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

ईवीएम का जिन्न

स्वतन्त्र भारत के इतिहास में सत्ता के लिए ऐसी तड़प शायद ही कभी देखने को मिली हो जैसी गत लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद विपक्षी दलों की देखने को मिल रही है। हर चुनाव से पहले विपक्षी दल ईवीएम का रोना रोते हैं, जिससे विपरीत परिणाम आने पर वे हार का ठीकरा ईवीएम और चुनाव आयोग पर फोड़ सकें। अनुकूल परिणाम आने पर ईवीएम का जिन्न फिर बोतल में बंद हो जाता है या फिर ईवीएम ठीक हो जाती है। इस बार भी तीन जून तक विपक्षी दलों ने ईवीएम मुद्दा जीवित रखा, पर परिणाम आते ही ईवीएम मुद्दा गायब हो गया और चुनाव आयोग ने भी राहत की सांस ली। किन्तु एलन मस्क के बयान से ईवीएम का जिन्न फिर बोतल से बाहर आ गया। उनका बयान अमेरिका की ईवीएम के संदर्भ में था किन्तु भारत के विपक्षी दलों के लिए तो यह मानो संजीवनी बन गया। अमेरिकी और भारतीय ईवीएम में तकनीकी अन्तर यह है कि भारतीय ईवीएम इन्टरनेट से कनेक्ट नहीं हैं। जिससे उसमें कोई धांधली नहीं हो सकती है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को अपने देश के सर्वोच्च न्यायालय, चुनाव आयोग और इंजीनियरों से अधिक विदेशियों पर अधिक विश्वास है। यह देश का अपमान है।

- नरेन्द्र टोंक, मेरठ

भारत और इंडिया

आजकल यह बेतुकी बहस सुनने को मिलती रहती है कि हमें अब भारत शब्द का ही उपयोग करना चाहिए एवं इंडिया को भुला देना चाहिए। लेकिन हजारों साल से भारतवर्ष को इंडिया शब्द कहा जाता रहा है और संविधान भी इसका प्रयोग करता है। अत: भारत बनाम इंडिया को बहस का मुद्दा बनाना निरर्थक है। हमारे इतिहास की पुस्तकों में भी भारत को इंडिया कहा गया था। एनसीईआरटी के निदेशक का कहना है चूंकि इंडिया शब्द का उपयोग हमारे प्राचीन काल से चला आ रहा है, अत: इसे देखते हुए एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भी भारत एवं इंडिया, दोनों शब्दों का परस्पर प्रयोग किया जाता रहा है। इसे आगे भी बदला नहीं जाएगा एवं पूर्व की तरह दोनों शब्दों का प्रयोग जारी रहेगा। वैसे धीरे-धीरे इंडिया के स्थान पर भारत प्रचलन में आ सकता है और देशवासियों के साथ विदेशी भी इसके अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कद तथा खासकर उसकी आर्थिक शक्ति पर भी निर्भर करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में सरकार बनने के बाद से ही अनेक स्थानों पर भारत के प्रयोग को बढ़ावा दिया है। भारत और इंडिया, दोनों ही हमारी राष्ट्रीय शक्ति, संपन्नता और वैश्विक बिरादरी में सम्मान के प्रतीक हैं।

-मनमोहन राजावत, शाजापुर

ट्रेन दुर्घटनायें

कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन में पीछे से मालगाड़ी की टक्कर से नौ से अधिक यात्रियों की मौत हो गई व 40 से अधिक घायल हो गए। 2 जून, 2023 को उड़ीसा में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे में 300 से अधिक यात्री असमय मौत का शिकार हुए थे और लगभग 900 से अधिक घायल हुए थे । दुनिया में भारतीय रेलवे का नेटवर्क चौथे स्थान पर है । 64 हजार किलोमीटर के दायरे में पटरियां बिछीं है, जिस पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्री व मालगाड़ियां फेरे लगातीं हैं। रेलवे को प्राकृतिक घटनाओं, जैसे, बारिश, भूस्खलन, धुंध, आदि कारणों से होने वाले हादसों के साथ मानवीय लापरवाहियों के चलते होने वाले हादसों पर लगाम लगाने हेतु विशेष ध्यान देना चाहिए। ट्रेनों में दुर्घटनायें रोकने को प्रथम प्राथमिकता देनी चाहिए। ट्रेन दुर्घटनायें रोकने में तकनीकी उपकरण सहायक हो सकते हैं और प्रमुख भूमिका भी निभा सकते हैं। लेकिन रेलवे में सुरक्षा और संरक्षा की जिम्मेदारी और जवाबदेही वाले इंजीनियरों व दक्ष श्रमिकों की आवश्यक भर्ती भी जरूरी है। कर्मियों द्वारा नियम तोड़ने पर कठोर सजा मिलनी चाहिए।

- हेमा हरि उपाध्याय, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

भारत के पुरातन गौरव को पुनः स्थापित करेगा नालंदा विवि का आधुनिक स्वरूप

● मुख्यमंत्री ने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का लोकार्पण करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार

पायनियर समचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के इस आधुनिक स्वरूप को शिक्षा जगत में भारत के पुरातन गौरव को पुनः स्थापित करने वाला और भारतीय शिक्षा और संस्कृति के उद्भव का 'अमृतकाल' करार दिया है। सीएम योगी ने एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में लिखा, बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री की भारत के सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण और शैक्षिक उन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। भारत की अतुल्य मेधा, अपरिमित ज्ञान, उत्कृष्ट शिक्षा और समृद्ध संस्कृति के गौरवशाली अतीत और विरासत को संजोए नालंदा विश्वविद्यालय का यह आधुनिक स्वरूप शिक्षा जगत के मानचित्र पर भारत के पुरातन गौरव को पुनर्स्थापित करेगा। यह भारतीय शिक्षा और संस्कृति के उद्भव का 'अमृतकाल' है। देश वासियों को बधाई एवं आपका हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने 17 देशों के सहयोग से राजगीर के पास नालंदा विश्वविद्यालय का नया कैंपस बनाया है। नालंदा यूनिवर्सिटी का नया कैंपस कई मायनों में खास है। इसमें परंपरा को बनाए रखते हुए छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। नालंदा विश्वविद्यालय के उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी ने कहा, नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा उद्घोष है इस सत्य का कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं।

बाढ़ से संबंधित निर्माण कार्यों में भी नवाचार को दिया जा रहा है बढ़ावा: स्वतंत्र देव सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि लगातार नवीन तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद-सिद्धार्थनगर, महराजगंज एवं गोरखपुर में प्रेशर सिंचाई प्रणाली विकसित किया जा रहा है, यह नई सिंचाई पद्धति है। प्रदेश में प्रथम बार प्रेशर सिंचाई प्रणाली का कार्य कराया जा रहा है।

स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि प्रेशर सिंचाई प्रणाली में सेडिमेंटेशन टैंक, पम्प हाउस तथा पीसीसी पाइप एवं डीआई पाइप का उपयोग किया जा रहा है। प्रेशर सिंचाई प्रणाली में पाइप (800 मिमी तथा 200 मिमी) लाइन जमीन से लगभग 1.5 मीटर नीचे बिछाया जा रहा है, जिससे कृषकों की जमीन पर खेती पूर्व की भांति होती रहेगी। इस सिंचाई प्रणाली में लगभग प्रत्येक 200 मीटर पर आउटलेट का प्राविधान है। पाइप में पानी का बहाव दबाव के होने के कारण ग्रेविटी फ्लो तथा पाइप लगाकर कृषक अपने खेत की सिंचाई कर सकता है। यदि कृषक अपने खेत में स्प्रींकलर प्रणाली विकसित कर रखा है तो उसे सिर्फ आउटलेट से अपने स्प्रींकलर प्रणाली को जोड़ कर सिंचाई कर सकता है। स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि प्रेशर सिंचाई प्रणाली की 07 नग परियोजना के अंतर्गत 11 स्थानों पर 31 किमी लम्बाई में पाइप लेईंग का कार्य प्रगति में है। 7 नग परियोजनाओं के द्वारा 57 ग्रामों के लगभग 18000 कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। उक्त परियोजना द्वारा खरीफ में 3969 हेक्टेयर तथा रबी में 3969 हेक्टेयर सिंचाई का प्राविधान है। 7 नग परियोजनाओं की लागत 111.62 करोड़ है। उन्होंने बताया कि इसमें निम्न प्रकार से नवीन प्राविधान किए गए। इसके तहत फैक्ट्री मेड वायर क्रेट जिसके मेस की साइज 10 सेमी व 12 सेमी होती है जो छोटे बोल्डर पर भी प्रभावी रहता है। इसके तहत डिजाइन में लांचिग एप्रोन के एप्रोन की साइज विभाग में परम्परागत रूप से चल रहे 1 मी. गुणे 1 मी. गुणे 1 मी. के स्थान पर 1.5 मी. गुणे 1.5 मी. गुणे .5 मी का प्रयोग किया गया। यह डिजाइन अधिक सुरक्षित व लागत में 25 प्रतिशत की कमी परिलक्षित हुई। इस डिजाइन को पूरे पूर्वी संगठन की बाढ़ परियोजनाओं में लागू कराया गया है।

प्रदेश में वर्षा जल के अधिकाधिक संचयन के लिए चल रहा 'कैच द रेन' अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● छोटी नदियों के कायाकल्प से लेकर पारंपरिक जल निकायों और जलस्रोतों का हो रहा नीवनीकरण

अधिकाधिक वर्षा जल संचयन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में चल रहा 'कैच द रेन' अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है। 2019 से प्रतिवर्ष मार्च-अप्रैल से नवंबर तक चलने वाला ये अभियान इस वर्ष अपने पांचवें चरण में पहुंच चुका है। इसके अंतर्गत पारंपरिक जल निकायों, जलस्रोतों का नीवनीकरण और पुनः उपयोग, बोरवेल पुनर्भरण, वाटरशेड का विकास, गहन वनारोपण, छोटी नदियों के कायाकल्प के साथ ही %नारी शक्ति से जल शक्ति% के थीम पर जन जागरूकता कार्यक्रम, जिलों की हाइड्रो जियोलॉजिकल परिस्थिति के अनुसार जल संचयन संबंधी अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। इसके अलावा जिलों के सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय भवनों पर अनिवार्य रूप से रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना कराने के निर्देश हैं। साथ ही यह भी निर्देश हैं कि जिलों के सभी अमृत सरोवरों के जल प्रवाह में रुकावट को ठीक किया जाए। 18 जून तक की रिपोर्ट के अनुसार जिलों के शासकीय और अर्द्धशासकीय भवनों पर अनिवार्य रूप से रेनवॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना कराने के मामले में पीलीभीत, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बाराबंकी और गोंडा क्रमशः टॉप फाइव में हैं। यहां शत प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। वहीं अमृत सरोवरों के रखरखाव में गोरखपुर, महाराजगंज, प्रयागराज, आजमगढ़ और बाराबंकी क्रमशः टॉप फाइव जनपद हैं। यहां अमृत सरोवरों में सिल्ट और वनस्पतियों को साफ कराने का कार्य पूरा कर लिया गया है। साथ ही निर्माणाधीन अमृत सरोवरों के कार्य को भी पूरा कर लिया गया है। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने हाल ही में 'कैच द रेन अभियान 2024' की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को इस बात से अवगत करा दिया है कि यह केंद्र और योगी सरकार के सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है।

जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत वृक्षों को अन्यत्र विस्थापित करने की कार्य योजना प्रस्तुत करें: डॉ. अरुण कुमार सक्सेना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरूण कुमार सक्सेना/ अध्यक्ष वन निगम की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश वन निगम की 273वीं बोर्ड बैठक इंदिरा नगर स्थित वन निगम के अरण्य विकास सम्मेलन कक्ष में सम्पन्न हुई।

डॉ. सक्सेना ने बैठक में वन निगम द्वारा पिछले वर्ष किए गए कार्यों व आगामी माहों में किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने वन निगम को निमार्ण कार्यो हेतु कार्यदायी संस्था नामित कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों की तरह प्रदेश में रिवर ट्रेनिंग का प्रशिक्षण वृहद स्तर पर दिया जाये इससे प्रदेश की प्रगति में सहायता मिलेगी। मंत्री ने जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत सड़क निर्माण के दौरान वृक्षों के कटान को रोकने हेतु वृक्षों को अन्यत्र विस्थापित करने हेतु कार्य योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह से वृक्षों की कटान रूकेगी तथा पर्यावरण पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पीपल, बरगद, नीम, पाकड़ इत्यादि के वृक्ष को पूर्ण आकार लेने में काफी समय लगता है इसलिए इनको काटने से पूर्व विस्थापित किया जाना सम्पूर्ण प्रकृति व मानव हित में है। उन्होंने पौध रोपण के समय पौधों को सुरक्षित रखने हेतु बैंकों के सीएसआर फण्ड के माध्यम से लगभग 50 हजार ट्री गार्ड की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने वन निगम में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि बोर्ड बैठक में पहले से किसी भी एजेंडे को स्वीकृत कर प्रस्तुत न किया जाय। उन्होंने निगम के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि बोर्ड बैठक में ही प्रस्तुत एजेंडे पर निर्णय लिया जाएगा। वन मंत्री ने कहा कि तेन्दूपत्ता संग्रहण से अधिक आय हेतु सहकारी समितियाँ बनाकर निस्तारण की व्यवस्था पर विशेष बल दिया जाए। उक्त के अतिरिक्त वन निगम की आय बढ़ाने हेतु अन्य विविधिकरण एवं अन्य आयामों पर विचार करने हेतु मंथन करने पर भी बल दिया। मंत्री ने प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु और अधिक प्रभावी कदम उठाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि आवश्यक हो तो इसके लिए पर्यटन विभाग से सहयोग लेकर इको टूरिज्म में आम व्यक्ति को जोड़ा जाए। बोर्ड बैठक में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा, उप्र वन निगम के प्रबन्ध निदेशक अनुपम गुप्ता के साथ ही नियोजना विभाग व अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

अधिकारियों व कर्मचारियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें: राजभर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंचायतीराज अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने आज अलीगंज स्थित पंचायतीराज विभाग के सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ योजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/ परियोजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक समय से पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता के साथ कार्य करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि अधिकारी विभागीय परिसम्पत्तियों का लेखा जोखा तैयार करें। परिसम्पत्तियों का उचित रख-रखाव होना चाहिए। किसी अवैध कब्जे की स्थिति में परिसम्पत्तियों को मुक्त करायें और उस पर विभाग निर्माण कार्य करायें। उन्होंने कहा कि पंचायतें स्वयं कार्ययोजना बनाकर कार्य करें और लाभ अर्जित करे। योजनाओं/ परियोजनाओं को चौपाल के माध्यम से जन-जन तक पहुंचायें और सरकार की मंशानुरूप उसका लाभ लोगों को प्राप्त हो। विभागीय अधिकारी हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच करायें और स्वयं इसकी मॉनीटरिंग भी करें। पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि पंचायतों में बन रहे अन्त्येष्टि स्थल लोगों के इस्तेमाल के हिसाब से बनवाये। उन्होंने कहा कि सरकार पैसा खर्च कर रही है तो उसका लाभ भी लोगों को मिलना चाहिए। अन्त्येष्टि स्थल बनाते समय अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि अन्त्येष्टि स्थल के समीप कोई नदी या जलाशय की व्यवस्था हो। साथ ही वहां पर लकड़ी इत्यादि की भी व्यवस्था हो, जिससे लोग अन्त्येष्टि स्थल का इस्तेमाल कर सके। उन्होंने कहा कि हम इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा सकेंगे। उन्होंने 20-25 गॉवों के समूह बनाये और उन गॉवों के मध्य एक बड़े पैमाने पर अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कराये। जिससे कि अन्त्येष्टि स्थल बनाने की शासन की मंशा साकार हो सके। पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि पंचायतों में बने सामुदायिक शौचालय क्रियाशील अवस्था में होने चाहिए। किसी भी परिस्थिति में सामुदायिक शौचालय बंद न रहें। उन्होंने कहा कि उप्र समय से पूर्व ही ओडीएफ होने का लक्ष्य हासिल कर चुका है। अब विभाग ओडीएफ प्लस की संकल्पना पर कार्य कर रहा है। ओडीएफ प्लस योजना के अंतर्गत सालिड और लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था पर विभाग काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी स्वयं मॉनीटरिंग कर ही प्लास्टिक वेस्ट का निस्तारण उचित ढंग से किया जा रहा है अथवा नहीं। इसके अलावा उन्होंने व्यक्तिगत शौचालय निर्माण स्थिति का भी जानकारी ली और खराब प्रदर्शन करने वाले जनपदों को चेतावनी देते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए।

पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि अधिकारियों/कर्मचारियों के आधार आधारित बायोमैट्रिक उपस्थिति करायी जाए, जिससे कि समय से कार्यालय में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराई जा सके। उन्होंने कहा कि बिना उपस्थिति के किसी भी योजना का सफल क्रियान्वयन नहीं किया जा सकता।

पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में सक्षम बनाने को एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सहकारिता मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ मिलकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में सक्षम बनाना है ताकि ग्रामीण नागरिकों और किसानों को बैंकिंग, बीमा, पीएम स्किम्स, स्वास्थ्य सेवाएं, कानूनी सेवाएं, पैन कार्ड, रेल, बस और फ्लाइट टिकट जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। प्रधानमंत्री के 'साहकार से समृद्धि' दृष्टिकोण को साकार करने के लिए यह पहल की गई है। इस पहल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में 5120 पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर में परिवर्तित किया जा चुका है। इस क्रम में, राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से राज्य के समस्त पैक्स सोसाइटी के अधिकृत सचिवों/ आपरेटरों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया गया है।

भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है: अखिलेश

● स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है: सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है। मौसम की मार और लू लगने से लोगों की लगातार मौते हो रही है। बुखार और संक्रामक बीमारियां बढ़ रही है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अस्पतालों में दवा, इलाज नहीं मिल रहा है। बड़ी संख्या में मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने पर मजबूर हैं जहां उनके पैसों की लूट हो जाती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि राजधानी लखनऊ, गाजियाबाद समेत तमाम जिलों में लोगों की गर्मी लू से मरने की खबरें आ रही है। सरकार का लोगों के दवा इलाज और स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने पर कोई ध्यान ही नहीं है। भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार में शुरू की गयी 108 और 102 एम्बुलेंस सेवा को बर्बाद कर दिया। प्रदेश के विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज के नाम पर सिर्फ अधूरी बिल्डिंग खड़ी है। वहां न डॉक्टर है और न पैरा मेडिकल स्टाफ और न कोई सुविधा।

यादव ने कहा कि पूरी भाजपा सरकार ने लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। उसे आम जनता की कोई चिंता नहीं है। प्रदेश के कई मेडिकल कॉलेज सरकार की उदासीनता के शिकार हो गये है। बदायूं में समाजवादी सरकार में निर्मित बदायूं मेडिकल कॉलेज बीजेपी सरकार की उदासीनता और बेरुखी के चलते बदहाल हो गया है। यहां मासूम नवजातों की मौतों का सिलसिला जारी है, इलाज की कोई सुचारू व्यवस्था नहीं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विकास नहीं विध्वंस करती है। समाजवादियों ने जो काम किये थे उनको बिगाड़ना ही भाजपा का मुख्य काम हो गया है। भाजपा सरकार से जनता का भरोसा खत्म हो गया है। भाजपा सरकार पूरी तरह से विफल है।

सपा नेताओं ने परीक्षा धांधली मामले में सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी के निर्देश पर समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इमरान के नेतृत्व में समाजवादी छात्र सभा मध्य प्रदेश की प्रदेश, जिला एवं महानगर इकाईयों जिसमें छतरपुर, रीवा, टीकमगढ़, पन्ना, दतिया, निवाड़ी, अशोकनगर और शिवपुरी में नीट-यूजी 2024 परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और परीक्षा को फिर से कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारियों के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति/ राज्यपाल महोदय को ज्ञापन भेजा। समाजवादी छात्र सभा के प्रतिनिधिमण्डलों ने ज्ञापन में कहा कि मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा की पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संदेह है। नीट-यूजी की परीक्षा के दिन भी देश के अलग-अलग स्थानों पर व्यवस्था की गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसमें यह भी स्पष्ट हो गया है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां नहीं की थीं। इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया राहुल गांधी का जन्मदिन

● राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत भी की गई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर बुधवार को कांग्रेसजनों द्वारा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया एवं दीर्घायु होने की कामना की गई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में हुए इन कार्यक्रमों की शुरुआत यूथ कांग्रेस के कार्यालय में 101 वृक्षों का वृक्षारोपण कर की गई। राहुल गांधी के जन्मदिन पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आज 'राजीव गांधी वृक्षारोपण' अभियान की शुरूआत की गई।

इस अभियान के तहत कांग्रेसजनों द्वारा यह संकल्प लिया गया है कि प्रदेश के सभी 1 लाख 62 हजार बूथों के अध्यक्षों द्वारा एक-एक वृक्ष रोपित किया जायेगा। एक बूथ एक पेड़ को मिशन के तौर पर लेते हुए पहली बारिश के बाद यह अभियान पूरे प्रदेश में जोर शोर से शुरू हो जायेगा। कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी दिशा निर्देश में यह स्पष्ट रूप निर्देशित किया गया है कि ना सिर्फ पेड़ लगाने हैं बल्कि अगले तीन वर्षों तक उनका संरक्षण भी करना है।

विकास के नाम पर केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकारों ने लाखों पेड़ कटवा दिये हैं जिसका नतीजा यह है कि गर्मी के प्रकोप से पूरा देश एवं प्रदेश झुलस रहा है। रोज कई लोग खासकर गरीब तबके के लोग इस भयंकर गर्मी की चपेट में आकर आकाल मृत्यु को प्राप्त हो जा रहे हैं। इस यातना से निजात केवल वृक्षारोपण से ही मिल सकता है। कांग्रेस पार्टी राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान के जरिए इस पुनीत कार्य को करेगी।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय सहित उपस्थित सभी कांग्रेसजनों ने शपथ लेते हुए कहा कि मैं यह शपथ लेता हूं कि मैं राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्ष लगाऊंगा और तीन साल तक इन वृक्षों की देखभाल करूंगा। मैं पार्टी द्वारा चलाये जा रहे 'एक बूथ, एक पेड़' के तहत जिसमें 1 लाख 62 हजार पेड़ लगाये जायेंगे को सफल बनाने के लिए संकल्प लेता हूं। हम एक हरा भरा उत्तर प्रदेश बनायेंगे।

फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने डीजीपी प्रशांत कुमार से की भेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोमती नगर विस्तार स्थित पुलिस मुख्यालय में बुधवार को फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने डीजीपी प्रशांत कुमार से शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों एवं नवाचारों की प्रशंसा करते हुए अपनी आगामी फिल्म में निभाई गई पुलिस अधिकारी की भूमिका के अनुभव साझा किए। इस अवसर पर रेडियो मिर्ची की टीम भी उपस्थित रही।

यूपी में आज से शुरू होगी राज्य पक्षी सारस की गणना

दो दिन तक सुबह-शाम दो बार होगी गणना, प्रकृति प्रेमियों का भी लिया जाएगा सहयोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने सारस के संरक्षण के लिए पहल की, जिसके सुखद परिणाम मिलने लगे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में गुरुवार से राज्य पक्षी सारस की गणना होगी। वर्ष में दो बार (ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन) गणना होती है। वर्ष 2024 के लिए गुरुवार से दो दिन तक सारस गणना होगी। यह गणना सुबह-शाम दो बार की जाएगी। इसमें वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही विद्यार्थियों व प्रकृति प्रेमियों का भी सहयोग लिया जाएगा। 2023 में हुई गणना में उत्तर प्रदेश में 19522 सारस पाए गए थे। प्रभागीय वनाधिकारी अपने प्रभाग में पाए गए सारस की संख्या व फोटो पहली जुलाई तक मुख्य वन संरक्षक, ईको विकास, लखनऊ को उपलब्ध कराएंगे।

सारस की गणना वर्ष में दो बार (ग्रीष्मकालीन व शीतकालीन) होती है। 20 व 21 जून 2024 को ग्रीष्मकालीन सारस गणना की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के को-ऑर्डिनेटर होंगे। वन रक्षक गणना टीम का लीडर होगा। इनके कार्य क्षेत्र में कई वेटलैंड होने पर एक से अधिक टीम गठित की जाए। इसके लिए जनसामान्य को भी जागरूक किया जाएगा। गणना में स्कूल, कॉलेज के बच्चों, प्रकृति प्रेमियों व एनजीओ भी सारस गणना में प्रतिभाग कर सकते हैं। इन्हें प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

वर्ष 2024 में प्रत्येक गणना स्थल पर सुबह छह से आठ और शाम चार से छह बजे तक गणना होगी। दोनों में जो भी संख्या अधिकतम होगी, उसे ही वास्तविक माना जाएगा। प्रत्येक गणना स्थल की जीपीएस रीडिंग भी होगी। वहीं साल दर साल सारस की संख्या में भी काफी बढ़ोतरी हुई। कोरोना के बाद प्रदेश में 2021 में 17329 सारस पाए गए। 2022 में यह बढ़कर 19188 हो गए। 2023 में यह संख्या बढ़कर 19522 हो गई। वहीं 2024 में गुरुवार से होने वाली गणना के उपरांत सारस के कुनबे के और बढ़ने की संभावना है।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करेगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिए जाएंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार

योगी सरकार दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को 3 दिसंबर यानी विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान करेगी। इसके लिए प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन विभाग द्वारा आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक व्यक्ति या संस्थाएं इन पुरस्कारों के लिए 15 जुलाई तक अपना आवेदन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों के लिए दिव्यांगजन विभाग द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 प्रचलित है, जिसमें 12 विभिन्न श्रेणियों के तहत पुरस्कार दिए जाने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि नियमावली के अनुसार इन पुरस्कारों के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कर आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक व्यक्ति या संस्था सबंधित जनपद के दिव्यांगजन अधिकारी कार्यालय से संपर्क निर्धारित प्रारूप में 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के अंतर्गत पुरस्कार के लिए श्रेणियां निर्धारित की गई है जिनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/ स्वनियोजित दिव्यांगजन के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता और सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति और सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्रोत के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्ति और सर्वश्रेष्ठ बालक/ बालिका हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार तथा दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/ कर्मचारी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे।

किसान दिवस का आयोजन, कृषकों को योजनाओं की दी जानकारी

कानपुर देहात। अन्नदाता किसानों की समस्याओं के त्वरित निदान करने के साथ.साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा कृषक हित में संचालित योजनओं/ कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार माह के तृतीय बुधवार 19.06.2024 को किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार में मध्यान्ह: 12.00 बजे से किया गया। जिला कृषि अधिकारी कानपुर देहात डा. उमेश कुमार गुप्ता द्वारा किसान दिवस में आये अधिकारियों किसान संगठन के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों का औपचारिक स्वागत करते हुए किसान दिवस की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए धान नर्सरी की तैयारी, नैनो उर्वरकों के प्रयोग से होने वाले लाभों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

भूमि संरक्षण अधिकारी कानपुर देहात देवेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा खेत तालाब योजना का प्रशिक्षण प्रदान करते हुए अवगत कराया गया कि

जनपद में इस वर्ष 54 खेत तालाब खोदे जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसका आकार 22 गुणा 20 गुणा 3 मीटर निर्धारित हैए जिसकी अनुमानित लागत प्रति खेत तालाब रू0 105000 है। कृषि विभाग द्वारा प्रति खेत तालाब 50 प्रतिशत अनुदान रू0 52,500/ दो किश्तों में अनुदान के रूप में लाभार्थी किसान को प्रदान किये जायेगें। पहली किस्त का भुगतान कृषक को खुदाई पूर्ण करने पर अनुदान की 75 प्रतिशत धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जायेगी तथा शेष 25 प्रतिशत धनराशि पक्का कार्य पहली किस्त का भुगतान कृषक को खुदाई पूर्ण करने पर अनुदान की 75 प्रतिशत धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से दी जायेगी तथा शेष 25 प्रतिशत धनराशि पक्का कार्य पूर्ण होने पर की जायेगी। तालाब खोदे जाने पर भूमिगत जल स्तर बढने के साथ.साथ तालाब में मत्स्य पालनए सिंघाडा उत्पादन आदि का कार्य करने किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। योजनान्तर्गत किसानो का चयन पहले आओ.पहले पाओं के आधार पर किया जायेगा तथा खेत तालाब के साथ.साथ सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित किये जाने की अनिवार्यता हे अर्थात किसान द्वारा पूर्व में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित की हो या तालाब खुदने के बाद सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित करने का त्रिपक्षीय समझौता किया होना आवश्यक है।

जिला उद्यान अधिकारी बलदेव प्रसाद द्वारा उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए सब्जी उत्पादन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। उनके द्वारा ड्रिप थ्रिप्रंकलर सिंचाई पद्धति से होने वाले लाभों एवं उन पर देय विभागीय अनुदान के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

सीडीओ मत्स्य अवनीश कुमार यादव द्वारा मत्स्य पालन अभिकरण द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं मत्स्य पालन में बरती जाने वाली सावधानियों एवं तैयारियों के सम्बन्ध में किसानों को अवगत कराया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डा. शशिकांत द्वारा पशुपालन, दुग्ध व्यवसाय, मुर्गी पालन, बकरी पालन के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने के साथ साथ पशुओं में होने वाली मौसमी बीमारी जैसे गलाघोटू आदि से बचावए टीका करण कराने हेतु किसानों को जागरूक किया गया। उप कृषि निदेशक कानपुर देहात राम बचन राम द्वारा किसान दिवस में आये किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, कृषि यंत्रों पर देय अनुदान, सोलर फोटो वोल्टाईक इरीगेंशन पम्पों पर अनुदान आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। उप कृषि निदेशक द्वारा किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए अवगत कराया गया कि विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे आकाशीय बिजली से फसलों में आग लगने, बाढ, ओला वृष्टि, अतिवृष्टि, आधी, तूफान, कृमि अदि रोके न जा सकने वाली अपादाओं से बीमित अधिसूचित फसलों को हुयी क्षति का आगणन सर्वेक्षण करा कर बीमा कम्पनी द्वारा किसानो प्रदान किया जाता है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत कार्यशाला का आयोजन

बेहतर प्रदर्शन करनें बाले सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया

गुरसहायगंज (कन्नौज)। समधन नगर पंचायत कार्यालय में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक कार्यशाला बैठक का आयोजन किया गया। नगर के समस्त सफाई कर्मचारियों को वरिष्ठ लिपिक द्वारा पूर्व में चलाए गए कार्यक्रम मेरा आगन, मेरी हरियाली के बारे में बताते हुए कहा गया कि सभी कर्मचारी अपने-अपने घरों में होम कम्पोस्टिंग करे व घरो में पौधारोपण अवश्य करें।

बुधवार को आयोजित कार्यशाला में वरिष्ठ लिपिक जिलेदार सिंह ने आर,आर सेंटर, ब्रांड एंबेसडर, स्वच्छता चौंपियन, मोहल्ला निगरानी प्रोत्साहन समिति आदि पर विस्तृत चर्चा की साथ ही बताया कि आप लोगों द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन ट्राई साइकिल के माध्यम से किया जा रहा है। कर्मचारियों से अपील की की सभी कर्मचारी

सफाई कर्मियों को सम्मानित करते वरिष्ठ लिपिक जिलेदार सिंह।

अपने-अपने वार्डों से अलग-अलग गीला एवं सूखा कचरा ले और नागरिकों को जागरूक करें की कूड़े को खुले में न फेक यदि किसी व्यक्ति द्वारा कूड़ा खुले में फेंका जाए तो इसकी सूचना कार्यालय को उपलब्ध कारण जिस पर जुर्माना की कार्यवाही की जाए। यह भी बताया कि आप लोगों द्वारा ले जा रहे अलग-अलग कूड़े का निस्तारण एमआरएफ सेंटर पर सुचार रूप से संचालित है और कर्मचारियों को प्रसारित पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित भी किया गया जिसमें महिला सफाई कर्मी रेनू देवी, मैना देवी, शकुंतला पुरुष सफाई कर्मचारी रतन, विकास राम गोपाल, श्यामसुंदर, सर्वेश, अवधेश, नीरज आदि सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया इस मौके पर कार्यालय कर्मी दीपक श्रीवास्तव, आलोक कुमार, आनंद कुमार, मो. मुर्शीद, प्रशांत कुमार, मो. कासिम, मो. नौशाद कर्मचारी मौजूद रहे।

अपराधी, अपराध करना छोड़े या फिर क्षेत्रः आलोक कुमार दुवे

गुरसहायगंज (कन्नौज)। क्षेत्र में अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था सुदृढ बनाये रखनें के लिये उच्चाधिकारियों के निर्देश के अनुपालन में नवागंतुक प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे नें स्थानीय कोतवाली का पदभार ग्रहण करनें के उपरान्त कहा कि अपराधी अपराध करना छोड़े या फिर कोतवाली क्षेत्र छोड़ कर चले जायें।

स्थानीय कोतवाली में पदभार ग्रहण करने के दौरान नवागंतुक प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुवे ने अधीनस्थों की बैठक लेकर कानून का पालन करने सहित दलालों से दूरी बनाने के निर्देश देते हुये कहा कि सभी जिम्मेदार उपनिरीक्षक पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य करें। कहा कि शासन की मंशानुसार कार्य करते हुये फरियादियों की समस्याएं सुनकर निस्तारण करनें का कार्य किया जायेगा। क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कार्य और किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी क्योंकि अब

कोतवाल आलोक कुमार दुवे का फाईल फोटो।

अपराधियों की सही जगह जेल में होगी। इससे पूर्व नागरिकों नें नवागंतुक प्रभारी निरीक्षक का फूल मालायें पहनाकर जोरदार स्वागत किया। कस्वा प्रभारी रोबिन सिंह, मझपुर्वा चौकी प्रभारी विनय शर्मा, जसोदा चौकी प्रभारी सुनील चौधरी, समधन चौकी प्रभारी राजेश प्रताप सिंह, रामाश्रम चौकी प्रभारी चन्द्रभान सिंह, अनौगी चौकी प्रभारी आशीष कुमार सिंह, नौरंगपुर चौकी प्रभारी नीरज शर्मा, बनियानी चौकी प्रभारी रावेन्द्र सिंह, सरायप्रयाग चौकी प्रभारी राहुल सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

बीएसए ने किया शिक्षक आलोक रचित पुस्तक काव्य पताका का विमोचन

पुखरायां। कानपुर देहात। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी रिद्धि पांडेय ने बुधवार को विकास खंड मलासा उच्च प्राथमिक विद्यालय सुखसौरा में कार्यरत शिक्षक आलोक श्रीवास्तव द्वारा रचित काव्य संग्रह पुस्तक काव्य पताका का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तक की रचनाओं को सराहा। साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी। विमोचन के दौरान शिक्षक एवं कवि आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि काव्य पताका पुस्तक में समाज को संदेश देती हुई विभिन्न विधाओं की कविताओं का समावेश किया गया है।

साहित्य में रुचि लेने वाले रचनाकारों के लिए यह पुस्तक एक वरदान साबित होगी। पुस्तक विमोचन के समय विशिष्ट अतिथियों के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सह जिला कार्यवाह रवि द्विवेदी एवं जिले में निपुण भारत अभियान के ध्वजवाहक एस.आर.जी. अनंत त्रिवेदी भी उपस्थित रहे। अध्यापक आलोक

काव्य पताका पुस्तक का विमोचन करती बीएसए व अन्य

श्रीवास्तव ने विगत कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार कर रहे हैं। इन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

आदर्श शिक्षक के रूप में इन्हें जिलास्तरीय शिक्षक दिवस पर 2014 व 2018 में सम्मानित किया जा चुका हैं। वहीं चतुर्थ आदर्श पाठ योजना प्रतियोगिता 2021 में राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। साथ ही पंचम राज्य स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता 2021 में भी पुरस्कृत हो चुके हैं। बेसिक शिक्षकों के लिए कवि मंच परवाज जिसके संरक्षक सहायक शिक्षा निदेशक अब्दुल मुबीन है, में भी उनकी कविता को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया था। सभी शिक्षक साथियों नें अलोक श्रीवास्तव के लेखन की सराहना करते हुए पुस्तक काव्य पताका के लिए शुभकामनाएं दीं।

धोखाधड़ी से ट्रक ले जाने का मुकदमा दर्ज

राठ। मुस्करा थाने में तैनात दरोगा संजय यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 2023 में राठ कोतवाली में तैनात था। 2023 को चौकी प्रभारी मंडी समिति उप निरीक्षक के पद पर नियुक्त था। 28 नवंबर 23 को समी अहमद कन्नौज अपने साथी के साथ कोतवाली में आए और कहां की एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का फाइनेंसर हूं। एक ट्रक वाहन स्वामी मुस्तकीम खान ने किस्त अदा नहीं की और ट्रक जब्त करने के लिए भेजा गया है। संजय यादव ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक के मौखिक आदेश अनुसार अपने हमराही अनुज कुमार के साथ सनी अहमद साथ में एक व्यक्ति के साथ मौके पर पहुंचा। समी अहमद ट्रक को जब्त करके अपने साथ ले गया। बताया कि उक्त वाहन स्वामी मुस्तकीम खान द्वारा बताया गया कि ट्रक का लोन भर दिया है। उसका ट्रक एचडीबी फाइनेंशियल सर्विस में जमा नहीं है और शमी अहमद नाम का कोई भी व्यक्ति सीजर के पद पर नहीं है।

क्विक न्यूज

युवक की ट्रेन में हालत बिगड़ने से मौत

फतेहपुर। दिल्ली से गया बिहार ट्रेन से जा रहे 48 वर्षीय युवक की ट्रेन में ही तबियत खराब हो जाने पर उसकी कुछ देर के बाद मौत हो गई। फतेहपुर स्टेशन में ट्रेन को रोक कर जीआरपी ने शव बरामद कर विच्छेदन गृह भेज दिया। बिहार प्रांत के जिला नवादा थाना गरदीगंज गांव राजौर निवासी ब्रम्हदेव का पुत्र नरेश प्रसाद दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता था। वह छुट्टी पर ट्रेन से घर आ रहा था। बोगी में ही उसकी हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर में मौत हो गई। बोगी में बैठे अन्य लोगों ने इसकी जानकारी टीटी को दी। वायरलेस के जरिए टीटी ने स्टेशन मास्टर को जानकारी दी। फतेहपुर स्टेशन में गाड़ी रोक कर शव को जीआरपी ने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

डीसीएम चालक के शव की शिनाख्त

फतेहपुर। मलवां थाने के कोराई मोड़ के समीप एनएच-2 में मंगलवार की सुबह अनियंत्रित डीसीएम ट्रक में घुस गई जिसमें चालक की मौत हो गई थी। आज उसकी पहचान पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के परिजनों ने तखत सिंह पुत्र अजब सिंह (74) निवासी बसरा थाना डाकुर जिला खेड़ा प्रांत गुजरात के रूप में करते हुए बताया कि मृतक की जेब में मिले आधार कार्ड के जरिए पुलिस ने उनके घर सूचना दी जिस पर पहुंचकर शव की पहचान की है। घायल ने बताया कि वह बिहार से डीसीएम से गुजरात जा रहा था तभी यह हादसा हुआ था।

कांस्टेबल की इलाज के दौरान मौत

फतेहपुर। काफी समय से बीमार चल रहे कांस्टेबल की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेजा है। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के अमाया लक्ष्मणपुर गांव निवासी स्व. बाबूराम का 45 वर्षीय पुत्र मोहनलाल वर्मा प्रयागराज के शिवपुर चौकी थाना कर्नलगंज में डायल-112 में तैनात था। 2016 में अचानक ब्रेन हेमरेज के बाद उन्हें पैरालाइज हो गया था। तब से उनका इलाज चल रहा था। कई साल जिंदगी और मौत से संघर्ष करते-करते देर शाम उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

युवक का खेत से शव बरामद

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर मौसी के यहां कार्यक्रम में आए 43 वर्षीय युवक का शव गांव के बाहर खेत से ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया है। जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के लमहेटा गांव निवासी लोकेंद्र पाल का पुत्र अजय सिंह उर्फरज्जन अपनी मौसी के यहां कल्यानपुर के रामपुर गांव गया था। बताते हैं कि आज सुबह उसका शव गांव के बाहर खेत से ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद करते हुए विच्छेदन गृह भेजा है। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के पिता लोकेंद्र पाल ने बताया कि वह अपनी मौसी के यहां गया था और शराब पीने के बाद पानी न मिलने के कारण उसकी मौत हो गई।

नहर किनारे मिला बीएससी के छात्र का शव

फतेहपुर। धाता थाना क्षेत्र के बम्हरौली गांव निवासी घनश्याम का पुत्र पवन प्रजापति मंगलवार की दोपहर घर में यह कहकर निकला कि वह नहर में नहाने जा रहा था काफी देर बीत जाने पर जब वह घर वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी लेकिन उसका कोई सुराग न लगा। देर शाम नहर किनारे से ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शव विच्छेदन गृह भेजा है। मृतक के पिता घनश्याम ने बताया कि वह घर से कहकर निकला था कि नहाने जा रहा है। उसकी मौत कैसे हुई इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

जलालपुर में भीषण गर्मी के चलते दो लोगों की मौत

पुखरायां। कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के जलालपुर गांव में भीषण गर्मी के चलते दो लोगों की मौत हो गई है। विकास खंड मलासा के जलालपुर निवासी वेद प्रकाश सचान ने बताया कि उसके पिता रंजीत सचान 1/4621/2 को अध्याधिक गर्मी के चलते चक्कर आने से मौत हो गई है। वहीं सतेन्द्र तिवारी ने बताया कि उसके भाई रमेश तिवारी लल्लू भी भीषण गर्मी चलते बीमार पड़ गए थे। सबेरे बुधवार की दोनों की मौत हो गई।

लू से बचाएंगे नगर निकायों के कूलिंग प्वाइंट

लखीमपुर खीरी। जिले में आमजन को गर्मी से बचाने के लिए नगर निकायों द्वारा कूलिंग प्वाइंटस् का निर्माण किया गया है। प्रचंड गर्मी (हीटवेव) से राहत के लिए डीएम के निर्देश पर सभी नगरीय क्षेत्रों में आम जनमानस के लिए प्याऊँए वाटर एटीएम अथवा टैंकर में माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है तथा गर्मी से राहत के उपाय किये जा रहे है। हीटवेव की निरन्तरता के कारण आमजनता को राहत प्रदान किए जाने के उद्देश्य से जिले के सभी नगर निकायों में के विभिन्न स्थानों पर कूलिंग प्वाइंटस् बनाये गए है। यहां पर पानीए कूलर और बैठने की व्यवस्था है।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे 13 साल नौकरी करने वाला बर्खास्त अध्यापक गिरफ्तार

फतेहपुर। बेसिक शिक्षा विभाग में फर्जी प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी पाने वाले बर्खास्त शिक्षक को एक साल बाद पुलिस गिरफ्तार कर सकी है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा है। ललौली थाना प्रभारी तारकेश्वर राय ने बताया कि बहुआ कस्बा राजनगर मोहल्ले निवासी साकेत तिवारी (34) को खुरमानगर के पास से गिरफ्तार किया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग में फर्जी दस्तावेज के आधार पर 15 सितंबर 2010 को सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्त हुआ था। एक शिकायत की जांच के बाद तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय कुमार कुशवाहा के आदेश पर एक फरवरी 2023 को साकेत की सेवा समाप्त कर दी गई थी। बर्खास्त होने के बाद तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी असोथर दीप्ति रिछारिया ने 12 सितंबर 2023 को ललौली थाने में साकेत के खिलाफ जालसाजी, कूटरचना, धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

एसडीएम की फटकार से रिटायर्ड संग्रह कर्मचारी ने फांसी लगा दी जान

खागा (फतेहपुर)। सरकारी व्यवस्था से परेशान होकर सेवानिवृत्त संग्रह चपरासी ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। स्वजन का आरोप था कि राजस्व व चकबंदी विभाग के अधिकारियों के व्यवहार से परेशान होकर खुदकुशी कर ली। घटना कोतवाली क्षेत्र के पाई गांव की है। क्षेत्र के पाई गांव निवासी 74 वर्षीय रविकरन सिंह उर्फ मक्खन, राजस्व विभाग में संग्रह चपरासी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। गांव के बाहर ही उन्होंने अपनी भूमिधरी के एक हिस्से में निजी गोशाला बना रखी थी। भूमिधरी में कुछ विवाद था, जिसका समाधान कराने के लिए वह बीते दो वर्षों से सही नाप-जोख की मांग कर रहे थे। प्रशासनिक अधिकारियों के दफ्तर में अक्सर चक्कर काटते रहते थे। 15 जून को आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में भी सेवानिवृत्त संग्रह चपरासी अपनी शिकायत लेकर गया था। जहां चकबंदी विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों पर उन्होंने मनमानी ढंग से चकों का वितरण किए जाने का आरोप लगाया था। संपूर्ण समाधान दिवस प्रभारी ने रिटायर्ड कर्मचारी की बातों को अनसुना कर दिया। आरोप है कि शिकायत सुन रहे अधिकारी ने उनके साथ अभद्रता की। इसी से परेशान होकर उन्होंने मंगलवार देर रात गोशाला में पड़े छप्पर में बांस की फंटी में ही गमछा के सहारे फांसी लगा ली। सुबह ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई तो भीड़ एकत्र हो गई। कोतवाली प्रभारी तेज बहादुर सिंह के साथ सीओ ब्रजमोहन राय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेना चाहा तो पारिवारिक लोगों ने विरोध करते हुए उन्हें मना कर दिया। दो बेटे बाहर रहते हैं, जिनका कहना था जब तक गांव नहीं पहुंच जाते हैं कोई कार्रवाई नहीं होगी। स्वजन का कहना था जिन अधिकारी, कर्मचारियों के कारण उनके घर में मुखिया को जान देना पड़ा, सभी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए।

किसानों की समस्याओं का समय से निस्तारण करें विभागाध्यक्षः जिलाधिकारी

किसान दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

फतेहपुर। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी सी. इंदुमती की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अधिशाषी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड प्रथम व तृतीय एवं सहायक अभियन्ता विद्युत भण्डार गृह के अनुपस्थित रहने पर डीएम ने स्पष्टीकरण प्राप्त किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के समक्ष कृषकों ने सामूहिक रूप से फसल बीमा का प्रीमियम बैंकों द्वारा बिना कृषक स्वीकृति के काटे जाने की शिकायत की एवं फसल बीमा कम्पनी द्वारा समय पर बीमा क्षतिपूर्ति का भुगतान न करने एवं उनके दावों को अकारण निरस्त किए जाने की शिकायत की जिस पर जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को कृषक एवं बैकर्स के साथ एक आवश्यक बैठक समय निर्धारित कर यथाशीघ्र आयोजित कराये जाने के निर्देश दिए एवं प्रकरण के निदान हेतु उप कृषि निदेशक को निर्देश दिए कि उनके स्तर से पत्र तैयार कर शासन को पत्र प्रेषित किया जाए ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सके। उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार ने बैठक का संचालन करते हुए पूर्व बैठक में कृषकों द्वारा की गई शिकायतों के अनुपालन के संबंध में कृषकों को अवगत कराया एवं शासन की लाभार्थीपरक योजनाओं यथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत ऐसे कृषक जो इस योजना के लाभ से वंचित है उन्हें अपना आधार सीडिंग, ईकेवाईसी, एनपीसीआई एवं भूलेख अंकन का कार्य यथाशीघ्र कराकर योजना का लाभ प्राप्त किए जाने हेतु जानकारी उपलब्ध करायी। जिला उद्यान अधिकारी ने भी विभिन्न जानकारी दी। नासिरपीर के चन्द्रपाल ने राजकीय कृषि बीज भंडार हसवा से बीज क्रय किये जाने के उपरान्त पीओएस मशीन के माध्यम से अनुदान न मिलने की समस्या की शिकायत की। साल्हेपुर ब्लाक अमौली निवासी प्रहलाद सिंह ने सोलर पम्प अनुदान पर न मिलने की शिकायत की। डीएम ने उक्त प्रकरणों का संज्ञान लेकर त्वरित निराकरण किये जाने हेतु उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया। अन्य किसानों ने भी क्षेत्र की समस्याओं से डीएम को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों पर कृषकों द्वारा लगातार शिकायतें किसान दिवस में प्राप्त हो रही है उनका त्वरित संज्ञान लेकर गुणवत्तापरक निराकरण कराये जाने के निर्देश दिए। अन्त में मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना ने उपस्थित समस्त अधिकारियों व कृषकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक को समाप्त किया।

ट्रेनो एव रेल यात्रियों की सुरक्षा-संरक्षा के लिए ट्रैक क्रॉसिंग की पॉइंटो का बारीकी से किया निरीक्षण

फर्रुखाबाद। पूर्वोत्तर रेलव इज्जतनगर मंडल रेल प्रबंधक सुश्री रेखा यादव की मौजूदगी में फर्रुखाबाद -कासगंज रेलखंड मे आज सायंकाल ट्रेनो एव रेल यात्रियों की सुरक्षा -संरक्षा के मद्देनजर ट्रैक क्रासिंग की पॉइंटो का बारीकी से निरीक्षण किया गया।रेल सूत्रों के अनुसार पूर्वोत्तर रेलवे इंज्जतनगर मंडल रेल प्रबंधक सुश्री रेखा यादव एक स्पेशल निरीक्षण यान से अपने अधीनस्थ रेल अधिकारियों के साथ कासगंज से फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पर आज सायकाल करीब 6रू45 प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची।सूत्रों का अनुमान है कि संभवतया पश्चिम बंगाल में ट्रेन हादसे के दृष्टिगत ट्रेनों एवं रेल यात्रियों सुरक्षा -संरक्षा को लेकर पूर्वोत्तर रेलवे इंज्जतनगर मंडल की सीनियर डी एस ओ सुश्री नीतू नेआज फर्रुखाबाद जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 के ट्रैक क्रॉसिंग की पॉइंट 212ए की बारीकी से नाप जोख करा करके निरीक्षण किया

गया और अपने अधीनस्थों को सुरक्षा -सरक्षा कै आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक सुश्री रेखा यादव निरीक्षण यान के अंदर ही मौजूद रही। इसके बाद स्पेशल निरीक्षण यान इज्जतनगर मंडल से आए रेलअधिकारियों के साथ फर्रुखाबाद जंक्शन से सायं करीब 6रू59 बजे कासगंज के लिए ट्रैक एवं स्टेशनों का विन्डो निरीक्षण करते हुए रवाना हो गया। इस अवसर पर स्टेशन अधीक्षक योगेंद्र कुमार शाक्य, रेल के स्थानीय अधिकारी कर्मचारी के अलावा आरपीएफ जीआरपी स्टाफ मौजूद रहा।

कांग्रेसियों ने केक काटकर मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

संवाददाता। फतेहपुर

ज्वालागंज बस स्टाप स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष बीरेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में जिले व शहर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने एकजुट होकर अपने नेता जननायक राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। केक काटकर राहुल गांधी के दीर्घायु होने की कामना की तत्पश्चात मिष्ठान वितरण किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिस प्रकार राहुल गांधी ने लोकतंत्र विरोधी ताकतों के खिलाफ मोर्चा खोलकर भाजपा की प्रत्येक जन विरोधी नीतियों का संसद के बीच करारा जवाब देते हुए उनका विरोध किया एवं पूरे देश का भ्रमण कर जनता के दुख दर्द को समझा वह अपने आप में एक मिसाल है। साथ ही सत्तापक्ष द्वारा दी गई तमाम प्रताड़ना का हिम्मत के साथ डट कर मुकाबला किया वह भी हम सबके लिए प्रेरणा

का विषय है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधाकर अवस्थी ने कहा कि राहुल गांधी जी के साहस और परिश्रम का परीणाम है कि आज हम एक मजबूत विपक्ष के रूप में संसद में स्थापित हैं एवं हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में संगठन प्रभारी राजन तिवारी, चौ. मोइन राइन, प्रवक्ता डीपी दुबे, शेख एजाज अहमद, बृजेश मिश्रा, माधुरी रावत, जब्बर सिंह, पुत्तन मिश्रा, विवेक मिश्रा, बच्चा बाजपेई, युवक कांग्रेस अध्यक्ष निखित द्विवेदी, जेपी पासवान, मो. इशरत खान, अखंड प्रताप सिंह, भगवान दास गुप्ता, बृजेंद्र मौर्या, गगन प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

किसान दिवसः डीएम ने नलकूप महकमे को लगाई फटकार

कहा जल्द सुनिश्चित कराए बंद नलकूपों की क्रियाशीलता

किसानों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण होः जिलाधिकारी

लखीमपुर खीरी। किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में ष्किसान दिवसष् आयोजित हुआ। इस दौरान किसानों ने अधिकारियों के सामने नलकूप खराबी होने की बात रखीए जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए नलकूप महकमें के अधिकारियों को फटकार लगाई और प्रत्येक दशा में नलकूपों की क्रियाशीलता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि किसानों की समस्याओं का निदान शासन की

सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों के हितों को संरक्षित करने के लिए शासन.प्रशासन करते संकल्पित होकर काम कर रहा। इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानपरक योजनाओं के जरिए उन्हें समृद्ध बनाने के लिए नित नए कदम उठा रही है।

डीएम ने मौजूद किसानों की न केवल समस्याएं सुनी बल्कि निराकरण के संबंध में मौजूद अफसरों को निर्देश दिए। अधिकारी अपने स्तर से किसानों की जिन समस्याओं का समाधान न कर सकेए उसके बारे में अवगत कराएं ताकि उनका समाधान उचित फोरम पर कराया जा सके। किसान दिवस किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए एक बेहतर मंच प्रदान करता है। इस दिवस पर किसान अपनी समस्याओं को न केवल निस्तारण करा सकते हैं बल्कि विशेषज्ञों से अपनी सभी जिज्ञासाओं को भी शांत कर सकते हैं।

डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्रा ने किसान दिवस का संचालन किया गया। बैठक में जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी, डीसीओ वेद प्रकाश सिंह, पीपीओ सत्येन्द्र सिंह, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, डीएचओ मृत्युंजय सिंह, अध्यक्ष/ वरिष्ठ वैज्ञानिक केवीके डा. आरके सिंह, कृषि वैज्ञानिक डा. जियालाल , आरसीएस अन्य अधिकारी एवं कृषक उपस्थित रहें।

धनखड़ ने सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए चौतरफा प्रयास करने का आह्वान किया

भाषा। डिंडोरी (मप्र)

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को सभी से सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। विश्व सिकल सेल दिवस पर मध्यप्रदेश के डिंडोरी शहर में एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, वर्ष 2047 तक देश विकसित हो जाएगा और विकसित देश की पहचान होगी सिकल सेल बीमारी का पूर्ण उन्मूलन। प्रधानमंत्री ने 2023 में पड़ोसी जिले शहडोल से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की है। धनखड़ ने कहा, हवन (प्रयास) शुरू हो चुका है और सभी को इसमें आहुति देनी है। सिकल-सेल एनीमिया हीमोग्लोबिन एस नामक एक दोषपूर्ण जीन के कारण होता है, जिसके कारण लचीली लाल रक्त कोशिकाएं कठोर सिकल के आकार की कोशिकाएं बन जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है और अंग क्षति का खतरा बढ़ जाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रीयता की मैराथन यात्रा चल रही है और हर कोई साथ है। कोई भी भारत के विकास को रोक नहीं पाएगा लेकिन यह तभी पूरा होगा जब 2047 तक देश से सिकल सेल रोग का उन्मूलन हो जाएगा और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सभी के लिए गर्व की बात है कि पहली बार एक आदिवासी महिला, द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनीं और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, भारत के इतिहास में वह दिन स्वर्ण अक्षरों में लिख गया जिस दिन भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मु जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ दिलाई। धनखड़ ने यह भी कहा कि जब वे 1989 में सांसद बने तब देश की अर्थव्यवस्था लंदन और पेरिस शहरों से भी छोटी थी और देश का सोना स्विट्जरलैंड के दो बैंकों में गिरवी रखा हुआ था। उन्होंने कहा, लेकिन आज हम कहां पहुंच गए हैं। हमने ब्राजील, कनाडा, इंग्लैंड और फ्रांस जैसे देशों को (अर्थव्यवस्था के मामले में) पीछे छोड़ दिया है और अब हम जर्मनी और जापान से भी आगे निकल जाएंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के राज्य में धार्मिक और अन्य स्थलों पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने जैसे साहसिक फैसले के लिए उनकी प्रशंसा की। धनखड़ ने कहा, पहली बैठक में ही मुख्यमंत्री निर्णय लेते हैं कि कहां लाउडस्पीकर बजेंगे और कहां नहीं। ऐसे मुख्यमंत्री के बारे में कोई क्या कह सकता है? यह बहुत प्रभावी फैसला था। उपराष्ट्रपति ने आदिवासियों के विकास की दिशा में कदम उठाने और मुख्यमंत्री द्वारा अपनी सरकार की मंत्रिपरिषद की पहली बैठक रानी दुर्गावती की भूमि जबलपुर में आयोजित करने के लिए भी उनकी (मोहन यादव की) प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती ने कई राजाओं को हराया और वह अपनी वीरता के लिए याद की जाती हैं।

हिजाब पर रोक ड्रेस कोड का हिस्सा, मुसलमानों के खिलाफ नहीं

मुंबई कॉलेज ने अदालत से कहा:

मुंबई (भाषा)। मुंबई के एक महाविद्यालय ने बुधवार को बम्बई उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी कि उसके परिसर में हिजाब, नकाब और बुर्का पर प्रतिबंध केवल एक समान ड्रेस कोड लागू करने के लिए है और इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाना नहीं है। पिछले सप्ताह नौ छात्राओं ने चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एन. जी. आचार्य और डी. के. मराठे कॉलेज द्वारा जारी उस निर्देश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसमें हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी और किसी भी तरह के बैज पर प्रतिबंध लगाने वाले ड्रेस कोड को लागू किया गया था। याचिकाकर्ताओं- द्वितीय और तृतीय वर्ष की विज्ञान डिग्री की छात्राओं ने कहा कि यह नियम उनके धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार, निजता के अधिकार और पसंद के अधिकार का उल्लंघन करता है।

उन्होंने दावा किया कि कॉलेज की कार्रवाई मनमाना, अनुचित, कानून के अनुसार गलत और विकृत थी। न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की खंडपीठ ने बुधवार को याचिकाकर्ताओं के वकील से पूछा कि कौन सा धार्मिक प्राधिकरण कहता है कि हिजाब पहनना इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा है। अदालत ने कॉलेज प्रबंधन से भी पूछा कि क्या उसके पास इस तरह का प्रतिबंध लगाने का अधिकार है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा कि वह 26 जून को आदेश पारित करेगी। याचिकाकर्ताओं के वकील अल्ताफ खान ने अपनी दलीलों के समर्थन में कुरान की कुछ आयतों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि अपने धर्म का पालन करने के अधिकार के अलावा याचिकाकर्ता अपनी पसंद और निजता के अधिकार पर भी भरोसा कर रहे हैं। कॉलेज की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अनिल अंतुरकर ने कहा कि ड्रेस कोड हर धर्म और जाति के छात्रों के लिए है। उन्होंने दलील दी, यह केवल मुसलमानों के खिलाफ आदेश नहीं है। ड्रेस कोड प्रतिबंध सभी धर्मों के लिए है। ऐसा इसलिए है, ताकि छात्रों को अपने धर्म का खुलासा करते हुए खुलेआम घूमने की जरूरत न पड़े। लोग कॉलेज में पढ़ने आते हैं। छात्रों को ऐसा करने दें और केवल उसी पर ध्यान दें और बाकी सब कुछ बाहर छोड़ दें। वकील अंतुरकर ने दलील कि हिजाब, नकाब या बुर्का पहनना इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा या प्रथा नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अगर कल कोई छात्रा पूरे भगवा वस्त्र पहनकर आती है, तो कॉलेज उसका भी विरोध करेगा। किसी के धर्म या जाति का खुलेआम प्रदर्शन करना क्यों जरूरी है? क्या कोई ब्राह्मण अपने पवित्र धागे (जनेऊ) को अपने कपड़ों के ऊपर से पहनकर घूमेगा? वकील ने दलील दी कि कॉलेज प्रबंधन एक कमरा उपलब्ध करा रहा है, जहां छात्राएं कक्षाओं में जाने से पहले अपने हिजाब उतार सकती हैं। दूसरी ओर, वकील खान ने दलील दी कि अब तक याचिकाकर्ता और कई अन्य छात्राएं हिजाब, नकाब और बुर्का पहनकर कक्षाओं में आती थीं और यह कोई मुद्दा नहीं था। उन्होंने पूछा, अब अचानक क्या हो गया? यह प्रतिबंध अभी क्यों लगाया गया? ड्रेस कोड निर्देश में कहा गया है कि शालीन कपड़े पहनें। तो क्या कॉलेज प्रबंधन यह कह रहा है कि हिजाब, नकाब और बुर्का अभद्र कपड़े या अंग प्रदर्शन करने वाले कपड़े हैं? याचिका में कहा गया है कि अदालत का दरवाजा खटखटाने से पहले उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और कुलपति तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से संपर्क कर बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को शिक्षा प्रदान करने की भावना को बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की थी, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला।

भारतीय विज्ञान संस्थान ने पाई को दर्शाने का नया तरीका ढूंढा

बेंगलुरु। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के भौतिकविदों ने अपरिमेय संख्या पाई के निरूपण के लिए एक नई श्रृंखला का पता लगाया है। बेंगलुरु स्थित संस्थान ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, यह उच्च-ऊर्जा कणों के क्वांटम प्रकीर्णन जैसी प्रक्रियाओं को समझने में शामिल गणनाओं से पाई निकालने का एक आसान तरीका प्रदान करता है।नया सूत्र 15वीं सदी में, भारतीय गणितज्ञ संगमग्राम माधव द्वारा सुझाए गए विचार के बहुत निकट है, जो पाई के लिए इतिहास में दर्ज की गई पहली श्रृंखला थी। बयान में कहा गया है कि यह अध्ययन शोधार्थी अर्नब साहा और सेंटर फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स (सीएचईपी) के प्रोफेसर अनिंदा सिन्हा द्वारा किया गया था। यह अध्ययन पत्रिष्ठित पत्रिका फिजिकल रिव्यू लेटर्स में प्रकाशित हुआ है। बयान के अनुसार, हालांकि इस स्तर पर मिला निष्कर्ष सैद्धांतिक हैं, लेकिन संभव है कि वे भविष्य में व्यावहारिक अनुप्रयोगों की ओर ले जाएं।सिन्हा ने कहा कि पॉल डिरक ने 1928 में इलेक्ट्रॉनों की गति और अस्तित्व की दिशा में काम किया, लेकिन उन्होंने कभी यह नहीं सोचा था कि उनके निष्कर्ष बाद में पॉजिट्रॉन की खोज और फिर पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी के लिए सुराग प्रदान करेंगे, जिसका उपयोग रोगों से ग्रसित होने पर शरीर के अंगों को स्कैन करने के लिए किया जाता है। सिन्हा ने कहा, शुरू में, हमारा प्रयास पाई को देखने का तरीका खोजने का नहीं था। हम केवल क्वांटम सिद्धांत में उच्च-ऊर्जा भौतिकी का अध्ययन कर रहे थे और कणों के परस्पर क्रिया के तरीके को समझने के लिए कम और अधिक सटीक मापदंडों के साथ एक मॉडल विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। जब हमें पाई को देखने का एक नया तरीका मिला, तो हम काफी उत्साहित थे।

अलीगढ़ में पिटाई से युवक की मौत

अलीगढ़ (भाषा) अलीगढ़ शहर में भीड़ द्वारा कथित तौर पर मारपीट किए जाने के बाद एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने बुधवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि घटना मंगलवार रात पुराने शहर के मामू-भांजा मोहल्ले की है और मृतक की पहचान फरीद (35) के रूप में हुई है, जो कि एक ढाबे पर काम करता था।

पुलिस अधीक्षक (शहर) एम. शेखर पाठक ने बताया कि मृतक के परिवार की शिकायत के अनुसार फरीद देर रात जब ढाबे से घर लौट रहा था तो रास्ते में भीड़ ने उसे घेर लिया और बुरी तरह पीटा। उन्होंने बताया कि मारपीट करने वाले लोगों का आरोप था कि फरीद चोरी करने के लिए एक घर में घुसने का प्रयास कर रहा था।पाठक ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने फरीद को मलखान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई।उन्होंने बताया कि युवक की मौत की खबर फैलते ही अस्पताल में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गई और हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पाठक ने बताया कि इस मामले में अंकित वार्ष्णेय, चिराग वार्ष्णेय, जय गोपाल, कमल बंसल, राहुल मित्तल और डिम्पी अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तारियां की गई हैं और कुछ अन्य अज्ञात लोगों पर भी मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग रेलवे रोड के पास पुराने शहर में कुछ स्थानों पर जमा हो गए और इलाके में कुछ दुकानें बंद रहीं।

उत्तराखंड में बारिश, गर्मी से बेहाल लोगों को मिली राहत

देहरादून। देहरादून सहित उत्तराखंड के अनेक स्थानों पर बुधवार को बारिश हुई जिससे लंबे समय से प्रचंड गर्मी का कहर झेल रहे लोगों को काफी राहत मिली।देहरादून में दिन के समय अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया था लेकिन दोपहर बाद चली तेज हवा और बारिश के बाद इसमें जबरदस्त गिरावट आई। यहां मौसम केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार बारिश के कारण मैदानी क्षेत्रों में दो से चार डिग्री तथा पहाड़ी क्षेत्रों में चार से छह डिग्री सेल्सियस तक तापमान गिरा है। इसके अनुसार, देहरादून में बृहस्पतिवार को भी तापमान 38 से 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है जबकि देहरादून, टिहरी और पिथौरागढ़ सहित गढ़वाल और कुमांउ दोनों क्षेत्रों में बारिश के जारी रहने के आसार हैं।

यूपी के दो लड़के राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे खटाखट-खटाखट : राहुल गांधी

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को जन्मदिन की बधाई देने के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को धन्यवाद दिया और कहा कि यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान खटाखट खटाखट बनाएंगे। राहुल गांधी बुधवार को 54 साल के हो गए और इस मौके पर कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई घटक दलों के नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यादव के पोस्ट को फिर से साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद अखिलेश यादव जी। यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे - खटाखट खटाखट।

भाजपा ने माकपा पर कन्नूर में शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया

तिरुवनंतपुरम, (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील कन्नूर जिले में एक बम धमाके में 86 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो जाने के बाद, केरल में सत्तारूढ़ दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर बुधवार को निशाना साधा और संदेह जताया कि माकपा नेतृत्व क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल को जानबूझकर बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को जिले में थलस्सेरी के समीप 86 वर्षीय वेलायुधन एक वीरान स्थान से नारियल लाने गए थे और जब उन्होंने वहां पड़े एक बम को उठाकर खोलने का प्रयास किया तब उसमें धमाका हो गया और उनकी जान चली गई। भाजपा ने आरोप लगाया कि हालिया लोकसभा चुनाव में माकपा को झटका लगने से वाम दल में जो संकट उत्पन्न हुआ है, उससे उबरने के लिए वह तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कहा कि जिस स्थान पर बम धमाका हुआ है, वहां कई असामाजिक गतिविधियां होने की खबर है तथा वाम दल का नेतृत्व इन बातों से वाकिफ है। बुजुर्ग की मौत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि धमाका उसी जगह पर हुआ जहां माक पदार्थ का अवैध व्यापार एवं अन्य अवैध गतिविधियां होती थीं। उन्होंने बताया कि माकपा के नेताओं को भलीभांति मालूम है कि वहां बम बनाए जाते हैं। सुरेंद्रन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, चुनाव के समय कन्नूर में एक बम धमाके में एक बुजुर्ग की मौत तथा पनूर में एक माकपा कार्यकर्ता की हत्या की गहन जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बम धमाके जैसी घटनाएं इस संदेह को बल देती हैं कि माकपा नेतृत्व कन्नूर के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है। कन्नूर जिले में एक पुलिस अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि प्राथमिक जांच के अनुसार ऐसा लगता है कि यह देशी बम था।

अमेरिकी कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल दलाई लामा से मिला, कहा

तिब्बतियों को आत्मनिर्णय का अधिकार

भाषा। धर्मशाला

अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने बुधवार को कहा कि तिब्बती लोगों को आत्मनिर्णय का अधिकार है और उन्हें अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने की अनुमति देनी चाहिए। मैककॉल के नेतृत्व में अमेरिकी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा से मिला। अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की पूर्व अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी भी शामिल थीं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा अमेरिका द्वारा तिब्बत की स्थिति के शांतिपूर्ण समाधान के आह्वान वाले तिब्बत (विवाद) समाधान विधेयक पारित होने के कुछ दिनों बाद हुई है। चीन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इस विधेयक पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बनाते हैं तो वह दृढ़ कदम उठाएगा।

अमेरिकी कांग्रेस के सात सदस्यों के दलाई लामा से मुलाकात के बाद आयोजित सम्मान समारोह में मैककॉल ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की चेतावनी को खारिज कर दिया है। मैककॉल ने कहा, तिब्बती लोगों का एक अलग धर्म, संस्कृति और ऐतिहासिक पहचान है तथा उन्हें अपने भविष्य के बारे में अपनी राय रखने का अधिकार होना चाहिए। आपको अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने में सक्षम होना चाहिए और यही कारण है कि हम आज सीसीपी की चेतावनी की अवहेलना करते हुए यहां आए हैं। उन्होंने कहा, हमारे प्रतिनिधिमंडल को सीसीपी से एक पत्र मिला, जिसमें हमें यहां न आने की चेतावनी दी गई थी। उन्होंने अपना झूठा दावा दोहराया कि तिब्बत 13वीं शताब्दी से चीन का हिस्सा है, लेकिन सीसीपी की चेतावनियों से प्रभावित हुए बिना हम आज यहां हैं। उन्होंने कहा कि दलाई लामा, तिब्बत के लोग और अमेरिका, सभी जानते हैं कि तिब्बत, चीन का हिस्सा कतई नहीं है। दलाई लामा से मिलने और चर्चा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की पूर्व अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी और सांसद मैरिएनेट मिलर, ग्रेगरी मीक्स, निकोल मैलियोटाकिस, जिम मैकगवर्न और एमी बेरा भी शामिल थे। इस मौके पर दलाई लामा ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से कहा कि वह चाहते हैं कि दुनिया के लोग खुशहाल और शांतिपूर्ण तरीके से रहें। एक वीडियो क्लिप में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, हम सभी एक जैसे इंसान हैं, हम सभी के अधिकार एक जैसे हैं और यह दुनिया मानवता की है। हमें धर्म और परंपरा से परे दुनिया का ख्याल रखना चाहिए। मैककॉल ने कहा कि यही कारण है कि हम आज चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की अवहेलना करते हुए यहां पहुंचे हैं।

उन्होंने धर्मशाला स्थित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) द्वारा आयोजित एक समारोह में कहा कि सीसीपी द्वारा हिंसा किए जाने और दलाई लामा को घर से जबरन निकाले जाने के बावजूद वह (तिब्बती धर्मगुरु) सहिष्णुता, शांति और क्षमा का उपदेश देना जारी रखे हुए हैं। मैककॉल ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में लोग स्वतंत्र होते हैं, जबकि वे (तिब्बती) निरंकुश शासन के तहत गुलाम हैं। मैककॉल ने कहा कि इस यात्रा का समय इससे बेहतर नहीं हो सकता, क्योंकि पिछले सप्ताह प्रतिनिधि सभा और अमेरिकी कांग्रेस ने तिब्बत (विवाद) समाधान विधेयक पारित किया था, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि तिब्बत की अपनी अनूठी संस्कृति, भाषा और धर्म है तथा उसे आत्मनिर्णय का अधिकार है।

पेज 1 का शेष

घातक हुई...

पिछले महीने, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने घोषणा की थी कि दिल्ली सरकार द्वारा संचालित अस्पताल हीटस्ट्रोक रोगियों के लिए दो-दो बिस्तर आरक्षित करेंगे, जबकि एलएनजेपी अस्पताल में पांच बिस्तर आरक्षित होंगे। भारद्वाज ने बुधवार को हीट स्ट्रोक के मरीजों को लेकर विभिन्न अस्पतालों के प्रमुखों के साथ एक आपात बैठक भी की। यह देखते हुए कि बेघर लोग लंबे समय तक चिलचिलाती धूप के सीधे संपर्क में रहते हैं, उन्होंने दिल्ली पुलिस के बीट अधिकारियों और गश्ती टीमों से खुले आसमान के नीचे पड़े बेघर लोगों को आश्रय घरों में स्थानांतरित करने में मदद करने के लिए कहा है। उन्होंने अस्पतालों को गर्मी से संबंधित बीमारियों के मरीजों के लिए बिस्तर बढ़ाने का निर्देश देते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को सूचित किया जाएगा कि वे अपनी गश्ती टीमों से कहें कि यदि उनकी टीम के पास कोई बेसहारा व्यक्ति तेज बुखार या बीमार है तो वे एम्बुलेंस को बुलाएं। उन्होंने कहा, ताजा सलाह रेडियो और अखबारों में विज्ञापित की जाएगी। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में अगले 24 से 48 घंटों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण लगातार पड़ रही गर्मी से अंतरिम राहत मिल सकती है।

मानसून की गति...

पूरे देश में जून की औसत बारिश सामान्य से कम, यानी लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत से कम होने की संभावना है। मार्च के बाद से भारत के कुछ हिस्सों में तूफानी मौसम की रिपोर्ट के बीच, 30 मई को केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आने के बाद से देश में 20 प्रतिशत कम बारिश हुई है। मानसून के 12 से 18 जून के बीच कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं की है। हालांकि, अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश, उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी, बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अब अनुकूल हैं। इसमें कहा गया है, भारत में 1 से 18 जून के बीच 64.5 मिमी बारिश हुई जो लंबी अवधि के औसत (एलपीए) 80.6 मिमी से 20 प्रतिशत कम है। 1 जून से, उत्तर पश्चिम भारत में 10.2 मिमी (सामान्य से 70 प्रतिशत कम), मध्य भारत में 50.5 मिमी (सामान्य से 31 प्रतिशत कम), दक्षिण प्रायद्वीप में 106.6 मिमी (सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक), और पूर्व में बारिश दर्ज की गई है और पूर्वोत्तर भारत में 146.7 मिमी (सामान्य से 15 प्रतिशत कम)। इस बीच, दक्षिणी प्रायद्वीप के अधिकांश क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से सामान्य से अधिक वर्षा होने की उम्मीद है, जबकि उत्तर-पश्चिम और निकटवर्ती मध्य भारत के कई क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है। जैसे-जैसे उत्तर और पूर्वी भारत गंभीर गर्मी की लहरों से जूझ रहे हैं, अन्य क्षेत्र विपरीत मौसम की स्थिति के लिए तैयार हैं, जहां अगले कुछ दिनों में बहुत भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होगी। पश्चिम हिमालय और सिक्किम में अगले 5 दिनों में भारी वर्षा होने की संभावना है जिससे संवेदनशील क्षेत्रों में संभावित बाढ़ और भूस्खलन हो सकता है। इसी तरह, असम और मेघालय में भी 19 जून से 21 जून के बीच और अरुणाचल प्रदेश में 20 जून तक भारी वर्षा होगी।

14 खरीफ...

एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने की घोषणा की गई है अपेक्षित है किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर मार्जिन बाजरा (77 प्रतिशत) के मामले में सबसे अधिक होने का अनुमान है, इसके बाद तुअर (59 प्रतिशत), मक्का (54 प्रतिशत) और उड़द (52 प्रतिशत) का स्थान आता है। बाकी फसलों के लिए, किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर मार्जिन 50 प्रतिशत होने का अनुमान है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने 2018 के केंद्रीय बजट में एक स्पष्ट नीतिगत निर्णय लिया था कि एमएसपी उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना होना चाहिए और नवीनतम एमएसपी वृद्धि में इस सिद्धांत का पालन किया गया था। उन्होंने कहा कि लागत की गणना सीएसीपी द्वारा वैज्ञानिक रूप से की गई थी। भारतीय खाद्य निगम के पास वर्तमान में लगभग 53.4 मिलियन टन चावल का रिकॉर्ड भंडार है, जो 1 जुलाई के लिए आवश्यक बफर का चार गुना है और बिना किसी नई खरीद के एक वर्ष के लिए कल्याणकारी योजनाओं के तहत मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। किसानों के विरोध प्रदर्शन के लिए एमएसपी एक प्रमुख मुद्दा था जिसने लोकसभा चुनावों में पंजाब, पश्चिमी यूपी और हरियाणा की सीटों पर असर डाला। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) वह न्यूनतम दर है जिस पर सरकारी खरीद एजेंसियां किसानों से फसल खरीदती हैं। यह किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है, स्थिरता और आय सुरक्षा प्रदान करता है। किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए एमएसपी महत्वपूर्ण है और इसे कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा उत्पादन लागत, बाजार के रुझान और मांग-आपूर्ति की गतिशीलता जैसे कारकों पर विचार करते हुए निर्धारित किया जाता है। सीएसीपी द्वारा अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के बाद, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) एमएसपी स्तरों पर अंतिम निर्णय लेती है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून को मानसून सीजन की शुरुआत के बाद से देश भर में लगभग 20 प्रतिशत कम बारिश के बावजूद, मौसम की स्थिति अब बारिश को आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल है। 2023-24 के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 3288.6 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) होने का अनुमान है, और तिलहन उत्पादन 395.9 एलएमटी को छू रहा है। 2023-24 के दौरान, चावल, दालें, तिलहन और पोषक अनाज/श्री अन्ना और कपास का खरीफ उत्पादन क्रमश: 1143.7 एलएमटी, 68.6 एलएमटी, 241.2 एलएमटी, 130.3 एलएमटी और 325.2 लाख गांठ होने का अनुमान है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 2,869.65 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

केजरीवाल....

करेंगे तब उन्हें अंतरिम जमानत दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि भी नहीं है। ईडी ने यह कहते हुए विरोध किया कि बस इतनी काफी नहीं है कि आपकी कोई पृष्ठभूमि नहीं है।

आंध्र में...

उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अड्यार यातायात जांच शाखा पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर माधुरी को गिरफ्तार कर लिया और बाद में थाने से जमानत पर छोड़ दिया गया।

भारत तथा कनाडा के...

सबसे आगे है और इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उसने कहा, 23 जून 2024 को एअर इंडिया की फ्लाइट संख्या 182 (कनिष्क) पर हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की 39वीं बरसी है, जिसमें 86 बच्चों सहित 329 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। यह नागरिक उड्डयन के इतिहास में सबसे जघन्य आतंकवाद-संबंधी हवाई दुर्घटनाओं में से एक थी। यह स्मृति कार्यक्रम 23 जून को वैंकूवर में स्टेनली पार्क के केपरले खेल मैदान में एअर इंडिया मेमोरियल में आयोजित किया जाएगा। वाणिज्य दूतावास ने भारतीय समुदाय के सदस्यों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने के वास्ते इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

मोदी की...

यह व्यक्ति कई बार आतंकवादियों को शरण देने में शामिल रह चुका है। उक्त व्यक्ति ने आतंकवादियों को भोजन और आश्रय प्रदान करने के साथ-साथ एक मार्गदर्शक के रूप में भी काम किया और उन्हें घटना स्थल तक पहुंचने में मदद की। यह एक प्रमुख आतंकवादी सहयोगी है जिसने हमले को अंजाम देने में आतंकवादियों की मदद की थी। मामले की आगे की पूछताछ और जांच जारी है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 20 जून को शाम लगभग 6 बजे श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेएंडके कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री ने नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया

● कहा, सरकार आधुनिक, अनुसंधान उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली की दिशा मे काम कर रही है

भाषा। राजगीर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केन्द्र सरकार आधुनिक, अनुसंधान उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली की दिशा में काम कर रही है और उनका मिशन है कि भारत की पहचान फिर से दुनिया के सबसे प्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में बने। मोदी ने यहां नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन करते हुए छात्रों से हमेशा जिज्ञासु और साहसी बने रहने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने प्राचीन नालंदा विहार के परिसर का भ्रमण करने और उसके अवशेषों का अवलोकन करने के बाद नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। नालंदा उस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। नालंदा के विध्वंस ने भारत को अंधकार से भर दिया था। अब इसकी पुनर्स्थापना, भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत करने जा रही है। जब शिक्षा का विकास होता है तो अर्थव्यवस्था और संस्कृति की जड़ें भी मजबूत होती हैं। हम विकसित देशों को देखें तो पाएंगे कि वे अर्थ, सांस्कृतिक लीडर तब बने जब एजुकेशनल लीडर हुए।

मोदी ने कहा, आज दुनिया भर के छात्र उन देशों में जाकर पढ़ना चाहते हैं। कभी ऐसी स्थिति हमारे यहां नालंदा और विक्रमशिला जैसे स्थानों में हुआ करती थी। इसलिए यह केवल सहयोग नहीं है कि जब भारत शिक्षा में आगे था तब उसकी आर्थिक सामर्थ्य भी नई उंचाई पर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह किसी भी राज्य के विकास के लिए बुनियादी रोड मैप है, इसलिए 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा भारत, शिक्षा के क्षेत्र का कायाकल्प कर रहा है। उन्होंने कहा, मेरा मिशन है कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा और ज्ञान का केंद्र बने। इसके लिए भारत आज बहुत कम उम्र से ही अपने छात्रों को नई खोज की भावना से जोड़ रहा है। आज एक तरफ एक करोड़ से ज्यादा बच्चों को अटल टिंकरिंग लैब में आधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ मिल रहा है वहीं दूसरी ओर चंद्रयान और गगनयान जैसे मिशन छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नई खोज को बढ़ावा देने के लिए भारत ने एक दशक पहले स्टार्टअप इंडिया मिशन की शुरुआत की थी और देश में एक समय कुछ ही स्टार्टअप थे, लेकिन आज भारत में 1,30,000 से ज्यादा स्टार्टअप हैं। उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में आज भारत से रिकॉर्ड संख्या में पेटेंट फाइल किए जा रहे हैं और शोध पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारा जोर अपने युवा खोजकर्ताओं को शोध के लिए ज्यादा से ज्यादा मौके देने का है। इसके लिए सरकार ने एक लाख करोड रुपए का शोध फंड बनाने की घोषणा की है।

मोदी ने कहा, हमारा प्रयास है कि भारत में दुनिया की सबसे व्यापक और पूर्ण कौशल प्रणाली तथा सबसे उन्नत अनुसंधान उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली हो... इन प्रयासों के नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में भारतीय विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग में सुधार हो रहा है और 10 साल पहले क्यूएस रैंकिंग में भारत के सिर्फ नौ शिक्षा संस्थान थे जबकि आज इनकी संख्या बढ़कर 46 हो गई है। उन्होंने खुशी जताई कि उन्हें तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण करने के बाद पहले 10 दिन में ही नालंदा आने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, नालंदा केवल नाम नहीं, एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य, गौरव और गाथा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले दस साल में औसतन भारत में हर सप्ताह एक विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है और हर दिन एक नई आईटीआई की स्थापना हुई है। उन्होंने कहा, हर तीसरे दिन एक अटल टिंकरिंग लैब खोली गई है। भारत में हर दिन दो नए कॉलेज बने हैं। आज देश में 23 आईआईटी संस्थान हैं। 10 साल पहले 13 आईआईआईएम थे, आज उनकी संख्या 21 है। 10 साल पहले की तुलना में आज करीब 3 गुना यानी 22 एम्स हैं। 10 साल में मेडिकल कॉलेज की संख्या भी करीब करीब दोगुनी हो गई है।

मोदी ने कहा, आज भारत के शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारत के युवाओं के सपनों को नया विस्तार दिया है। भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ विदेशी विश्वविद्यालयों ने भी जुडना शुरू कर दिया है। आज छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए भारत में ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षा संस्थान उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा, नालंदा केवल भारत के अतीत का ही पुनर्जागरण नहीं है, इसमें एशिया के कितने ही देश की विरासत जुड़ी हुई हैं। एक विश्वविद्यालय के परिसर के उदघाटन में इतने देश का उपस्थित होना, अपने आप में अभूतपूर्व है। नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण में हमारे साथ ही अन्य देशों की भागीदारी भी रखी है। दो दिन बाद ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। आज भारत में योग की सैकड़ों विधाएं मौजूद हैं। ऋषियों ने कितना गहन शोध इसके लिए किया होगा। आज पूरा विश्व योग को अपना रहा है। योग दिवस एक वैश्विक उत्सव बन गया है।

नालंदा विवि के विस्तार में राज्य सरकार की मदद की जरूरत पड़ती है तो हम तैयार हैं: नीतीश कुमार

भाषा। राजगीर (बिहार)

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय के विस्तार में अगर राज्य सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी तो राज्य सरकार पूरी तरह से इसके लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां ऐतिहासिक नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किए जाने के अवसर पर अपने संबोधन में नीतीश कुमार ने कहा, "इसके विस्तार में अगर राज्य सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी तो हमलोग पूरी तरह से इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज नालंदा विश्वविद्यालय का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, वह पहली बार राजगीर पधारे हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री जी ने पौराणिक नालंदा विश्वविद्यालय का पूरा भ्रमण करके देखा है। आपने देखा कि पुराने विश्वविद्यालय का कैंपस कितना बड़ा था। पुराने समय में आसपास के 20-25 किलोमीटर तक के गांव यहां से जुड़े रहते थे।

मुख्यमंत्री ने नालंदा विवि का इतिहास गौरवशाली होने का दावा करते हुए कहा कि इसकी पहचान ज्ञान के केंद्र के रूप में होती थी और प्राचीन काल में यहां 10 हजार विद्यार्थी पढ़ते थे एवं दो हजार शिक्षक हुआ करते थे। भारत ही नहीं, बल्कि चीन, जापान, श्रीलंका, तिब्बत और एशिया के कई देशों से लोग यहां पढ़ने आया करते थे तथा 1200 ईस्वी में यह विश्वविद्यालय नष्ट हो गया था। उन्होंने कहा कि मार्च, 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति दिवंगत ए पी जे अब्दुल कलाम बिहार आए थे तब उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से स्थापित करने की बात कही थी।

उन्होंने कहा, उसी समय से हमलोगों ने नालंदा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय को पुनर्स्थापित करने की पहल शुरू की और इसके लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया लेकिन किसी कारणवश कार्य में विलंब होने पर राज्य सरकार ने इसके लिए नया कानून बनाया और विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना के लिए 455 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2010 में बिहार सरकार के अनुरोध पर लोकसभा में इसके लिए एक विधेयक पारित किया गया तथा राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहण कर केंद्र सरकार को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि काम धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया और 2014 से आंशिक रूप से यहां पढ़ाई शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि 2014 में ही नरेन्द्र मोदी जी की सरकार बनी और फिर नालंदा विश्वविद्यालय का काम काफी तेजी से होने लगा। उन्होंने कहा कि 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति दिवंगत प्रणव मुखर्जी ने इसका शिलान्यास किया और आज यह देखकर काफी प्रसन्नता हो रही है कि नालंदा विश्वविद्यालय में 17 देशों के 400 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं।

उन्होंने कहा कि पुराने नालंदा विश्वविद्यालय के तर्ज पर आसपास के गांवों को विश्वविद्यालय से फिर से जोड़ा जाए। इस अवसर पर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, केन्द्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरेटा, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री एवं नालंदा जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अरविंद पनगढ़िया, नालंदा विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राओं समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री का पदभार संभाला

भाषा। विजयवाड़ा

जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण ने बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाल लिया। अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण को पंचायत राज और ग्रामीण विकास, पर्यावरण, वन और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्रामीण जलापूर्ति विभाग भी उनके पास है। जनसेना पार्टी के कई नेताओं ने पवन कल्याण को उपमुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। समझा जाता है कि कार्यभार संभालने के बाद उपमुख्यमंत्री वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे ताकि समीक्षा बैठकें की जा सकें। पवन कल्याण दक्षिणी राज्य के पीथापुरम विधानसभा क्षेत्र का नेतृत्व करते हैं और पहली बार मंत्री बने हैं।

झूठा दावा करने वाली नीट अभ्यर्थी का वीडियो साझा करने के लिए प्रियंका के खिलाफ कार्रवाई हो: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने जाली दस्तावेज प्रस्तुत करने को लेकर एक नीट अभ्यर्थी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने संबंधी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी के एक दिन बाद बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से माफी मांगने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की मांग की। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की उक्त अभ्यर्थी ने जाली दस्तावेज प्रस्तुत किए थे और अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) उसका परिणाम घोषित करने में विफल रही और उसकी ओएमआर उत्तर-पुस्तिका फटी हुई पाई गई।

उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के निर्देश पर एनटीए ने छात्रा की मूल ओएमआर उत्तर-पुस्तिका पेश की, जो सही-सलामत पाई गई। इसके बाद, अदालत ने यह टिप्पणी की थी। दस्तावेजों को देखने के बाद अदालत ने पाया कि छात्रा ने जाली दस्तावेजों के आधार पर याचिका दायर की है। अदालत ने इसे खेदजनक बताते हुए कहा कि एनटीए इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी ने हाल में इस छात्रा का एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया था, जिसने नीट परीक्षा में अपने परिणाम के बारे में कुछ अजीब दावे किए थे। उन्होंने प्रियंका गांधी के 10 जून के पोस्ट का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, पता चला है कि आयुषी पटेल, जिसने दावा किया था कि उसकी ओएमआर शीट फटी हुई थी, उसने अदालत को जाली दस्तावेज सौंपे थे और अपनी ओएमआर शीट को फाड़े जाने के बारे में झूठे दावे किए थे। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, मैं प्रियंका गांधी से न केवल माफी की मांग करता हूं बल्कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग करता हूं। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर झूठ की दुकान चलाने का आरोप लगाया और मांग की कि इस मामले की जांच भी कराई जाए ताकि यह पता चल सके कि कहीं कांग्रेस ने पटेल को झूठे दावे करने के लिए प्रायोजित तो नहीं किया था।

हाल में अपने नीट परिणाम की घोषणा में कुछ गड़बड़ी का दावा करने वाली पटेल के वीडियो को एक्स पर साझा करते हुए, प्रियंका गांधी ने मांग की थी कि सरकार को इन अनियमितताओं को ठीक करने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे। उन्होंने सवाल किया था, क्या शिक्षा मंत्री जी को सार्वजनिक रूप से मौजूद तथ्य नहीं दिखते? क्या बिहार और गुजरात में जो पुलिस कार्रवाइयां हुईं और गिरोह पकड़े गए, सरकार उन्हें भी झूठा मानती है? क्या 67 टॉपर को पूरे अंक मिलना भी झूठ है? लाखों युवाओं और उनके माता-पिता की अनदेखी कर सरकार किसे बचाना चाहती है? क्या युवाओं के सपनों को इस भ्रष्ट परीक्षा प्रणाली की भेंट चढ़ाना बंद नहीं होना चाहिए?

आलू के चिप्स के पैकेट में मृत मेंढ़क मिला, जांच के आदेश

जामनगर (गुजरात)। आलू के चिप्स (पोटैटो वेफर्स) के एक पैकेट में कथित तौर पर मृत मेंढक पाए जाने के बाद बुधवार को जामनगर नगर निगम ने जांच के आदेश दे दिए हैं। मुंबई के एक निवासी द्वारा ऑनलाइन ऑर्डर की गई आइसक्रीम में मानव उंगली का टुकड़ा मिलने के दावे के कुछ दिनों बाद यह शिकायत आई है। जामनगर नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि जांच के तहत आलू के चिप्स के पैकेट के उत्पादन बैच के नमूने एकत्र किए जाएंगे।

सार्वजनिक सूचना

खोया और पाया

रजत रिन्यूएबल्स लिमिटेड और कनक रिन्यूएबल्स लिमिटेड द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की मूल प्रतियां अर्थात् बिक्री विलेख और पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) कही खो गए हैं और उनका पता नहीं लगाया जा सका है। इसलिए, नीचे उल्लिखित मूल बिक्री विलेख और पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) के गुम हो जाने के संबंध में रजत रिन्यूएबल्स लिमिटेड और कनक रिन्यूएबल्स लिमिटेड ने अपने प्रतिनिधि के माध्यम से ऑनलाइन ई-लॉस्ट वेबसाइट के माध्यम से क्राइम ब्रांच, दिल्ली के पास खोया-पाया शिकायत संख्या 1813922/2024 दिनांक 13.06.2024 दर्ज की है। यदि किसी व्यक्ति को मिलें या किसी व्यक्ति का कोई दावा या अधिकार है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 3 दिनों के भीतर सूचित/संपर्क करें और नीचे सूचीबद्ध खोए हुए दस्तावेज़ अधोहस्ताक्षरी को सौंप दें:

रजत रिन्यूएबल्स लिमिटेड के पक्ष में निष्पादित

1. केएसटी196 के लिए क्रमशः 26.06.2019 को दस्तावेज सं. 952-19-20 और 07.07.2017 को 00013 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
2. केएसटी176 के लिए क्रमशः 12.10.2020 को दस्तावेज सं. 3942-20-21 और 07.06.2019 को 01371 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
3. केएसटी219 के लिए क्रमशः 26.08.2020 को दस्तावेज सं. 01004-20-21 और 05.06.2018 को 00017 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
4. केएसटी219 के लिए क्रमशः 26.08.2020 को दस्तावेज सं. 01005-20-21 और 31.01.2019 को 00020 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
5. केएसटी221 के लिए क्रमशः 01.09.2018 को दस्तावेज सं. 01077-20-21 और 07.07.2017 को 00015 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
6. केएसटी227 के लिए क्रमशः 01.09.2018 को दस्तावेज सं. 01081-20-21 और 24.05.2017 को 00003 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए

कनक रिन्यूएबल्स लिमिटेड के पक्ष में निष्पादित

7. केएसटी166 के लिए क्रमशः 26.06.2019 को दस्तावेज सं. 00951-19-20 और 07.07.2017 को 00016 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
8. केएसटी168 के लिए क्रमशः 26.06.2019 को दस्तावेज सं. 954-19-20 और 08.02.2018 को 00061 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
9. केएसटी200 के लिए क्रमशः 30.07.2020 को दस्तावेज सं. 0736-20-21 और 09.02.2018 को 00063 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
10. केएसटी163 के लिए क्रमशः 30.07.2020 को दस्तावेज सं. 0739-20-21 और 24.02.2018 को 00067 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
11. केएसटी171 के लिए क्रमशः 26.08.2020 को दस्तावेज सं. 01008-20-21 और 21.03.2018 को 00081 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
12. केएसटी150 के लिए क्रमशः 12.10.2020 को दस्तावेज सं. 3934-20-21 और 14.03.2018 को 09612 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
13. केएसटी170 के लिए क्रमशः 02.07.2021 को दस्तावेज सं. 00715-2021-22 और 24.03.2018 को 00082 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
14. केएसटी167 के लिए क्रमशः 01.09.2020 को दस्तावेज सं. 01084-20-21 और 26.12.2017 को 00049 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
15. केएसटी167 के लिए क्रमशः 01.09.2020 को दस्तावेज सं. 01080-20-21 और 26.12.2017 को 00046 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
16. केएसटी165 के लिए क्रमशः 27.07.2021 को दस्तावेज सं. 01052-2021-22 और 29.05.2017 को 00009 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
17. केएसटी169 के लिए क्रमशः 01.09.2020 को दस्तावेज सं. 01076-20-21 और 09.03.2018 को 00075 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
18. केएसटी202 के लिए क्रमशः 26.08.2020 को दस्तावेज सं. 01007-20-21 और 14.03.2018 को 00077 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
19. केएसटी217 के लिए क्रमशः 30.07.2020 को दस्तावेज सं. 0735-20-21 और 05.03.2018 को 00072 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
20. केएसटी217 के लिए क्रमशः 30.07.2020 को दस्तावेज सं. 0738-20-21 और 05.03.2018 को 00073 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए
21. केएसटी151 के लिए क्रमशः 12.10.2020 को दस्तावेज सं. 3941-20-21 और 01.03.2018 को 00124 के रूप में पंजीकृत बिक्री विलेख और पीओए

उपर्युक्त बिक्री विलेख की मूल प्रति रजत रिन्यूएबल्स लिमिटेड और कनक रिन्यूएबल्स लिमिटेड के लिए अनिवार्य है क्योंकि वे आरईसी (पूर्व में ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड) (भारत सरकार का उद्यम) जिसका पंजीकृत कार्यालय कोर-4, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, लोदी रोड, नई दिल्ली - 110003 में है, के पक्ष में उपरोक्त बिक्री विलेख की प्रमाणित प्रतियों के आधार पर क्रेडिट सुविधाओं के लिए उपरोक्त संपत्तियों पर बंधक रखने के इच्छुक हैं।

कृते रजत रिन्यूएबल्स लिमिटेड और कनक रिन्यूएबल्स लिमिटेड

अदिप घोष

ईमेल: adhip.ghosh@renew.com

पता: कमर्शियल ब्लॉक-1, गोल्फ कोर्स रोड, डीएलएफ सिटी, जोन 6, सेक्टर 43, गुरुग्राम, हरियाणा-0122009

मोदी सरकार ने पर्यावरण पर अच्छे कार्यक्रम बनाए: सुनीता नारायण

नई दिल्ली, 19 जून (भाषा) प्रसिद्ध पर्यावरणविद सुनीता नारायण ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने की सरकार की सही मंशा थी लेकिन कार्यान्वयन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। नारायण ने यहां पीटीआई के संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि लगातार रहे विभिन्न प्रशासनों ने पर्यावरण मंजूरी की प्रणाली को इस हद तक कमजोर कर दिया है कि यह कारगर नहीं रह गई। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर मेरा आकलन है कि सरकार की बातें और मंशा सही थी। अगर आप सरकार की नीतियों को देखें तो आप यह तर्क नहीं दे सकते कि कोई चीज गलत है। अक्षय ऊर्जा, पेयजल, कचरा प्रबंधन सबकुछ था। अत: आपने पूरा एक पैकेज तैयार किया। लेकिन, मेरा आकलन है कि कार्यान्वयन पर पर्याप्त रूप से ध्यान नहीं दिया गया।

मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में अक्षय ऊर्जा का उपभोग बढ़ाने, वन क्षेत्र का दायरा बढ़ाने, वायु प्रदूषण कम करने, सभी घरों में पाइप से पेयजल पहुंचाने और एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर रोक लगाने जैसी अनेक पहल पर ध्यान दिया था। मोदी सरकार ने पिछले पांच साल में वन, वन्यजीव और पर्यावरण कानूनों में महत्वपूर्ण संशोधन किए और इनमें से कुछ पर विपक्षी दलों तथा पर्यावरणविदों की आलोचनात्मक प्रतिक्रिया आई।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवॉयरमेंट (सीएसई) की महानिदेशक सुनीता नारायण के अनुसार पर्यावरण से जुड़े सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए नई सोच की जरूरत है। इनमें से कई कार्यक्रम ऐसे बिंदु पर पहुंच गए हैं जहां हम अच्छे परिणाम हासिल नहीं कर पाए। अगर हम नदियों की सफाई के मुद्दे को देखें तो हम अपनी नदियों को साफ नहीं कर पाए। हम अब भी ऐसी स्थिति में हैं जहां हम अपनी नदियों से साफ पानी ले रहे हैं और उनमें गंदा पानी डाल रहे हैं। नारायण ने कहा कि सरकारों को पुराने तरीकों से विकास करना चाहिए। उन्होंने कहा, पुराने तरीके से विकास जमीनी स्तर पर सीखने, प्रयासों को बदलने और फिर से सीखने पर आधारित होता है।

उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की बात सुनने और धरातल की चीजों से सीखने की क्षमता खो चुकी है। नारायण ने कहा कि सरकार के कार्यक्रमों में नई सोच को डालने के लिए सुझाव लेना जरूरी है। उन्होंने कहा, अगर आप इस ओर इशारा करते हैं कि उज्ज्वला योजना शानदार थी, लेकिन इससे फायदे नहीं मिल रहे क्योंकि महिलाओं के पास सिलेंडर भरवाने के लिए पैसा नहीं है तो आप सरकार के दुश्मन नहीं हो जाते। पर्यावरणविद ने यह भी कहा कि पिछली सरकारों में नए विचारों को अपनाने का पर्याप्त साहस नहीं था लेकिन वे ज्यादा सुनती थीं।

नारायण ने कहा, लेकिन अगर आप मुझसे कहें कि पर्यावरण के क्षेत्र में कामकाज के मामले में इस सरकार की तुलना पिछली सरकारों से करूं तो मैं आपसे बिल्कुल साफ तौर पर कहूंगी कि वे दोनों बुरी और अच्छी हैं। नारायण 2002 से 2020 तक सरकार द्वारा नियुक्त पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण की सदस्य रही हैं।

भारत में कितने समय बाद आसमान और नदियां साफ होंगी, इस प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यह सब परियोजनाओं को लागू करने और कुछ असुविधाजनक फैसले लेने की सरकार की क्षमता पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, पर्यावरण मंजूरी प्रणाली न तो पर्यावरण के लिए काम कर रही है और न ही विकास के लिए। यह केवल सलाहकारों या लेखा परीक्षकों और अन्य लोगों के लिए काम कर रही है जो परियोजनाओं को देखते हैं और उन्हें मंजूरी देते हैं। सभी सरकारों ने परियोजनाओं को मंजूरी दी है, यहां तक कि कांग्रेस सरकार, संप्रग सरकार ने भी। सभी सरकारों ने निर्णय लेने की प्रणाली को धीरे-धीरे कमजोर किया है, जिससे यह कमजोर होती जा रही है। आज इसका कोई मतलब नहीं है। नारायण ने दावा किया कि पर्यावरण पर प्रभाव के आकलन संबंधी अधिकतर रिपोर्ट कट और पेस्ट करके तैयार किए गए दस्तावेज हैं।

अमेजन से मंगाए गए सामान के पार्सल में निकला सांप

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के एक दंपत्ति उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने अमेजन से मंगाए गए सामान के पार्सल में सांप देखा। दंपत्ति ने बताया कि सामान की पैकेजिंग के लिए चिपकाने वाली टेप में सांप चिपका हुआ था। संदेह है कि यह कोबरा सांप था। उन्होंने अमेजन से ऑनलाइन ऑर्डर कर एक्सबॉक्स कंट्रोलर मंगाया था। सरजापुर के रहने वाले यह दंपत्ति आईटी पेशेवर हैं। नाम जाहिर न करने के इच्छुक इस दंपत्ति ने एक वीडियो बनाया जो सोशल मीडिया पर आया है। अमेजन इंडिया के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि कंपनी इस घटना की जांच कर रही है। प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों और सहयोगियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम ग्राहकों को भरोसेमंद खरीदारी का अनुभव देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और उनके लिए चीजों को सही बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना हमारी प्रतिबद्धता है। हम ग्राहकों की सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हैं और इस घटना की भी जांच कर रहे हैं। दंपत्ति ने बताया कि उन्होंने हाल ही में अमेजन से एक एक्सबॉक्स कंट्रोलर ऑर्डर किया था, लेकिन उन्हें पार्सल में से एक जिंदा सांप मिला। पार्सल की डिलीवरी करने आए व्यक्ति ने हमें सीधे सामान सौंप दिया था। इसे बाहर नहीं रखा गया था। हम सरजापुर रोड पर रहते हैं और हमने पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। हमारे पास इसके प्रत्यक्षदर्शी भी हैं। दंपति ने कहा, सांप संभवत: स्पेक्टेकल्ड कोबरा (नाजा नाजा) है, जो कर्नाटक में पाया जाने वाला सबसे विषैला सांप है। दंपति ने बताया कि सांप पार्सल को बंद करने वाले टेप से चिपका हुआ था। सांप ने उनके घर या अपार्टमेंट में किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है। दंपति ने बताया कि उन्हें अपने ऑर्डर के बदले पूरा पैसा वापस मिल गया है, लेकिन उन्हें आश्चर्य है कि अत्यधिक विषैले सांप के साथ अपनी जान जोखिम में डालने के बदले उन्हें क्या मिला। उन्होंने आरोप लगाया, यह स्पष्ट रूप से सुरक्षा उल्लंघन है जो केवल अमेजन की लापरवाही और उनके खराब परिवहन, गोदाम की स्वच्छता एवं रखरखाव में कोताही के कारण हुआ है।

आपत्तिजनक अंश हटाने के बाद फिल्म हमारे बारह को उच्च न्यायालय ने प्रदर्शन की मंजूरी दी

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को अभिनेता अन्नू कपूर अभिनीत फिल्म हमारे बारह को रिलीज करने की अनुमति दे दी। फिल्म निर्माता के कुछ आपत्तिजनक अंशों को हटाने पर सहमत होने के बाद अदालत ने यह अनुमति दी। यह फिल्म पहले सात जून और फिर 14 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके 21 जून को रिलीज होने की संभावना है। फिल्म के खिलाफ उच्च न्यायालय में कई याचिकाएं दायर कर दावा किया गया है कि इसमें कुरान की बातों को गलत तरीके से पेश किया गया है तथा यह इस्लामी आस्था और मुस्लिम समुदाय के प्रति अपमानजनक है।

याचिका में फिल्म के रिलीज पर रोक लगाए जाने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति बी.पी. कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ ने फिल्म देखी और इसमें कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया, जिस पर निर्माता और याचिकाकर्ता दोनों सहमत हो गए। इसके अनुसार, अदालत ने कहा कि निर्माता आवश्यक बदलाव करेंगे और फिर फिल्म रिलीज करेंगे।

निर्माताओं ने बाद में कहा कि आवश्यक बदलाव किए जाएंगे और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा, जिसे आमतौर पर सेंसर बोर्ड के रूप में जाना जाता है। निर्माता अब फिल्म को 21 जून को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। उच्च न्यायालय ने सीबीएफसी से प्रमाणपत्र प्राप्त करने से पहले ही फिल्म का ट्रेलर जारी करने को लेकर निर्माताओं पर पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। इसी महीने पूर्व में अदालत ने फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया था।

बाद में निर्माताओं द्वारा यह कहे जाने के बाद कि सीबीएफसी के निर्देशानुसार आपत्तिजनक अंशों को हटा दिया जाएगा, न्यायालय ने फिल्म के रिलीज की अनुमति दे दी। याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, जिसने पिछले सप्ताह फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी और उच्च न्यायालय को मामले की सुनवाई कर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि उसने फिल्म देखी और इसमें कुरान या मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया। अदालत ने इसके साथ ही कहा कि फिल्म वास्तव में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से बनाई गई है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि भारतीय जनता भोली या मूर्ख नहीं है। बुधवार को संबंधित पक्षों ने अदालत में सहमति शर्तें प्रस्तुत कीं, जिसमें कहा गया कि वे फिल्म से कुछ आपत्तिजनक अंशों और संवादों को हटाने के संबंध में आम सहमति पर पहुंच गए हैं।

मप्र सिविल सेवा परीक्षा : 1.83 लाख उम्मीदवारों के लिए महज एक सौ दस पद, युवा नाराज

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की आयोजित राज्य सेवा परीक्षा के जरिए होने वाली भर्ती के घटते पदों को लेकर बेरोजगार युवाओं ने नाराजगी जताई है। युवाओं की मांग है कि सूबे में बड़ी तादाद में खाली पड़े प्रशासनिक ओहदों के मद्देनजर इस भर्ती के पदों की तादाद को बढ़ाकर कम से कम 500 किया जाना चाहिए जो पिछले पांच सालों में सबसे बड़ी गिरावट के साथ इस बार महज 110 पर सिमट गई है।

2019 की राज्य सेवा परीक्षा 571 पदों, 2020 की राज्य सेवा परीक्षा 260 पदों, 2021 की राज्य सेवा परीक्षा 290 पदों, 2022 की राज्य सेवा परीक्षा 457 पदों और 2023 की राज्य सेवा परीक्षा 229 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की गई थी। 2024 की राज्य सेवा परीक्षा कुल 110 पदों पर भर्ती के वास्ते आयोजित है जिसके तहत 23 जून को होने वाली प्रारंभिक परीक्षा में 1.83 लाख उम्मीदवार शामिल होंगे। इनमें उप जिलाधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) के 15 पद और पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के 22 पद शामिल हैं।

इंदौर का भोलाराम उस्ताद मार्ग क्षेत्र सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों का बड़ा केंद्र है जहां कई कोचिंग संस्थान और छात्रावास संचालित होते हैं। इस क्षेत्र में आकाशदीप (30) अपने परिवार से दूर रहकर पिछले छह साल से राज्य सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को पीटीआई-भाषा से कहा, कड़े मुकाबले वाली राज्य सेवा परीक्षा के जरिए होने वाली भर्ती के लिए महज 110 पद बेहद नाकाफी हैं। इसमें कम से कम 500 पद तो होने ही चाहिए थे। राज्य सेवा परीक्षा के उम्मीदवारों के अगुवा आकाश पाठक ने कहा, हमारी मांग पर एमपीपीएससी ने हमें लोकसभा चुनाव से पहले भरोसा दिलाया था कि वह राज्य सरकार के अलग-अलग विभागों को पत्र लिखकर सिविल सेवा परीक्षा के तहत भर्ती के पदों की तादाद बढ़ाने की कोशिश करेगा, लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी मांग अब तक पूरी नहीं की गई है।

पाठक ने दावा किया कि राज्य में दो से तीन लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं जिनमें डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी के उच्च प्रशासनिक पद भी शामिल हैं। एमपीपीएससी के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) रवींद्र पंचभाई ने कहा, सरकारी विभाग हमसे जितने पदों पर भर्ती के लिए कहते हैं, हम उतने पदों के लिए राज्य सेवा परीक्षा का विज्ञापन जारी करते हैं। उन्होंने हालांकि कहा कि विज्ञापन जारी होने के बाद भी अगर सरकारी विभाग एमपीपीएससी से कुछ और पदों पर भर्ती की मांग करते हैं, तो राज्य सेवा परीक्षा के प्रारंभिक दौर का परिणाम आने से पहले तक इन अतिरिक्त पदों को नियमों के मुताबिक भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जा सकता है। राज्य सेवा परीक्षा के जरिए होने वाली भर्ती में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण के मसले के कारण लम्बे समय से बड़ा कानूनी पेंच फंसा हुआ है।

रूस और उत्तर कोरिया ने किए समझौते पर हस्ताक्षर

दोनों देश आक्रमण होने पर एक दूसरे की करेंगे मदद

भाषा। सियोल

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने बुधवार को एक शिखर वार्ता के दौरान एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें दोनों में से किसी भी देश पर हमला होने पर पारस्परिक मदद को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। यह शिखर वार्ता ऐसे समय हुई है, जब दोनों देश पश्चिम के साथ बढ़ते गतिरोध का सामना कर रहे हैं। नेताओं ने कहा कि यह समझौता सुरक्षा, व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक तथा मानवीय संबंधों जैसे क्षेत्रों से जुड़ा है, तथा यह 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद से मॉस्को और प्योंगयांग के बीच सबसे मजबूत कदम साबित हो सकता है। दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ा सुधार बताया।

चौबीस साल में पुतिन के पहले उत्तर कोरिया दौरे के दौरान दोनों की मुलाकात हुई। पुतिन की यह यात्रा हथियारों की उस व्यवस्था को लेकर बढ़ती पश्चिमी देशों में बढ़ती चिंताओं के बीच हो रही है जिसके तहत उत्तर कोरिया यूक्रेन से युद्ध के लिए रूस को हथियार मुहैया करा रहा है और बदले में आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हासिल कर रहा है। दोनों देशों के बीच इस कवायद को आर्थिक तथा सैन्य सहयोग बढ़ाने तथा अमेरिका के खिलाफ संयुक्त मोर्चा तैयार करने के तौर पर देखा जा रहा है।

रूसी सरकारी मीडिया के अनुसार हस्ताक्षर समारोह के बाद पुतिन ने कहा कि किम के साथ बातचीत में सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर काफी चर्चा हुई। पुतिन के हवाले से कहा गया है कि समझौते के तहत रूस उत्तर कोरिया के साथ सैन्य-तकनीकी सहयोग विकसित करने से पीछे नहीं हटेगा। मीडिया ने कहा कि पुतिन और किम के बीच बैठक करीब दो घंटे तक जारी रही जबकि प्रारंभ में बैठक का वक्त एक घंटे निर्धारित किया गया था।

उत्तर कोरियाई नेता के साथ अपनी वार्ता की शुरुआत में पुतिन ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया आर्थिक तथा सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे क्योंकि वे रूसी संघ के विरुद्ध अमेरिका और उसके उपग्रहों की साम्राज्यवादी आधिपत्यवादी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं। उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं वहीं यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के कारण रूस भी अमेरिका और उसके पश्चिमी साझेदारों के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहा है।

रूसी मीडिया ने कहा था कि किम एक स्वागत समारोह की मेजबानी करेंगे। पुतिन के बुधवार शाम को वियतनाम के लिए रवाना होने की उम्मीद है। पुतिन ने शिखर वार्ता से पहले दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी संबंधों की सराहना की। किम ने कहा कि मॉस्को और प्योंगयांग के बीच अब संबंध सोवियत काल से भी अधिक घनिष्ठ हो गए हैं। उन्होंने पुतिन की यात्रा को घनिष्ठ मित्रता को और मजबूत करने का अवसर करार दिया। किम ने संप्रभुता, सुरक्षा हितों और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान चलाने में रूसी सरकार, सेना और लोगों को अपने देश के पूर्ण समर्थन और एकजुटता की बात कही। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किम किस प्रकार के समर्थन की बात कर रहे थे।

किम ने विश्व में रणनीतिक स्थिरता और संतुलन बनाए रखने में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका और मिशन की भी सराहना की। शिखर वार्ता से पहले किम ने शहर के मुख्य चौक पर एक भव्य समारोह में पुतिन का स्वागत किया और विदेश मंत्री चोई सोन हुई, शीर्ष सहयोगी एवं सत्तारूढ़ पार्टी के सचिव जो योंग वोन और अपनी बहन किम यो जोंग सहित उत्तर कोरियाई नेतृत्व के प्रमुख सदस्यों का परिचय पुतिन से कराया। रूसी राष्ट्रपति के काफिले का स्वागत करने के लिए सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने पुतिन का स्वागत है के नारे लगाए। इस दौरान जनता ने उत्तर कोरिया के तथा रूस के झंडे भी लहराए।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव के अनुसार, पुतिन के साथ उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतरूरोव, रक्षा मंत्री एंद्रेई बेलोसोव और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सहित कई शीर्ष अधिकारी भी थे। पुतिन और किम की मित्रता के बीच अमेरिका और दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का आरोप है कि उत्तर कोरिया रूस को यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए तोपें, मिसाइलें और अन्य सैन्य उपकरण मुहैया करा रहा है और इसके बदले में उसे महत्वपूर्ण सैन्य तकनीक और सहायता मिल रही है। हालांकि दोनों ही देशों ने हमेशा इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

यमन के हूती विद्रोहियों के हमले के बाद पोत लाल सागर में डूबा

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से निशाना बनाए जाने के बाद मालवाहक पोत लाल सागर में डूब गया। हूती विद्रोहियों के हमले में पोत के डूबने की यह दूसरी घटना है। अधिकारियों ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी। ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर (यूकेएमटीओ) ने क्षेत्र में नाविकों को सचेत करते हुए बताया कि द ट्यूटर लाल सागर में डूब गया। यूकेएमटीओ ने कहा, सैन्य अधिकारियों ने बताया है कि उन्होंने समुद्री मलबा और तेल देखा है। माना जा रहा है कि जहाज डूब गया है। हूती विद्रोहियों ने पोत के डूबने के संबंध में फिलहाल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। पोत द ट्यूटर पर एक सप्ताह पहले लाल सागर में हमला किया गया था। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोमवार को बताया था कि इस हमले में चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई।

रामफोसा ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली

जोहानिसबर्ग। सिरिल रामफोसा ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली। वह गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे। उनकी पार्टी अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) पिछले महीने हुए चुनाव में बहुमत हासिल नहीं कर पाई थी। पिछले महीने हुए चुनावों में रामफोसा की एएनसी ने 30 साल में पहली बार अपना संसदीय बहुमत खो दिया। हालांकि, एएनसी और डेमोक्रेटिक अलायंस ने अपनी प्रतिद्वंद्विता को दरकिनार करके गठबंधन सरकार बनाने के लिए ऐतिहासिक समझौता किया। चुनाव में एएनसी को 40 प्रतिशत वोट मिले, जबकि डेमोक्रेटिक अलायंस (डीए) 22 प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

प्रीटोरिया की यूनियन बिल्डिंग में प्रधान न्यायाधीश रेमंड जोंडो ने रामफोसा (71) को शपथ दिलाई। रामफोसा ने कहा, मैं शपथ लेता हूं कि मैं दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के प्रति वफादार रहूंगा... मैं गणराज्य के संविधान और अन्य सभी कानूनों का पालन, अनुपालन और समर्थन करूंगा। रामफोसा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के नागरिकों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काने के प्रयासों से विचलित नहीं होना चाहिए, क्योंकि देश राष्ट्रीय एकता की सरकार के दौर में प्रवेश कर रहा है। कई देशों को राष्ट्र प्रमुखों और प्रतिनिधियों के साथ हजारों मेहमानों की मौजूदगी में रामफोसा ने कहा, हमें विभाजित करने या विचलित करने, संदेह या निराशा फैलाने या एक दूसरे के खिलाफ खड़ा करने के हर प्रयास को अस्वीकार करना चाहिए। जो लोग हमारे रास्ते में खड़े होना चाहते हैं, जो तनाव को भड़काना चाहते हैं, वे सफल नहीं होंगे, क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी दृढ़ निश्चई हैं।

श्री शक्ति नारायणी अम्मा को मानने वाले लोगों को ठगने के मामले में चीनी मूल की महिला को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में चीनी मूल की एक महिला को अपने आध्यात्मिक अनुयायियों को धोखा देकर उनसे 70 लाख सिंगापुरी डॉलर की ठगी के मामले में बुधवार को साढ़े 10 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। महिला अपने अनुयायियों को बताती थी कि प्राप्त धन को भारत में गाय खरीदने, मंदिर बनाने और स्कूल निर्माण पर खर्च किया जाएगा। वू मे होए (54) ने धोखाधड़ी और गंभीर रूप से चोट पहुंचाने समेत पांच आरोपों में अपना गुनाह कबूल किया। वू ने 2012 से लेकर करीब आठ साल तक 30 अनुयायियों को अपने प्रभाव में रखा जो भारत में आध्यात्मिक संत श्री शक्ति नारायणी अम्मा को मानते थे। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, वू ने अपने अनुयायियों को सिखाया कि उन्हें अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपने बुरे कर्मों को खत्म कर अच्छे कर्मों को बढ़ाना होगा।

चाड की राजधानी में सैन्य आयुध भंडार में विस्फोट, नौ की मौत

भाषा। एनजमीना

चाड की राजधानी एनजमीना में एक सैन्य आयुध डिपो में विस्फोट में नौ लोगों को मौत हो गई जबकि 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए। एक सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता अब्देरमान कौलमल्लाह ने कहा कि राजधानी एनजमीना के गौडजी जिले में हुए विस्फोटों के बाद 46 लोगों का इलाज किया जा रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि विस्फोट मंगलवार मध्य रात्रि से ठीक पहले शुरू हुए और 30 मिनट से अधिक समय तक चले, जिससे आस-पास की इमारतें हिल गईं। अधिकारियों और गवाहों ने बुधवार को कहा कि चाड की राजधानी में एक सैन्य आयुध भंडार में विस्फोट और आग लगने से कई लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि आग बुझाने तथा घायलों के उपचार के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए गए।

पश्चिमी अफ्रीकी देश में आयुध डिपो में हुए धमाके की रोशनी आसमान में दूर तक देखी गई और उसके बाद आसपास के इलाकों में घने धुएं का गुबार छा गया। राष्ट्रपति महामत डेबी इत्नो ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि विस्फोट के कारण लगी आग से जानमाल का नुकसान हुआ है। डेबी ने कहा, पीड़ितों की आत्मा को शांति मिले, शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना। उन्होंने हालांकि हताहत हुए लोगों की संख्या का कोई विवरण नहीं दिया। मंगलवार देर रात डिपो में हुए विस्फोटों का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है और राष्ट्रपति ने कहा कि इसकी जांच की जाएगी। कौलमल्लाह के अनुसार, क्षेत्र में सुरक्षा और स्वास्थ्य अधिकारियों की तैनाती के साथ स्थिति को नियंत्रण में लाया गया है। उन्होंने स्थानीय निवासियों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया है।

ईरान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस की सजा एक साल बढ़ाई गई

दुबई। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की सजा एक साल बढ़ा दी गई है। उनके वकील ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोहम्मदी की गतिविधियों को लेकर सजा बढ़ाई गई है। मोहम्मदी के वकील मुस्तफा निली ने एपी से कहा कि उनकी मुवक्किल को व्यवस्था के खिलाफ दुष्प्रचार करने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। उन्होंने कहा कि यह सजा नरगिस मोहम्मदी द्वारा मतदाताओं से ईरान के हालिया संसदीय चुनाव का बहिष्कार करने का आग्रह करने, यूरोप के सांसदों को पत्र भेजने तथा एक अन्य ईरानी पत्रकार और राजनीतिक कार्यकर्ता को दी गई यातना के बारे में टिप्पणी करने के बाद दी गई है। नरगिस मोहम्मदी (52) को ईरान की कुख्यात एविन जेल में रखा गया है, जहां राजनीतिक कैदियों और पश्चिमी देशों से संबंध रखने वाले लोगों को रखा जाता है। नरगिस पहले से ही 30 महीने की सजा काट रही हैं और जनवरी में उनकी सजा 15 महीने और बढ़ा दी गई। ईरान की सरकार ने उनकी अतिरिक्त सजा को स्वीकार नहीं किया है। उन्हें पिछले साल अक्टूबर में नोबेल पुरस्कार दिया गया था। वह नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं व दूसरी ईरानी महिला हैं। उनसे पहले 2003 में मानवाधिकार कार्यकर्ता शिरीन इबादी को इस सम्मान के लिए चुना गया था। मोहम्मदी ने ईरानी अधिकारियों द्वारा कई बार गिरफ्तार किए जाने और कई साल तक जेल में रहने के बावजूद अपनी गतिविधियों को नहीं रोका है।

फ्रांस को नाटो की रणनीतिक सैन्य कमान से बाहर करने के अपने फैसले से पीछे हटे दक्षिणपंथी नेता बार्डेला

विलेपिंटे (फ्रांस)। फ्रांस के आगामी संसदीय चुनाव के बाद प्रधानमंत्री बनने की इच्छा रखने वाले एक दक्षिणपंथी नेता बुधवार को अपनी पार्टी द्वारा पूर्व में किए गए नाटो की रणनीतिक सैन्य कमान से बाहर निकलने के वादे से पीछे हट गए। नेशनल रैली के अध्यक्ष जॉर्डन बार्डेला ने पेरिस के बाहर विलेपिंटे में यूरोसैटरी हथियार व्यापार शो में कहा कि यदि मतदाता उनकी दक्षिणपंथी पार्टी को बहुमत देते हैं, जिससे वह नई सरकार का नेतृत्व कर सकें, तो वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर फ्रांस द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठाने की योजना नहीं बना रहे हैं। यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण का उल्लेख करते हुए बार्डेला ने कहा , जब हम युद्ध में हैं तो फ्रांस को नाटो की सैन्य कमान नहीं छोड़नी चाहिए, क्योंकि इससे यूरोपीय परिदृश्य में फ्रांस की जिम्मेदारी काफी कमजोर हो जाएगी और जाहिर है, अपने सहयोगियों के संदर्भ में उसकी विश्वसनीयता भी कम हो जाएगी। यह टिप्पणी 2022 के फ्रांसीसी राष्ट्रपति चुनाव के लिए उनकी पार्टी द्वारा अपने घोषणापत्र में किए गए चुनावी वादे से अलग है।

कनिष्क बम विस्फोट की 39वी बरसी पर भारत ने कहा आतंकवाद का मुकाबला करने में वह सबसे आगे

ओटावा। नागरिक विमानन के इतिहास में सबसे जघन्य आतंकवाद से संबंधित हवाई दुर्घटना कनिष्क बम विस्फोट को याद करते हुए वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा है कि भारत आतंकवाद की समस्या से निपटने में सबसे आगे है और इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। मॉन्ट्रियल-नई दिल्ली एअर इंडिया कनिष्क उड़ान संख्या 182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए। इनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई थे।

इस बम विस्फोट का आरोप सिख आतंकवादियों पर लगाया गया था। यह विस्फोट कथित तौर पर 1984 में स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए किए गए ऑपरेशन ब्लूस्टार के प्रतिशोध में किया गया था। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने बम विस्फोट की बरसी पर एक स्मृति कार्यक्रम की योजना बनाई है। वैंकूवर स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, भारत आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने में सबसे आगे है और इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उसने कहा, 23 जून 2024 को एअर इंडिया की फ्लाइट संख्या 182 (कनिष्क) पर हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की 39वीं बरसी है, जिसमें 86 बच्चों सहित 329 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। यह नागरिक उड्डयन के इतिहास में सबसे जघन्य आतंकवाद-संबंधी हवाई दुर्घटनाओं में से एक थी।

यह स्मृति कार्यक्रम 23 जून को वैंकूवर में स्टेनली पार्क के केपरले खेल मैदान में एअर इंडिया मेमोरियल में आयोजित किया जाएगा। वाणिज्य दूतावास ने भारतीय समुदाय के सदस्यों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने के वास्ते इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। भारत द्वारा आयोजित यह श्रद्धांजलि सभा खालिस्तानी आतंकवादियों के मुद्दे पर कनाडा के साथ भारत के संबंधों में तनाव के बीच हो रही है। पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कथित सिख आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया है।

भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपनी धरती से गतिविधियां चला रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को बिना किसी रोक-टोक के जगह दे रहा है। भारत ने बार-बार कनाडा के समक्ष अपनी गहन चिंता जाहिर की है तथा नई दिल्ली को उम्मीद है कि ओटावा ऐसे तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्वाई करेगा। इस बीच, कनाडा की संसद ने मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में मौन रखकर निज्जर की मृत्यु की पहली बरसी मनाई। पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा पुलिस ने हत्या के सिलसिले में चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

पाक के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पत्रकार की हत्या कर दी गई

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वरिष्ठ पत्रकार की उनके घर के पास ही गोली मारकर हत्या कर दी है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को खैबर जिले के लांडी कोटल शहर में निजी खबरिया चैनल खैबर न्यूज के पत्रकार खलील जिबरान अपने मित्र के साथ अपने घर जा रहे थे, उसी दौरान मोटरसाइकिल से आए बदमाशों ने उनको निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि जिबरान की कार उनके घर के पास ही खराब हो गई, तभी बंदूकधारियों ने उन्हें घेर लिया और गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला एवं उनपर गोलियां दाग दीं। अधिकारी ने बताया कि इस हमले में जिबरान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनका वकील मित्र घायल हो गया। उनके अनुसार हमले के बाद हमलावर वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि जिबरान को आतंकवादियों से धमकियां भी मिल चुकी थीं। जिबरान के मित्रों ने खैबर-पख्तूनख्वा राजमार्ग पर उनका शव राकर प्रर्दान किया। बाद में उन्हें उनके पैतृक गांव में दफना दिया गया, जिबरान कोटल प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष भी थे। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जिबरान के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गांदपुर ने प्रशासन को पत्रकार के हत्या के लिए जिम्मेदार अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। एसोसिएशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक मीडिया एडिटर्स एंड न्यूज डायरेक्टर्स ने इस हत्या की कड़ी निंदा की।

अमेरिका ने ताइवान को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए हथियार बेचने को मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने ताइवान को 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए हथियार बेचने को मंजूरी दी और इसके साथ वह ताइवान को सैकड़ों सशस्त्र ड्रोन, मिसाइल उपकरण और संबंधित साजो सामान भेजेगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। मंगलवार को की गई यह घोषणा अप्रत्याशित नहीं है।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

नई दिल्ली शाखाः एबी-20, सफदरजंग एन्क्लेव,
इंडियन बैंक डीडीए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली - 110029.
फोनः (0) 011-26175763, (डी) 26105485
मोबाइलः 9971094350। ईमेलः sdenclave@indianbank.co.in

परिशिष्ट-।

मांग सूचना
वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के तहत सूचना

इंडियन बैंक
लाजपत नगर शाखा, ए -13, 1 मंजिल, डीडीए कॉम्प्लेक्स, डिफेंस कॉलोनी दिल्ली -110024 से
1. मैसर्स महाशक्ति एंटरप्राइजेज प्रोप. मुकेश कुमार पुत्र श्री रूप चंद (उधारकर्ता)
10/3 फ्रंट पोर्शन, सुभाष नगर-दिल्ली-110027
औरः प्लॉट नं. 543, चांदनी चौक, क्लॉथ मार्केट, दिल्ली -110006
2. श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री रूप चंद (गारंटर)
प्लॉट नं. 89, गांव-नाहरपुर रूपा, (हीरो होंडा चौक के पास) तहसील और जिला गुड़गांव, हरियाणा - 122004
औरः -170, टटेसर सुभा गांव, दिल्ली-110081
महोदय,
विषयः इंडियन बैंक लाजपत नगर शाखा में आपका ऋण खाता/खाते 50023050191
आप में से पहला एक प्रोपराइटरशिप फर्म है। दूसरा मैसर्स महाशक्ति एंटरप्राइजेज प्रोप. मुकेश कुमारी अभी या सभी भौतिक समयों पर प्रोपराइटर है। दूसरा श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री रूप चंद आप में से पहले द्वारा लिए गए ऋण खातों के गारंटर हैं। आप में से श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री रूप चंद आप में से पहले द्वारा लिए गए ऋण खातों के लिए अपनी संपत्ति को सुरक्षा के रूप में पेश करने वाले बंधककर्ता हैं। आप में से पहले के अनुरोध पर, बैंकिंग व्यवसाय के दौरान, निम्नलिखित सुविधाएँ स्वीत की गईं और आप में से पहले द्वारा उनका लाभ उठाया गया। (यदि बाद में कोई वृद्धि/नवीनीकरण/अतिरिक्त ऋण हुआ है, तो उसका विवरण भी विशेष रूप से शामिल किया जा सकता है)। रु. 1.60 करोड लाख (रु. एक करोड़ साठ लाख) की लिमिट
आप में से पहले ने प्रत्येक उक्त सुविधा के लिए निम्नलिखित दस्तावेज निष्पादित किए हैं:

सुविधा का प्रकार	दस्तावेज के प्रकार
1. एसओडी	1. ऋण दस्तावेज दिनांकित 06.09.2010 2. ईएम दिनांकित 06.09.2010

बार-बार अनुरोध करने के बावजूद आपको ब्याज के साथ राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, आप सभी और आप में से प्रत्येक जो संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी हैं, देय राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहे हैं और चूक की है।
भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आस्ति वर्गीकरण से संबंधित निर्देशोंधदिशानिर्देशों के अनुसार ऋण खाते को 18-10-2011 से अनुपयोज्य आस्ति के रूप में वर्गीत किया गया है।
*****14.05.2024 को आपके द्वारा देय बकाया राशि निम्नानुसार है**

खाता नं.	शेष बुक	ब्याज/अन्य प्रभार दिनांक 13.05.2024 तक कुल	कुल
50023050191	**12,00,522.00**	एमओआई-88,56,362.00	**1,00,56,884.00**

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत उधारकर्ता शब्द का अर्थ किसी ऐसे व्यक्ति से है जिसे बैंक द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है या जिसने बैंक द्वारा दी गई उक्त वित्तीय सहायता के लिए सुरक्षा के रूप में कोई गारंटी दी है या कोई बंधक/सृजित भार बनाया है। इसलिए, आप सभी को और आप में से प्रत्येक को 14-05-2024 की तारीख तक देय राशि अर्थात **रु. 1,00,56,884/- (रु. एक करोड़ छप्पन हजार आठ सौ चौरासी मात्र)** दिनांक 14.05.2024 से ब्याज भुगतान की तारीख तक धारा-13(2) के तहत जारी इस नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा बैंक उक्त अधिनियम के तहत आपके किसी और संदर्भ के बिना प्रतिभूति हित के प्रवर्तन के अपने अधिकारों का प्रयोग करने के लिए बाध्य होगा। यदि आप इस नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर अपनी पूर्ण देनदारियों का निर्वहन करने में विफल रहते हैं, तो बैंक अधिनियम की धारा 13(4) के तहत अपने प्रवर्तन अधिकारों का प्रयोग करेगा, जैसा कि अनुसूची में दी गई सुरक्षित संपत्ति के खिलाफ है।
यदि आप इस नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर अपनी पूर्ण देनदारियों का निर्वहन करने में विफल रहते हैं, तो बैंक अधिनियम की धारा 13 (4) के तहत अपने प्रवर्तन अधिकारों का प्रयोग करेगा, जैसा कि अनुसूची में दी गई सुरक्षित संपत्ति के खिलाफ है।
इस नोटिस की तारीख से 60 दिनों की समाप्ति पर और मांग का अनुपालन करने में आपकी विफलता पर, बैंक अधिनियम के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करने के लिए कब्जा लेने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।
कृपया नोट करें कि अधिनियम की धारा 13 (13) के प्रावधानों के अनुसार बैंक की पूर्व लिखित सहमति के बिना इस नोटिस की तारीख के बाद बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से सुरक्षित परिसंपत्तियों (यहां अनुसूची में दी गई है) का कोई हस्तांतरण नहीं किया जाएगा।
यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि यह नोटिस बैंक को उपलब्ध किसी अन्य उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना आपको संबोधित किया गया है। कृपया नोट करें कि यह नोटिस डीआरटी/डीआरएटी/डीआरएटी/न्यायालय के डीआरटी/आरओ के समक्ष वर्तमान में लंबित कार्यवाही को आगे बढ़ाने और प्राप्तध्प्राप्त किए जाने वाले आदेश/डिक्री के निष्पादन के साथ आगे बढ़ने के बैंक के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जारी किया गया है।
कृपया ध्यान दें कि बैंक आपको उन देनदारियों को चुकाने के लिए कॉल करने का अधिकार सुरक्षित रखता है जो छूट वाले बकाया बिलों, बैंक गारंटी और आपकी ओर से जारी और स्थापित क्रेडिट पत्रों के साथ-साथ अन्य आकस्मिक देनदारियों के तहत उत्पन्न हो सकती हैं।
"हम सरफेसी अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों पर ध्यान आकर्षित करते हैं जो प्रतिभूतियों पर आपके मोचन के अधिकारों से संबंधित हैं"
अधोहस्ताक्षरी इस नोटिस को जारी करने और पूर्वोक्त धारा 13 के तहत शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बैंक का विधिवत अर्धित अधिकारी है।

अनुसूची
जिन परिसंपत्तियों में सुरक्षा हित सृजित किए गए हैं, उनका विशिष्ट विवरण नीचे दिया गया है:
बंधक आस्तियां - सम्पत्ति मकान नं. 89, जिसका क्षेत्रफल 320 वर्ग गज (कवर्ड क्षेत्रफल 870 वर्ग फीट), जिसमें 4 कमरे, शौचालय और बाथरूम हैं, जिसमें बिजली और पानी का कनेक्शन, जोकि गांव नाहरपुर रूपा, तहसील और जिला गुड़गांव में स्थित, पंजीकरण सं. 5917 में दिनांक 02/06/2010 को बिक्री विलेख द्वारा पुस्तक सं. - 01, खंड सं. 9753, पृष्ठ सं. 140 द्वारा पंजीकृत
स्थानः दिल्ली
दिनांकः 19.06.2024
प्राधिकृत अधिकारी,
इंडियन बैंक

मजे के लिए तोते सुगंधित पौधों, बदबूदार चीटियों और शराब का कर रहे उपयोग

द कन्वरसेशन। कैनबरा

पक्षियों को विभिन्न कारणों से तीखे रसायनों की तलाश रहती है। कुछ पक्षी सड़े फलों को बड़े चाव से खाते हैं और इसके दुष्परिणाम भुगतते हैं। कुछ पक्षी बदबूदार चींटियों के संपर्क में रहते हैं। ये चींटियाँ उपयोगी रोगाणुरोधी और कीट विकर्षक का उत्पादन करती हैं। हमारे हालिया शोध में, मेरे सहयोगियों और मैंने नॉरफ़ॉक द्वीप के हरे तोतों को शिकार के दौरान अपने पंखों और त्वचा पर काली मिर्च के पेड़ की छाल और कोंपलों लगाते हुए देखा। हमारा मानना है कि यह किसी पक्षी द्वारा परजीवियों से छुटकारा पाने के लिए पौधों के पदार्थ का उपयोग करने का एक दुर्लभ उदाहरण है। लेकिन इसमें और भी कुछ हो सकता है. ऐसा लगता है कि ए पक्षी इस सब में आनंद ले रहे हैं। एक सदी से भी अधिक समय से, वैज्ञानिक चींटी के उद्देश्य पर उलझन में हैं। जब पक्षी इस तरह के व्यवहार में संलग्न होते हैं, तो वे या तो सक्रिय रूप से चींटियों को फैलाते हैं या बस चींटियों को अपने पंखों के माध्यम से चलने देते हैं। बचाव में चींटियाँ फॉर्मिक एसिड छोड़ती हैं। क्या पक्षी इस एसिड से मजा लेते हैं? हो सकता है कि काली मिर्च के पेड़ की छाल का औषधीय प्रभाव भी अधिक हो। इसकी अत्यधिक संभावना है कि ऐसी स्व-चिकित्सा उत्तेजक होती है।

उत्तेजक पदार्थ

फॉर्मिक एसिड और पिपेरिन (काली मिर्च के पेड़ों से प्राप्त) दोनों ही सिद्ध औषधीय, रोगाणुरोधी और कीट-विकर्षक गुणों वाले तीखे रसायन हैं। जब हमारे हरे तोते मिर्च के पेड़ की तीखी छाल और पत्तियों को अपने पंखों से काट रहे थे, चबा रहे थे और रगड़ रहे थे तो वे अतिरिक्त रूप से उत्साहित दिखाई दे रहे थे। लगभग एक सदी पहले, 1931 में, प्रशिया के प्रकृतिवादी अल्फ्रेड ट्रोस्चुट्ज़ ने "फॉर्मिक एसिड का विशेष रूप से स्वीकार्य प्रभाव होना चाहिए" के बारे में कहा था। फिर, 1957 में, अमेरिकी पक्षीविज्ञानी लोवी व्हिटेकर ने निष्कर्ष निकाला कि जिस पक्षी का वह अध्ययन कर रही थी वह चींटी से "संभवतः यौन उत्तेजना सहित कामुक आनंद प्राप्त करता प्रतीत होता है। उनके विचारों को तुरंत खारिज कर दिया गया। लेकिन क्या ऐसा है? कुछ शिकारी पक्षियों द्वारा प्राप्त की गई स्पष्ट आनंदमय स्थिति सर्वविदित है। लोग अक्सर पंख फैलाए हुए, टेढ़े-मेढ़े शरीर वाले, शायद लड़खड़ाते हुए और सामान्य रूप से प्रतिक्रिया करने में – यानी भागने में असमर्थ प्रतीत होने वाले ऑस्ट्रेलियाई मैग्पीज़ को देखते हैं। मनुष्यों में, पिपेरिन (काली मिर्च में मुख्य घटक) हल्का उत्तेजक होता है। और कई संभावित मतिभ्रमकारी या मन-परिवर्तन करने वाले पदार्थ, विशेष रूप से फॉर्मिक एसिड, को चींटी के विषाक्त पदार्थों से अलग किया गया है। फॉर्मिक एसिड का उपयोग मांसपेशियों को टोन करने, मांसपेशियों की ऊर्जा बढ़ाने और थकान की भावना को कम करने के लिए किया जाता है। 17वीं सदी के यूरोप में, यह एक लोकप्रिय टॉनिक का "गुप्त" घटक था, जिसके बारे में माना जाता था कि यह स्वास्थ्य में सुधार, पाचन को शांत करता है और यौन भूख को बढ़ाता है। दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया में स्वदेशी समूहों ने औषधीय प्रयोजनों के साथ-साथ धार्मिक अनुष्ठानों के लिए लाल हार्वेस्टर चींटियों का उपयोग किया। लंबे समय तक कैटेटोनिक अवस्थाओं को प्रेरित करने के लिए भारी मात्रा में चींटियों को जीवित निगल लिया गया, जो मतिभ्रमजनक दृष्टि से बाधित थीं।

प्रभाव में उड़ना

कई पक्षी किण्वित फल और जामुन खाकर नशे में धुत हो जाते हैं। उनकी नशे की हालत का अक्सर तब पता चलता है जब वे खिड़कियों या कारों से टकराते हैं, बेहोशी की हालत में बिल्लियों द्वारा पकड़ लिए जाते हैं, या शराब विषाक्तता से पीड़ित होते हैं। 2021 में, लगभग आधा दर्जन नशे में धुत्त लाल पंखों वाले तोतों को अधिक पके आम खाने के बाद पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के ब्रूम पशु चिकित्सा अस्पताल को सौंप दिया गया था। कई अन्य कभी क्लिनिक तक नहीं पहुंचे। केरेरू की शराबी प्रतिष्ठा के कारण इसे 2018 में न्यूजीलैंड के बर्ड ऑफ द ईयर के रूप में वोट दिया गया। यह कबूतर कभी-कभी नशे में धुत्त होने के लिए जाना जाता है, यहां तक कि पेड़ों से भी गिर जाता है। नशेड़ी तोते और कबूतर पार्टी एनीमल के तौर पर चुटकुलों का हिस्सा बनते हैं, लेकिन इस तरह के व्यवहार का एक गहरा विकासवादी संदर्भ है। जैसे-जैसे फल पकता है यह मीठा और अधिक पौष्टिक हो जाता है। जैसे-जैसे यह अधिक पकता है, चीनी किण्वित होने लगती है और अल्कोहल की सांद्रता बढ़ जाती है।

किण्वन के दौरान उत्पन्न वाष्पशील यौगिक (अल्कोहल) हवा में उड़ सकते हैं, पक्षियों को समृद्ध भोजन स्रोत का पता लगाने में मदद मिलती है। इथेनॉल भी अपने आप में ऊर्जा का एक स्रोत है और भूख को उत्तेजित करता है। पक्षी, हमारे मानव पूर्वज और अन्य जानवर सहित फल खाने वाले इथेनॉल की उपस्थिति को चीनी की कमी और हल्के आनंद के साथ जोड़ने लगे होंगे। फल खाने वाले बीज फैलाने या क्रॉस-परागण की सुविधा देकर फल या रस पैदा करने वाले पौधों को पुरस्कृत करते हैं। शराब के प्रति आकर्षण की इस विकासवादी व्याख्या को कभी-कभी द ड्रंकन मंकी हाइपोथिसिस के रूप में जाना जाता है, जिसे सबसे पहले अमेरिकी जीवविज्ञानी रॉबर्ट डुडले ने सुझाया था।

अफगानिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया की नजरें कोहली और कुलदीप पर

भाषा। ब्रिजटाउन (बारबडोस)

टीमें : भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज **अफगानिस्तान:** राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जदरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक

भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ बृहस्पतिवार को टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के पहले मुकाबले में उतरेगी तो नजरें काफी समय से खामोश पड़े विराट कोहली के बल्ले पर होगी जबकि बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी अंतिम एकादश में जगह बनाने को बेताब होंगे। भारतीय टीम संयोजन को लेकर काफी चर्चा हो रही है। भारत ग्रुप चरण की टीम में कोई बदलाव नहीं करेगा या किसी विशेषज्ञ तेज गेंदबाज की जगह पिछले एक साल से अधिक समय से अपने सर्वश्रेष्ठ स्पिनर को टीम में जगह देगा। टूर्नामेंट की शुरूआत में कप्तान रोहित शर्मा ने चार हरफनमौलाओं (हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा) को अंतिम एकादश में रखने पर जोर दिया था। न्यूयॉर्क में गेंदबाजों की मददगार पिच पर यह रणनीति भारत के लिए कारगर भी साबित हुई। इससे आठवें नंबर तक बल्लेबाजी को गहराई मिलती है और कप्तान इस संयोजन में छेड़छाड़ नहीं करना चाहेंगे। कुलदीप को टीम में लाने के लिए मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह को बाहर रखना होगा। ऐसा होने पर सिराज को बाहर रहना पड़ सकता है। भारतीय टीम के दो अभ्यास सत्रों को देखें तो पिच से स्पिनरों को मदद मिलने के कारण कुलदीप का दावा पुख्ता होता है। केनसिंग्टन ओवल के आसपास ठंडी हवाओं से पावरप्ले में तेज गेंदबाजों को स्विंग मिलना चाहिए। भारतीय प्रशंसकों की नजरें कोहली पर लगी होंगी जो अभी तक इस टूर्नामेंट में दोहरे अंक तक नहीं पहुंचे हैं। न्यूयॉर्क में वह अपनी चिर परिचित शैली से कामयाब नहीं रहे लेकिन वेस्टइंडीज में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। बीच के और डैथ ओवरों में छक्के लगाने के लिए टीम में शामिल किए गए दुबे अभी तक अपनी रंगत में एक ही बार दिखे हैं। अमेरिका की पिचों पर वह खुलकर नहीं खेल सके लेकिन अब वह बड़े शॉट खेलना चाहेंगे। भारत के स्टार टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ अपने अंदाज के विपरीत खेलकर रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में कमाल कर रहे हार्दिक पंड्या भी रन नहीं बना सके हैं। गेंदबाजी में अर्शदीप के प्रदर्शन में मैच दर मैच निखार आया है और वह जसप्रीत बुमराह का बखूबी साथ दे रहे हैं। स्पिनरों की मददगार पिच पर अक्षर और जडेजा भी उपयोगी साबित होंगे। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम ग्रुप चरण के आखिरी मैच में वेस्टइंडीज से हारकर यहां पहुंची है। पहले तीन मैचों में निर्णायक साबित हुए उसके गेंदबाजों को वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने उन्नीस साबित कर दिया। कप्तान राशिद खान की उम्मीदें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी पर टिकी होंगी जो अब तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक 12 विकेट ले चुके हैं।

कैरेबिया में अच्छा करेंगे कोहली: हेडन

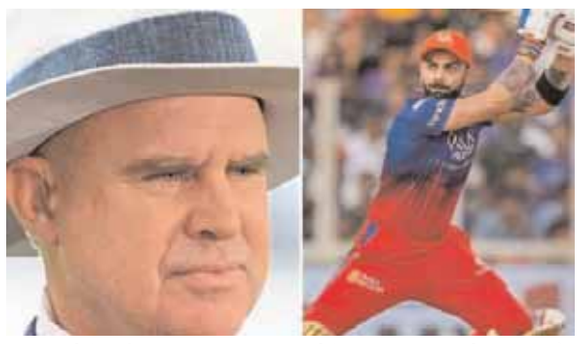

भाषा। नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने बुधवार को कहा कि परिस्थितियों और विभिन्न प्रकार की पिचों का अनुभव ही विराट कोहली को विश्व स्तरीय बल्लेबाज बनाता है जिससे वह टी20 विश्व कप के कैरेबियाई चरण में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा 741 रन बनाने वाले विराट टी20 विश्व कप में अभी तक ग्रुप चरण के मैच में।, 4 और 0 ही बना सके हैं। हेडन ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में कहा, कोहली किसी भी परिस्थिति में एक विश्व स्तरीय बल्लेबाज रहे हैं। कैरेबियाई सरजमीं में आपको अपनी पारी और लक्ष्य बनाने के तरीके के बारे में सोचना होगा। सेंट लूसिया के बाहर पार स्कोर 160-170 रन है और विराट अपने पूरे अनुभव के बूते यह पता कर पाएंगे कि क्या करना है।

उन्होंने कहा, विराट ने मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया। हर कोई इन महान चैम्पियन खिलाड़ियों को खुलकर खेलते हुए देखना चाहता है और ऐसा ही होने वाला है क्योंकि अनुभव मायने रखता है। हेडन चाहते हैं कि सुपर आठ चरण में कोहली भारत के लिए पारी का आगाज करें। उन्होंने कहा, आईपीएल के दौरान मैंने कहा था कि कोहली को पारी का आगाज करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि तीसरे नंबर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएगा। इन विकेट पर आप आते ही 250 रन नहीं बना सकते। आपको सोचकर खेलने वाले क्रिकेटर की जरूरत है। हेडन ने कहा, कोहली को कैरेबियाई पिचों पर चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वह आपको दिखाएंगे कि भारतीय चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा क्यों किया है। हेडन ने कहा कि कोहली को अपने स्ट्राइक रेट को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें शानदार स्ट्राइक भी जारी रखने की जरूरत है। विश्व कप में हमने देखा कि अगर आप पिछड़ गए तो वापसी करना मुश्किल होता है तो आपको पहले 10 ओवर में अच्छा रहना होगा। भारत के पूर्व बल्लेबाज के श्रीकांत ने भी हेडन की तरह कहा, विराट किंग ऑफ किंग्स (राजाओं का राजा) है। हम कल अफगानिस्तान के खिलाफ खेल रहे हैं। और मुझे नहीं लगता कि हमें चिंता करनी चाहिए। वह एक बार फिर रन बनाएगा। भारत के लिए मैच जीतेगा। बस उसे अकेला छोड़ दो। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने जसप्रीत बुमराह को एक पीढ़ी में एक बार पैदा होने वाला गेंदबाज करार दिया और कहा कि प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी उनकी प्रतिष्ठा के कारण कभी कभार उन्हें निशाना नहीं बनाते दिखते।

बिशप ने कहा, जसप्रीत चतुर गेंदबाज है। उसके पास रफ्तार है। लेकिन वह कई गेंदबाजों की तुलना में अच्छी तरह जानता है कि अपनी वैरिएशन का इस्तेमाल कहां किया जाए। उन्होंने कहा, आपने उसे यह कहते हुए सुना होगा कि मैं हर दिन स्टंप हंटिंग नहीं करता क्योंकि कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं यॉर्कर गेंद डालता हूं और कभी वाइड यॉर्कर डालता हूं, कभी कभार परिस्थितियों को देखकर धीमी गेंद फेंकता हूँ या अपने बाउंसर का उपयोग करता हूँ। उन्होंने कहा, साथ ही उसका एक्शन काफी अलग है जिसमें गेंद काफी तेजी से आती है। और तभी फुल टॉस गेंद पर शॉट नहीं लगते क्योंकि वह तेजी से आपके पास आती है। श्रीकांत और पीयूष चावला ने कहा कि गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में खिलाना चाहिए क्योंकि वह एक मैच विजेता हो सकते हैं। श्रीकांत ने कहा, अगर मैं कप्तान होता तो मैं निश्चित रूप से कुलदीप यादव को खिलाता। कलाई के स्पिनर हमेशा मैच विजेता हो सकते हैं। मैं सिराज को बाहर कर सकता हूं। इस विकेट पर कुलदीप को निश्चित रूप से खेलना चाहिए। चावला ने कहा, शत प्रतिशत कुलदीप को खेलना चाहिए। अगर आप पिचों को देखो तो ए स्पिनरों के मुफीद हैं। आपको निश्चित रूप से एक कलाई के स्पिनर की जरूरत है, विशेषकर ऐसी पिचों पर जहां गेंद स्पिनर कर रही है और जहां पिच धीमी हैं।

पीढ़ी में एक बार ही पैदा होता है बुमराह जैसा गेंदबाज:बिशप

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को चार रन से हराया

मंधाना और हरमनप्रीत के शतक श्रृंखला मे 2-0 की विजई बढ़त बना

भाषा। बेंगलुरू

स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक से भारत ने बड़े स्कोर वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को चार रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजई बढ़त बना ली।भारत के 326 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम कप्तान लॉरा वोलवार्ट (135 रन, 135 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और मारिजेन कैप (114 रन, 94 गेंद, 11 चौके, तीन छक्के) के बीच चौथे विकेट की 184 रन की साझेदारी के बावजूद 50 ओवर में छह विकेट पर 321 रन ही बना सकी। वोलवार्ट ने अंत में नेदिन डि क्लर्क (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 69 रन जोड़े लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। भारत की तरफ से पूजा वस्त्राकर ने 54 जबकि दीप्ति शर्मा ने 56 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। भारत ने इससे पहले मंधाना (136) और हरमनप्रीत (नाबाद 103) के शतक और दोनों के बीच तीसरे विकेट की 171 रन की साझेदारी से तीन विकेट पर 325 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। यह पहला महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला है जिसमें चार शतक जड़े गए। मंधाना ने अपने लगातार दूसरे और कुल सातवें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक के दौरान 120 गेंद में 18 चौके और दो छक्के मारे। हरमनप्रीत अपने छठे शतक के दौरान 88 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके और तीन छक्के जड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने चौथे ओवर में ही टैजमिन ब्रिट्स (05) का विकेट गंवा दिया जिन्हें अरुंधति रेड्डी ने बोल्ड किया।सलामी बल्लेबाज वोलवार्ट और एनेके बॉश (18) ने टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। बॉश 15 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहीं जब दीप्ति की गेंद पर आशा शोभना ने उनका कैच टपका दिया। बॉश हालांकि इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सकीं और दीप्ति की ही गेंद पर जेमिमा रोड्रिग्ज को आसान कैच दे बैठीं। मंधाना ने अपनी कामचलाऊ ऑफ स्पिन गेंदबाजी से सुने लूस (12) को दूसरी ही गेंद पर विकेटकीपर रिचा घोष के हाथों कैच कराया। यह मंधाना का पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट है। वोलवार्ट और मारिजेन की अनुभवी जोड़ी ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। मारिजेन शुरू से ही अच्छी लय में नजर आई और उन्होंने कुछ आकर्षक शॉट खेले जिसमें मंधाना पर जड़ा छक्का भी शामिल है। दोनों ने 21वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

वोलवार्ट ने वस्त्राकर पर चौके के साथ 69 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह साथ ही महिला एकदिवसीय क्रिकेट में 4000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली अपनी देश की पहली खिलाड़ी बनीं। मारिजेन ने भी राधा यादव की गेंद पर एक रन के साथ 53 गेंद में 16वां अर्धशतक पूरा किया। मारिजेन ने अर्धशतक पूरा करने के बाद तीखे तेवर दिखाए और दीप्ति की गेंद पर दो रन के साथ सिर्फ 85 गेंद में शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम 10 ओवर में जीत के लिए 103 रन की दरकार थी। वोलवार्ट ने शेफाली वर्मा पर छक्का मारा।मारिजेन ने भी दीप्ति पर छक्का जड़ा लेकिन एक गेंद बाद इसी शॉट को दोहराने की कोशिश में लॉन्ग ऑफ बाउंड्री पर वस्त्राकर के हाथों लपकी गईं। वोलवार्ट ने आशा की गेंद पर एक रन के साथ 119 गेंद में शतक पूरा किया और फिर लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।दक्षिण अफ्रीका को अंतिम पांच ओवर में 54 रन की जरूरत थी। शेफाली और दीप्ति ने अपने ओवरों में आठ-आठ रन दिए जबकि वोलवार्ट ने वस्त्राकर के ओवर में चौके और छक्के से 15 रन जुटाए।

ओलंपिक के बाद डॉक्टर की सलाह लेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्कु (फिनलैंड)। ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद एडक्टर (जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों) में होने वाली तकलीफ के इलाज के लिए डॉक्टरों से सलाह लेंगे। एक महीने के ब्रेक के बाद ट्रैक और फील्ड पर लौटे चोपड़ा ने पावो नुरमी खेलों में तीसरे प्रयास में 85 . 97 मीटर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। चोपड़ा ने पिछले महीने एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापिस ले लिया था चूंकि वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने जीत के बाद कहा , आज मौसम अच्छा था और थोड़ी ठंडक थी। अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं क्योंकि सभी छह थ्रो फेंक सका। उन्होंने कहा , हर साल मुझे एडक्टर में दिक्कत होती है। ओलंपिक के बाद मैं डॉक्टरों से राय लूंगा। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के दावेदार चोपड़ा ने दो साल पहले इस टूर्नामेंट में 89 . 30 मीटर के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने सत्र की शुरूआत मई में दोहा डाइमंड लीग में 88 . 36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर की। उन्होंने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी भाग लेकर 82 . 27 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में पाक के कई सीनियर्स को आराम दिया जा सकता है

लाहौर। टी20 विश्व कप के निराशाजनक अभियान के बाद पाकिस्तान के कई सीनियर खिलाड़ियों को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के लिए आराम दिया जा सकता है जिसमें कप्तान बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बांग्लादेश के साथ श्रृंखला के लिए योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए टेस्ट कप्तान शान मसूद और टेस्ट में नए मुख्य कोच आस्ट्रेलिया के जेसन गिलेस्पी के संपर्क में है। मसूद इंग्लैंड में काउंटी टीम यार्कशर की कप्तानी कर रहे हैं। पाकिस्तानी टीम टी20 विश्व कप ग्रुप ए के लीग मैच में अमेरिका और चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से हारने के कारण बाहर हो गई थी।

क्रोएशिया और अल्बानिया ने 2-2 से ड्रा खेला

हैम्बर्ग (जर्मनी)। क्रोएशिया और अल्बानिया ने बुधवार को यहां यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 में 2-2 से ड्रा खेला। यह बाल्कन देश की टीमों के बीच पहला प्रतिस्पर्धी मैच भी था। क्रोएशिया ने शुरू से ही बढ़त बनाने की कोशिश की लेकिन अल्बानिया के काजिम लैसी ने हेडर से 11वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। दूसरे हाफ में आंद्रेज क्रामारिच ने 74वें मिनट में बराबरी गोल दागा। दो मिनट बाद ही क्लाउस गजासुला के आत्मघाती गोल ने क्रोएशिया को 2-। से आगे कर दिया। गजसुला ने हालांकि इसकी भरपाई करते हुए एक्स्ट्रा टाइम (905वें मिनट) में अल्बानिया के लिए बराबरी गोल कर दिया। इस ड्रा से क्रोएशिया और अल्बानिया ग्रुप बी में मुश्किल स्थिति में हैं क्योंकि दोनों अपने शुरुआती मैचों में क्रमश: स्पेन और इटली से हार गए थे।

स्ट्रफ हाले ओपन के दूसरे दौर में

हाले (जर्मनी)। जान लेनार्ड स्ट्रफ ने बुधवार को यहां हाले ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले में लुसियानो डारडेरी को हराया। स्ट्रफ ने डारडेरी को दो घंटे 31 मिनट तक चले मैच में 6-7 (2), 7-5, 7-6 (10)से पराजित किया। अब स्ट्रफ का सामना स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। डारडेरी का यह एटीपी टूर पर ग्रास कोर्ट पर पहला मैच था। एपी नमिता सुधीर

अंविता ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर में बढ़त बनाई

बेंगलुरू।अंविता नरेंद्र ने बुधवार को यहां दूसरे दौर में पांच अंडर 65 के स्कोर से महिला पेशेवर गोल्फ टूर के आठवें चरण में दो शॉट की बढ़त बना ली। पहले दौर में एक अंडर 69 का स्कोर बनाने वाली अंविता का कुल स्कोर छह अंडर 134 है। गुड़गांव की एमेच्योर लावन्या जेडोन दूसरे दौर में तीन अंडर 67 के स्कोर से कुल चार अंडर के स्कोर के साथ अंविता से दो शॉट पीछे दूसरे स्थान पर हैं। इस बीच सहर अटवाल एक अंडर 69 के स्कोर से कुल एक अंडर 139 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। एक अन्य एमेच्योर सानवी सोमु (70) एक ओवर 141 के कुल स्कोर से चौथे पायदान पर हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024: आदित्य बिड़ला कैपिटल बना भारतीय टीम का आधिकारिक प्रायोजक

मुंबई। आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय टीम के आधिकारिक प्रायोजक के तौर पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के साथ साझेदारी की घोषणा की। आदित्य बिड़ला कैपिटल इस साझेदारी में मार्केटिंग अभियान शुरू करेगा जिसमें पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख भारतीय एथलीट शामिल होंगे।

उतार-चढ़ाव रहे, लेकिन यादों के लिए धन्यवाद: स्टिमक ने विदाई संदेश में लिखा

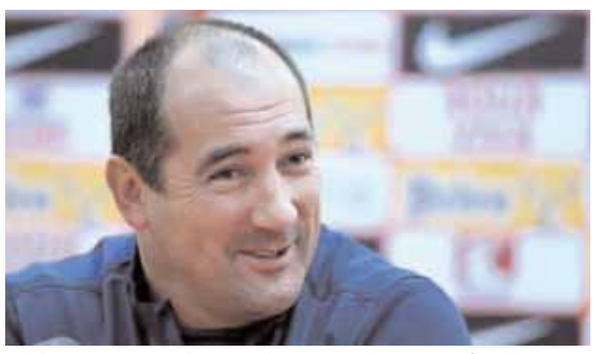

नई दिल्ली,(भाषा)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा बर्खास्तगी से हुई कड़वाहट के बाद इगोर स्टिमक ने खिलाड़ियों के साहस और जज्बे की प्रशंसा करते हुए बुधवार को कहा कि जब वह पहली बार देश के कोच बने थे तो उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह व्यक्तिगत रूप से इतना जुड़ जाएंगे। भारत के कतर से दूसरे दौर के अंतिम ग्रुप मैच में हारकर 2026 विश्व कप क्वालीफायर से बाहर होने के बाद स्टिमक को बर्खास्त कर दिया गया। स्टिमक ने ऐसा करने के लिए एआईएफएफ को धमकी दी कि अगर दस दिन के भीतर उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। स्टिमक ने एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे पर भड़ास निकालते हुए उन पर उनका अनुबंध कई बार तोड़ने का आरोप लगाया और फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर में भारत के दूसरे दौर से आगे नहीं जा पाने के लिए भी उन्हें जिम्मेदार ठहराया। स्टिमक ने कहा कि भारत में कार्यकाल के दौरान उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ा है और वह एआईएफएफ से दोबारा कुछ सुनना नहीं चाहते। लेकिन उन्होंने अपने एक्स पेज पर अपने धन्यवाद नोट में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए अपना स्नेह व्यक्त किया। क्रोएशिया पहुंचे स्टिमक ने कहा, सभी भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों और मेरे ब्लू टाइगर्स (टीम के खिलाड़ियों) के लिए, पिछले पांच साल तक आपकी सेवा करना सम्मान की बात है। जब मैं पहली बार आप सभी के साथ जुड़ा था तो मुझे इस देश के साथ इतना मजबूत जुड़ाव होने और व्यक्तिगत रूप से इतना जुड़ने की उम्मीद नहीं थी।

उत्तर क्षेत्र चयनकर्ता: रात्रा और सोढ़ी-मेहरा के साक्षात्कार हुए

नई दिल्ली। (भाषा) पूर्व भारतीय खिलाड़ी पंजाब के ऑलराउंडर रीतिंदर सिंह सोढ़ी और हरियाणा के विकेटकीपर अजय रात्रा उन कई उम्मीदवारों में शामिल हैं जिनका राष्ट्रीय चयनकर्ता पद के लिए साक्षात्कार लिया गया है। यह पद पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सलील अंकोला के जल्द ही पद छोड़ने के बाद खाली हो जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हिमाचल प्रदेश के तेज गेंदबाज से मैच रेफरी बने शक्ति सिंह और पंजाब के पूर्व बल्लेबाज अजय मेहरा का भी साक्षात्कार लिया है। यह भी समझा जाता है कि जूनियर राष्ट्रीय चयनकर्ता कृष्ण मोहन भी दावेदारी में हैं, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की जा सकी है। रात्रा वर्तमान में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से क्षेत्ररक्षण कोच के रूप में जुड़े हुए हैं जबकि सोढ़ी और शक्ति बीसीसीआई के मैच रेफरी हैं। मेहरा वर्तमान में कमेंटेटर हैं।अंकोला जूनियर चयन ढांचे का हिस्सा बन सकते हैं। उन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ता का अपना पद खाली करना होगा क्योंकि सीनियर चयन पैनल में पश्चिम क्षेत्र और उसमें भी विशेष रूप से मुंबई से दो लोग हैं। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष अजीत अगरकर भी मुंबई से हैं और वह पैनल का नेतृत्व करेंगे इसलिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की परंपरा अंकोला को बाहर जाने के लिए मजबूर करेगी। पता चला है कि अंकोला को बिना किसी गलती के बाहर जाना होगा इसलिए बीसीसीआई के अधिकारी उन्हें जूनियर चयन समिति का अध्यक्ष बनाने की योजना बना रहे हैं। जूनियर समिति में कोई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नहीं है। कर्नाटक के पूर्व विकेटकीपर तिलक नायडू इसके अध्यक्ष हैं।

अंकोला ने 1989 से 1997 के बीच एक टेस्ट और 20 एकदिवसीय मैच खेले हैं इसलिए वह इस पद के लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया दिल्ली से पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर निखिल चोपड़ा हैं जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें डीडीसीए (दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ) का मजबूत समर्थन हासिल है। अन्य उम्मीदवार दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास हैं जिन्हें जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ का भी समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, लेकिन पता चला है कि एक बहुत प्रभावशाली पूर्व पदाधिकारी चाहते थे कि पंजाब के पूर्व कप्तान कृष्ण मोहन आवेदन करें और उन्होंने उसी के अनुसार आवेदन किया।

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम फाइनल में, नजरें विश्व कप खिताब की हैट्रिक पर

अंताल्या (तुर्की)। भारत की ज्योति सुरेखा वेनाम, अदिति स्वामी और परणीत कौर की तीरंदाजी कंपाउंड महिला तिकड़ी ने बुधवार को यहां विश्व कप चरण तीन के फाइनल में जगह बनाई और अब उनकी नजरें इस वैश्विक प्रतियोगिता में खिताबी हैट्रिक पर टिकी हैं। इस साल अप्रैल और मई में शंघाई और एचियोन में लगातार दो विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली दुनिया में नंबर एक भारतीय कंपाउंड महिला टीम ने एकतरफा सेमीफाइनल में मेजबान तुर्की को 234-227 से हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना एस्टोनिया से होगा। शीर्ष वरीय टीम के रूप में क्वालीफाई करने वाले भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली जहां टीम ने अल सल्वाडोर को 235-227 से हराया।प्रियांश, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश फुगे की पुरुष टीम को निकोलस गिरार्ड, जीन फिलिप बोल्च और एड्रियन गोनटिएर की टीम के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में सिर्फ एक अंक (235-236) से शिकस्त झेलनी पड़ी।

बोपन्ना-इब्डेन की जोड़ी सिंच चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में

लंदन। शीर्ष वरीय रोहन बोपन्ना और मैथ्यू इब्डेन की जोड़ी ने बुधवार को यहां आस्ट्रिया की एलेक्जेंडर अर्लर और लुकास मेडलर की जोड़ी पर सीधे सेटों में जीत से सिंच टेनिस चैम्पियनशिप के पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। बोपन्ना और इब्डेन की भारतीय-आस्ट्रेलियाई जोड़ी ने युगल क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। बोपन्ना और इब्डेन की भारतीय-आस्ट्रेलियाई जोड़ी ने विम्बलडन चैम्पियनशिप की तैयारी की शुरूआत करते हुए एटीपी 500 ग्रासकोर्ट टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में 56 मिनट में 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।